हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com रायपुर, रविवार 1 मार्च 2026

PATANJALI® पतंजलि के "देश का सबसे बड़ा ब्राण्ड" बनने की कहानी पतंजलि®

पूजनीय स्वामी रामदेव जी व आचार्य श्री बालकृष्ण जी के तीन दशकों से अधिक के अनवरत पुरुषार्थ, तपस्या और अटल संकल्प के बल पर पतंजलि ने भारत के घर–घर तक अपनी पहुंच बनाई और करोड़ों देशवासियों के हृदय को जीता। योग व आयुर्वेद, जो कभी केवल गुफाओं और गुरुकुलों तक सीमित था, उसे पतंजलि ने जन–जन तक पहुँचाने का ऐतिहासिक कार्य किया। जनमानस की आवश्यकता और आग्रह के अनुरूप औषधियों के साथ–साथ दैनिक जीवन में उपयोगी वस्तुओं का निर्माण किया, और इस प्रकार पतंजलि ने स्वदेशी चेतना को प्रबल किया। लगभग पांच लाख लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त हुआ है। एक करोड़ से अधिक दुकानों तक स्वदेशी सेवा का व्यापक विस्तार हुआ है। 100 करोड़ भारतीयों के समर्थन और 1 करोड़ से अधिक कार्यकर्ताओं के निःस्वार्थ सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं।

5000 से अधिक उत्पादों के साथ स्वदेशी संकल्प: लगभग पाँच हजार से अधिक दैनिक उपयोग की वस्तुएँ, पशु आहार, औषधियाँ तथा जीवनोपयोगी उत्पाद देशवासियों के लिए उपलब्ध कराए गए हैं। रोजगार सृजन के साथ–साथ लगभग एक करोड़ प्रशिक्षित कार्यकर्ता निःशुल्क एवं निःस्वार्थ भाव से सेवा कार्यों में समर्पित हैं। इन अनवरत प्रयासों और संकल्पों के परिणामस्वरूप आज पतंजलि समूह का वार्षिक टर्नओवर लगभग 50,000 करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है।

अर्थ से परमार्थ व राष्ट्रसेवा (Prosperity for Charity): PFL को प्राप्त होने वाला सम्पूर्ण लाभ, पतंजलि गुरुकुलम्, भारतीय शिक्षा बोर्ड, आचार्यकुलम, पतंजलि विश्वविद्यालय, रिसर्च फाउंडेशन, चिकित्सा, शिक्षा, वृक्षारोपण, सनातन धर्म और भारत माता की सेवा में पूर्णतः समर्पित किया जाता है। इस प्रकार लाभ का 100% भाग निःस्वार्थ चैरिटी और राष्ट्रसेवा के कार्यों में लगाया जाता है। पूजनीय स्वामी रामदेव जी का संकल्प है कि अपने अंतिम श्वास तक हम पवित्रता और प्रामाणिकता के साथ भारत माता की सेवा करते रहेंगे तथा एक स्वस्थ, समृद्ध और परम वैभवशाली भारत के निर्माण में अपना योगदान देते रहेंगे। पूजनीय आचार्य बालकृष्ण जी कई वर्षों से विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों और अनुसंधानविदों की श्रेणी में सम्मिलित हैं। उनके दृष्टिकोण से पतंजलि विज्ञान, अनुसंधान और स्वदेशी नवाचार के माध्यम से वैश्विक मानचित्र पर अग्रणी ब्रांड बन रहा है। योग, आयुर्वेद, स्वदेशी, सनातन धर्म की सेवा में आज पतंजलि भारत के श्रेष्ठतम संस्थान के रूप में कार्यरत है।

हाई बी. पी. को प्राकृतिक रूप से निर्मूल करने के लिए।

डायबिटीज को रिवर्स करने में लाभदायक

वात रोग, आर्थराइटिस, RA, CRP, AVN, ANA, HLA-B27 आदि के लिए

ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, कफ, कोल्ड के लिए रिसर्च एवं एविडेंस बेस्ड मेडिसिन

ब्रेन, नर्वस सिस्टम व मेमोरी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

इम्यूनिटी के लिए सर्वश्रेष्ठ औषधियां

किडनी प्रॉब्लम्स को रिवर्स करने के लिए

फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस आदि को रिवर्स करने के लिए

बहिष्कार करें– केमिकल व एनिमल बेस्ड प्रोडक्ट्स का और न्यूट्रेला नैचुरल ऑर्गेनिक प्रोटीन, विटामिन्स, ओमेगा आदि अपनाएं

ओबेसिटी के लिए अचूक औषधि

कोलेस्ट्रॉल के लिए

थायरॉइड के लिए

चिकित्सा के परामर्श के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि चिकित्सालय पर अवश्य विज़िट करें।

5000 पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर्स के लोकेशन का पता जानने के लिए गूगल पर सर्च करें।

एक कॉल से सभी समस्याओं को घर बैठे निःशुल्क सॉल्व करने के लिए कॉल करें– **1800 296 1111** तथा पतंजलि की समस्त सेवाओं की जानकारी के लिए **8954 555 999** पर कॉल करें

घर बैठे पतंजलि प्रोडक्ट्स ऑनलाइन आर्डर करने के लिए ऑर्डर मी ऐप डाउनलोड करें।

डाउनलोड करें ORDER ME

पतंजलि के एक्सक्लूसिव स्टोर पर डिस्काउन्ट पाने और साथ ही 15 लाख के इन्श्योरेंस का लाभ उठाने के लिए पतंजलि स्वदेशी समृद्धि कार्ड बनवाएं। कार्ड का मेम्बर बनने के लिए अपने नज़दीकी पतंजलि स्टोर पर सम्पर्क करें।

2601 XXXX XXXX XXXX

PATANJALI wellness Yoga, Ayurveda & Naturopathy

समस्त असाध्य रोगों से स्थायी मुक्ति पाने के लिए एक बार 7 दिन पतंजलि वेलनेस में रेजिडेंशियल योग, आयुर्वेद एवं पंचकर्म आदि की चिकित्सा के लिए अवश्य आयें।

रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 8954666222, 8954666333

लगभग 1 करोड़ स्टोर्स पर पतंजलि के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। फिर भी कोई प्रोडक्ट स्टोर पर उपलब्ध नहीं है तो आप दुकानदार से इसकी डिमाण्ड करें, वो इसे उपलब्ध करायेंगे।

भारत एक ऋषि एवं कृषि प्रधान देश है। इसलिए उच्चतम श्रेणी के पशु आहार एवं फूड सप्लीमेंट्स।

पतंजलि पशु आहार

पतंजलि मसाले, पापड़, दलिया, कैंडी, मुरब्बा, नमकीन और पाचक

नोट– पतंजलि के मल्टीग्रेन आटा व कुछ विशिष्ट 1 हजार प्रोडक्ट्स पतंजलि एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ही उपलब्ध हैं।

पतंजलि के आटा रेंज एवं पतंजलि चावल रेंज

दिल्ली एनसीआर, उत्तराखण्ड, राजस्थान व महाराष्ट्र में पतंजलि के डेयरी प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं।

पतंजलि हेल्दी एवं न्यूट्रिशियस फूड प्रोडक्ट्स, पावर वीटा, केसर व ड्राईफ्रूट्स, अचार, जैम व सॉस, पोहा, सूजी, बेसन, सेवई

स्वीट्स एवं स्नैक्स

माइग्रेन पेन, मस्तिष्क आदि के लिए सर्वश्रेष्ठ पतंजलि बादाम रोगन व बादाम पाक

बादाम रोगन व बादाम पाक, एनर्जी बार एवं इंस्टेंट मिक्स

महाकोश, सनरिच, रुची गोल्ड देश का नं. 1 पाम्ल ऑयल ब्राण्ड एवं न्यूट्रेला ऑयल रेंज

धूप–अगरबत्ती के नाम पर बहुत भयंकर मिलावट है तथा 100% पवित्रता बाँस रहित अगरबत्ती, भीमसेनी कपूर, शुद्धतम तिल तेल, हवन सामग्री आदि से अपने इष्ट का पूजन करें।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 1 मार्च 2026

This is happening now.

Experience unmatched accessibility at Rama World, thoughtfully planned with five entry points.

Rama Group हमेशा से Vision और Trust का प्रतीक रहा है।

Today, that vision is coming to life at **Rama World**, with global stores, premium restaurants setting up, banquet and entertainment spaces getting ready to welcome the city across 100+ magnificent acres. Soon, it will be buzzing with brands, people, and activity, bringing fresh energy to Raipur every day.

What was once just a plan is now becoming one of Raipur's most exciting commercial hub. Located on Vidhan Sabha Road with seamless connectivity, **Rama World** is thoughtfully designed as a complete one-stop destination for shopping, dining, celebrations, and all your needs in one vibrant place.

RAMA GROUP Building a Better Tomorrow | HIRA GROWING STRONGER TOGETHER

📞 70491 10000 - 91091 10001 / 2 / 3

Site Address - Vidhan Sabha Rd, Near MGM Eye Hospital, Ama Seoni, Chhattisgarh - 492014 | www.ramaworld.in

Rera No. PCGRERA301220001173
https://rera.cgstate.gov.in

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अमेरिका-इजरायल हमलों से ईरान में तबाही, 200 से ज्यादा की मौत, 747 घायल

- ईरान के रक्षा मंत्री और आईआरजीसी के दो-तीन कमांडरों की मौत
- पश्चिम एशिया संघर्ष से हवाई क्षेत्र बाधित, खाड़ी देशों के लिए उड़ानें प्रभावित
- भारतीय दूतावासों ने अपने नागरिकों के लिए परामर्श जारी किया

- दुबई में बुर्ज खलीफा के पास हमला, सभी एयरपोर्ट बंद
- इजरायल में फंसे भारतीयों का जार्डन, इजिप्ट के रास्ते होगा रेस्क्यू
- पीवी सिंधु दुबई एयरपोर्ट पर फंसी, इंगलैंड जा रहीं थीं
- एयर इंडिया और इंडिगो की 28 से ज्यादा उड़ानों पर असर

ईरान ने इन देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को बनाया निशाना

- कतर
- कुवैत
- जॉर्डन
- बहरीन
- सऊदी अरब
- यूएई

अमेरिका-इजरायल के हमले के बाद ईरान ने छह देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर दागीं मिसाइलें

तेल, ताकत और तख्त की जंग

नेतन्याहू का बड़ा दावा, खामेनेई के मारे जाने की संभावना

इजरायल और अमेरिका ने शनिवार को मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। हमलों में अब तक 201 लोगों की मौत हो गई है और 747 लोग घायल हुए हैं। दक्षिणी ईरान के एक स्कूल पर मिसाइल गिरने से 85 छात्राओं की मौत हो गई, जबकि 45 घायल हैं। इधर, पलटवार में ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इस बीच, भारत ने खाड़ी देशों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

एजेंसी ▶▶| दुबई/ तेहरान

इजराइल-ईरान जंग के बीच मिडिल ईस्ट में हालात तेजी से बिगड़ गए हैं, जिसका असर दुबई से लेकर भारत तक दिखाई दे रहा है। दुबई की मशहूर इमारत बुर्ज खलीफा के पास ड्रोन हमला हुआ। एहतियातन बुर्ज खलीफा को खाली करा दिया गया और उसकी लाइट्स बंद कर दी गईं। हमले के बाद दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट और अल मकतूम एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन अगले आदेश तक रोक दिया गया। कई देशों ने अपना एयरस्पेस अस्थायी रूप से बंद कर दिया, जिससे दुनियाभर की फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। एयर इंडिया ने घोषणा की है कि 1 मार्च को लंदन, टोरंटो, फ्रैंकफर्ट, पेरिस और शिकागो के लिए उसकी सभी निर्धारित उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। भारत की डीजीसीए ने भी एयरलाइंस को 11 देशों के एयरस्पेस से बचने की सलाह दी है। यात्रियों को एयरपोर्ट न जाने और अपनी एयरलाइंस से ताजा जानकारी लेने की सलाह दी गई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरानी जनता से 'अपने भाग्य की बागडोर अपने हाथ में लेने' और 1979 से देश पर शासन कर रहे इस्लामी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करने का आह्वान किया। अमेरिका-इजराइल से जंग में ईरान को बहुत बड़ा झटका लगा है। इजराइली हमले में ईरान के रक्षा मंत्री अमीर नासिरजादेह और रिवोल्यूशनरी गाड्‌र्स के कमांडर मोहम्मद पाकपुर के मारे जाने की ▶▶| शेष पेज 3 पर

ईरान कभी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता

वेस्ट पाम बीच। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट किए गए आठ मिनट के वीडियो में कहा कि अमेरिका ने ईरान में बड़े पैमाने पर युद्ध अभियान शुरू कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को विकसित करना जारी रखा है और अमेरिका तक मार करने में सक्षम मिसाइलों को विकसित करने की योजना बना रहा है।

ये हमला अमेरिका और दुनिया के लिए फायदेमंद नहीं: ओमान

ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने मध्य पूर्व में बढ़ती हिंसा पर दुख जताया है। वे पिछले एक महीने से अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत कराने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चल रही बातचीत इस हिंसा की वजह से फिर से कमजोर पड़ गई है। उनके अनुसार, यह हालात न तो अमेरिका के लिए अच्छे हैं और न ही दुनिया में शांति के लिए। उन्होंने कहा कि बेगुनाह लोगों को इसका नुकसान होगा। उन्होंने अमेरिका से कहा कि वह इस लड़ाई में और आगे न बढ़े, क्योंकि यह उसकी जंग नहीं है।

खामेनेई के घर पर अमेरिकी मिसाइल का हमला

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई के सरकारी कंपाउंड में बहुत तबाही हुई। चीन की कंपनी मिजारविजन ने सैटेलाइट तस्वीरें जारी की हैं, जिनमें धुआं और टूटे हुए भवन दिख रहे हैं। माना जा रहा है कि खामेनेई हमले के समय तेहरान में नहीं थे।

इजरायल पर हमला करेंगे हूती विद्रोही

यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में समुद्री मार्गों और इजराइल पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले फिर से शुरू करने का फैसला किया है। दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह बात नाम उजागर न करने की शर्त पर कही क्योंकि हूती नेतृत्व की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

मिडिल ईस्ट में जंग... टेंशन में दुनिया

मिडिल ईस्ट फिर जंग की जद में है। अमेरिका-इजरायल ने ईरान पर हमला कर दिया है। ईरान ने भी पलटवार करते हुए कतर-यूएई जैसे देशों में अमेरिकी एयरबेस को निशाना बनाया है। ईरान और यूएस-इजराइल के बीच टकराव पहली बार नहीं है। पहले भी कई बार ये आपस में भिड़ चुके हैं। आइए जानते हैं पहले इनके बीच कितनी बार आमना-सामना हुआ है और हालिया जंग के भारत सहित विश्व पर प्रभाव क्या हो सकते हैं? यह जंग आगे कहां तक जा सकती है?

पहले भी पांच बार हो चुकी है अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच लड़ाई

भारत सहित दुनियाभर में पड़ेगा असर

वेट-एंड-वॉच मोड पर हैं रूस-चीन और नाटो

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

बार सीधी लड़ाई हुई है। हर बार ईरान को ज्यादा नुकसान हुआ है। ईरान बदला लेता है लेकिन इजरायल-अमेरिका की ताकत ज्यादा साबित होती है। ये जंगें छोटी रही हैं लेकिन हर बार पूरा विश्व टेंशन में आ जाता है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी।

ऑपरेशन प्रेइंग मैंटिस 1988

1988 में अमेरिका और ईरान के बीच एक छोटी लेकिन बहुत तेज जंग हुई जिसका नाम था ऑपरेशन प्रेइंग मैंटिस। यह जंग सिर्फ एक दिन चली थी। अमेरिका ने बड़ी जीत हासिल की। इस जंग में अमेरिका के सिर्फ 2 सैनिक मारे गए जबकि ईरान के 56। ईरान की पूरी नौसेना का आधा हिस्सा तबाह हो गया। अमेरिका का एक हेलीकॉप्टर भी क्रैश हो गया।

2020 में फिर टकराव

जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बहुत बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर 11 मिसाइलें दाग दीं। यह जंग सिर्फ कुछ घंटों और दिनों तक चली। इसमें कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट लगी।

2025 में 12 दिन संघर्ष

जून 2025 में इजरायल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग 13 जून से 24 जून तक करीब 12 दिन चली। इजरायल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया। इस जंग में ईरान के 1060 से 1190 लोग मारे गए जिनमें 400 से ज्यादा आम नागरिक थे। इजरायल के 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गए।

2024 की दो छोटी भिड़ंत

अप्रैल 2024 में ईरान ने इजरायल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागीं। इजरायल ने 90 प्रतिशत हमले रोक लिए। यह जंग 1-2 दिन चली। अक्टूबर 2024 में फिर ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजरायल ने भी ईरान पर हमला किया। यह भी 1-2 दिन की जंग थी।

अब आगे क्या?

ईरान इस तरह दे सकता है दुनिया को टेंशन

ईरान इन अटैक्स के साथ कूटनीतिक तौर पर होर्मुज जलमार्ग को बंद कर सकता है, जहां से दुनिया का लगभग 40 फीसदी तेल आयात होता है। अगर ये रास्ता बंद होता है तो भारत समेत दुनिया भर में कच्चे तेल आपूर्ति की समस्या तो आएगी ही. साथ में इस रास्ते भारत का एक्सपोर्ट भी प्रभावित होगा।

ईरान के समर्थन में रूस और चीन की भूमिका

अमेरिका-इजरायल के खिलाफ ईरान के टकराव में उसके सहयोगी चीन और रूस सीधे तौर पर हस्तक्षेप नहीं करेंगे, इसका सबसे बड़ा कारण यही है कि रूस खुद यूक्रेन से जंग में उलझा है। वहीं चीन इंडो-पैसिफिक प्राथमिकताओं और आर्थिक स्थिरता पर अपना ध्यान लगाए हुए है। हां ये हो सकता है कि वे कूटनीतिक मंचों पर सक्रिय रहें।

ईरान के खिलाफ क्या नाटो देश भी आगे आएंगे?

यह साफ है कि सैन्य ताकत के लिहाज से अमेरिका और इजरायल के सामने ईरान कमजोर ही है। बावजूद इसके अगर ईरान ने साहस दिखाते हुए अमेरिका के किसी सैन्य बेस पर हमला किया तो यह नाटो के नियमानुसार सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा। हालांकि नाटो की प्रत्यक्ष भागीदारी कई कारकों पर निर्भर करेगी, हमलों की प्रकृति, कानूनी व्याख्या और सदस्य देशों की राजनीतिक इच्छाशक्ति।

भारत में ये सेक्टर हो सकते हैं प्रभावित

- **एविएशन:** जेट फ्यूल महंगा होने से एयरलाइंस कंपनियों के मार्जिन पर दबाव आ सकता है।
- **पेंट्स और ऑटोमोबाइल:** ये सेक्टर सीधे कच्चे तेल के दाम से जुड़े होते हैं। कच्चे तेल में उछाल इनके लिए बुरा संकेत है।
- **डिफेंस :** ऐसे समय में अक्सर डिफेंस सेक्टर के शेयरों में हलचल देखी जाती है, क्योंकि युद्ध के माहौल में देशों का रक्षा बजट और हथियारों की मांग बढ़ जाती है।

यह करना चाहिए भारतीयों को

युद्ध की खबरें डराती जरूर हैं, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था में अभी भी काफी मजबूती है। क्यू3 जीडीपी के आंकड़े (7.8%) इसके सबूत हैं। अगर आपने बहुत अधिक रिस्क लिया हुआ है, तो उसे संतुलित करें. लेकिन सिर्फ डर के मारे अच्छे स्टॉक्स को बेचने की गलती न करें. अब सबकी नजरें इस बात पर हैं कि ईरान का जवाबी हमला कितना बड़ा होगा और युद्ध कितना लंबा खिंचता है। यह स्थिति अनिश्चितता की है। अगले कुछ दिन ग्लोबल मार्केट्स में हलचल रहेगी। एक समझदार निवेशक के तौर पर, अपनी निवेश रणनीति में अनुशासन रखें।

खाड़ी देशों में 93 लाख से अधिक प्रवासी भारतीय

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो खाड़ी क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अस्थिरता फैल सकती है, जिसका सीधा असर वहां काम कर रहे प्रवासी भारतीयों पर पड़ेगा। ताजा अनुमानों के अनुसार खाड़ी सहयोग परिषद के देशों में लगभग 93 लाख से अधिक भारतीय रह रहे हैं।

तेहरान में हमले के बाद मची अफरा-तफरी, सड़कों पर घबराए हुए लोग।

'बोलिविया में करेंसी से भरा प्लेन क्रैश, 15 की मौत, 30 घायल'

एजेंसी ▸▸| ला पाज

बोलिविया के एल आल्टो शहर में शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) एक विमान क्रैश हो गया। यह बोलिविया की वायुसेना का हरक्यूलिस विमान था। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हैं। विमान देश के सेंट्रल बैंक के नए नोट लेकर जा रहा था। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, खराब मौसम के बीच विमान लैंडिंग के बाद रनवे से फिसलकर पास की व्यस्त सड़क पर जा गिरा। जिस सड़क पर यह गिरा, वहां खड़ी 10 से 15 गाड़ियां भी इसके चपेट में आ गईं। एयरक्राफ्ट का मलबा, टूटी हुई कारें और लाशें सड़क पर बिखरी नजर आईं। सड़क पर बैंक के नोट भी बिखरे नजर आए, जिन्हें उठाने के लिए लोग मौके पर जुट गए। हादसे के बाद एयरपोर्ट अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

खराब मौसम के कारण रनवे से फिसला

दो टुकड़ों में बंटा प्लेन

सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हादसे के बाद अफरातफरी का माहौल दिखा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को पानी की बौछार और आंसू गैस का इस्तेमाल करना पड़ा। हालांकि, इन वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। हादसे के बाद एल आल्टो इंटरनेशनल एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। राष्ट्रीय एयरलाइन ने बयान जारी कर बताया कि दुर्घटनाग्रस्त प्लेन उसके बेड़े का हिस्सा नहीं था, यह बोलिवियन एयर फोर्स का विमान था। स्थानीय मीडिया में प्रसारित फुटेज में विमान बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखा।

'एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम के लिए पर्याप्त बजट दें'

एजेंसी ▸▸| नई दिल्ली

राहुल गांधी ने लिखा वित्त मंत्री सीतारमण को लेटर

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। उन्होंने सशस्त्र बलों के पूर्व सैनिकों से जुड़े दो महत्वपूर्ण मुद्दों पर हस्तक्षेप की मांग की है। 25 फरवरी 2026 को लिखे लेटर में राहुल ने एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम (ईसीएचएस) के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराने और दिव्यांगता पेंशन पर लगाए गए नए आयकर प्रावधान को वापस लेने मांग की। राहुल ने लिखा है कि एक्स-सर्विसमेन कंट्रीब्यूटरी हेल्थ स्कीम का उद्देश्य पूर्व सैनिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देना है, लेकिन यह गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने देश की सेवा की, वे आज खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। इस लेटर एक कॉपी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी भेजी गई है। दरअसल, राहुल गांधी डिफेंस की पार्लियामेंट स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य हैं। वे लगातार एक्स-सर्विसमेन के लिए सरकारी सुविधाएं बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

यह उठाए मुद्दे

- 12 हजार करोड़ से ज्यादा के मेडिकल बिल पेंडिंग
- बजट आवंटन आवश्यकता से लगभग 30% कम
- भुगतान न होने के कारण कई अस्पताल योजना से बाहर हो रहे हैं।
- पूर्व सैनिकों को इलाज के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 1 मार्च 2026

सूरजपुर में जिला संवाद आज

सरगुजा के मान सम्मान को चोट पहुंचाई, इसलिए हारी कांग्रेसः नेताम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

अंबिकापुर में आयोजित सार्थक संवाद कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ सरकार के कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने कहा है कि सरगुजा क्षेत्र में सबसे बड़ी जरूरत इंडस्ट्रियल हब तैयार करने की है। इस दिशा में काम हो रहा है और बॉक्साइट के साथ ही पावर प्लांट को जगह दी जा रही है। हालांकि इसमें सबसे बड़ी कठिनाई जमीन अधिग्रहण की आती है क्योंकि इस विषय में नए नियम लागू होने के बाद सख्ती बढ़ती जा रही है। हरिभूमि आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि यदि अगले चुनाव में कांग्रेस ने सरगुजा क्षेत्र से सीएम बनाने की घोषणा की तो एकाध सीट पर जीत मिल जाएगी वरना फिर से सभी 14 सीटों पर भाजपा की आसान जीत होगी।2018 के चुनाव में कांग्रेस ने सरगुजा संभाग के मान सम्मान और स्वाभिमान को चोट पहुंचाई, जिसका परिणाम उन्हें सभी 14 सीटों पर हार के रूप में मिला।

कांग्रेस अंचल से सीएम बनाने की घोषणा करे तो एकाध सीट जीतेगी, भाजपा ने संभाग से सीएम बनाया

डॉ. द्विवेदीः 2023 के चुनाव में जब भाजपा सभी सीटों पर प्रत्याशी बदलने लगी उसके बाद भी आप सुरक्षित कैसे रह गए?

रामविचार नेतामः मैंने अब तक जितनी भी राजनीति की है उसमें सबसे ऊपर रखा है पार्टी के प्रति निष्ठा और प्रतिबद्धता को। जनहित के काम करना मेरी आदत में शुमार है। इसी आधार पर पार्टी ने मुझे टिकट दिया और जनता का समर्थन भी मुझे मिला जिसके सहारे मुझे जीत मिली। सभी नए और पुराने कार्यकर्ताओं के साथ ही जनप्रतिनिधियों को यह समझना होगा कि पार्टी के प्रति आपके विचार और कर्तव्य ही काम आते हैं।

डॉ. द्विवेदीः सरगुजा क्षेत्र से 14 विधायक होने के बाद भी इस क्षेत्र से मुख्यमंत्री का दायित्व क्यों नहीं दिया गया?

रामविचार नेताम : प्रदेश का दायित्व संभालना एक बड़ी जिम्मेदारी होती है और पार्टी किसे इसके लायक समझती है यह संगठन स्तर का मामला होता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरगुजा संभाग से ही आते हैं और प्रदेश के मुखिया के तौर पर वह बेहतर काम कर रहे हैं। पार्टी ने मुझे जब जो दायित्व दिया है उसे ईमानदारी से निभाने का पूरा प्रयास किया हूं और जनता यह मानती है कि उसमें काफी हद तक सफल भी रहा हूं। ▶▶|शेष पेज 3 पर

नक्सलवाद खत्म होने व बेहतर कनेक्टिविटी से बढ़ेगा पर्यटनः राजेश

हरिभूमि और आईएनएच के मंच से

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा है कि नक्सलवाद खत्म होने और बेहतर कनेक्टिविटी के आधार पर छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाएं बढ़ गई हैं और इसे एक पर्यटन राज्य के रूप में विकसित करने पर पूरा जोर है। सरगुजा ▶▶|शेष पेज 3 पर

तीन साल बाद जीतने की स्थिति में होगी कांग्रेस, चुनाव लड़ना अभी तय नहींः टीएस

प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता टी एस सिंहदेव

ने कहा है कि वह अगला चुनाव लड़ने के बारे में अभी फैसला नहीं कर सके हैं। उन्होंने इसे राजनीतिक से ज्यादा उम्र का तकाजा भी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि 3 साल बाद की परिस्थितियों बदली तो चुनाव लड़ ▶▶|शेष पेज 3 पर

मैनपुर में महिलाएं बूंद के लिए भटक रही हैं, भिलाई में नल लगे लेकिन पानी नहीं

जल जीवन मिशन पर 11 हजार का खर्च भी नहीं बुझा पाया प्यास, कहीं झरिया से पी रहे पानी, कहीं नल सूखे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/ मैनपुर/ भिलाई

गर्मी ने अभी ठीक से दस्तक भी नहीं दी है उससे पहले ही छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में जल संकट के हालात बन गए हैं। सरकार ने लोगों की प्यास बुझाने के लिए जल जीवन मिशन पर 11 हजार करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं, इसके बावजूद कई इलाके ऐसे हैं जहां महिलाएं सिर पर बर्तन रखकर पानी के लिए लंबा सफर कर रही हैं। पानी के लिए गड्ढे. खोदने पड़े हैं।वहीं, शहरी क्षेत्र के कुछ इलाके ऐसे भी हैं, जहां पाइप लाइन को बिछी हुई है, लेकिन सालों बाद भी इनसे पेयजल की सप्लाई नहीं हो पाई है। नदियां सूख रही हैं, जिसकी वजह से लोग चिंता में पड़ गए हैं।

हरिभूमि सरोकार

गरियाबंद जिले के दूरस्थ वनांचल पहाड़ी क्षेत्र में पीने के पानी को लेकर हाहाकार मचना शुरू हो गया है। नदी-नाले, पोखर अभी से सूख जाने के कारण ग्रामीण जमीन खोदकर बूंद-बूंद पानी का इंतजाम करने जुटे हुए हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति कुल्हाड़ीघाट ग्राम पंचायत के विशेष पिछड़ी कमार जनजाति ग्राम ताराझर, कुर्वापानी भालुडिग्गी एवं ओढ़ आमामोरा पहाड़ी के उपर बसे ग्रामों पारा टोला की है। मैनपुर के पहाड़ी के उपर बसे कमार आदिवासी बाहूल्य ग्राम कुर्वापानी, ताराझर, भालूडिग्गी में आज आजादी के सात दशक बाद भी लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एक हेडपम्प भी नहीं लगा पाया है। तहसील मुख्यालय मैनपुर से 18 किलोमीटर दूर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के गोद ग्राम कुल्हाडीघाट एवं उसके आश्रित ग्राम, जो कुल्हाडीघाट से 20-22 किलोमीटर दूर पहाडी के उपर कुर्वापानी, ताराझर, भालूडिग्गी ओडिशा सीमा से लगा है। इन ग्रामों की जनसंख्या लगभग 520 की आसपास बताई ▶▶|शेष पेज 3 पर

बस्तर में नदी अभी से सूखने लगी प्रदेश के कई इलाकों में अभी से चिंता

नारंगी नदी में रेत जमाव से धारा हुई पतली

ग्रीष्म ऋतु की आहट के साथ बस्तर की जीवनदायिनी इंद्रावती की सहायक नदियों में जलस्तर घटने का प्रभाव दिखने लगा है। हालांकि इंद्रावती नदी में फिलहाल कोई असर नहीं है, लेकिन इसकी सहायक नारंगी नदी सूख रही है। भानपुरी से चित्रकोट की ओर जाने वाले मार्ग पर बहने वाली नारंगी नदी के एक ▶▶|शेष पेज 3 पर

टंकी खड़ी, लेकिन पानी नहीं

प्रदेश के कई गांव में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकियां बनाई गई हैं लेकिन बोर में पानी नहीं होने के कारण पानी की सप्लाई नहीं की जा सकी है। पिछले साल सरकार ने ऐसी पानी टंकियों को भरने के लिए प्रयास शुरू किए थे। कई जगह ठेकेदारों द्वारा कार्य ठीक से नहीं करने की शिकायतें भी आई थीं। यह मामला वर्तमान विधानसभा में भी उठा था।

लोगों को 15 साल से पानी का इंतजार

नगर निगम भिलाई क्षेत्र के लक्ष्मीनगर वार्ड 10 में घरों के सामने दो-दो लाइनें बिछी हुई हैं, लेकिन पानी आज तक नियमित रूप से नहीं पहुंचा। मटन मार्केट के पास, 33 नंबर बोरिंग क्षेत्र, प्रियदर्शनी स्कूल गली और आदर्श पारा के रहवासी पिछले करीब 15 सालों से पेयजल संकट झेल रहे हैं, जबकि इस वार्ड में 15 सालों में भागीरथी नल जल योजना और जल आवर्धन योजना के तहत लाखों रुपए खर्च कर दो-दो बार पाइप लाइन बिछाई गई है। लोग सुबह से शाम तक नल में पानी आने का इंतजार करते हैं, लेकिन नल सूखे ही रह जाते हैं। मजबूरी में पूरा वार्ड टैंकर के भरोसे है। यहां के लोगों का कहना है कि पहले टैंकर कम से कम तय समय पर आ जाया करता था, अब वह भी अनियमित हो गया है। कई बार दो-दो दिन तक पानी नहीं पहुंचता।

63.17 करोड़ के 89 कार्यों का किया लोकार्पण

सीएम ने बटन दबाया, किसानों के खातों में आए 10324 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बटन दबाकर प्रदेश के 25.28 लाख किसानों के खाते में 10 हजार 324 करोड़ रूपए से अधिक राशि का अंतरण किया। इनमें बिलासपुर जिले के 1 लाख 25 हजार 352 किसान शामिल है, जिनके खाते में 494.38 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री ने जिले के विकास को नई गति देते हुए 15.99 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुए 7 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं 247.18 करोड़ की लागत के 82 विकास कार्यों का शिलान्यास भी किया।

किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन किसान भाइयों के सम्मान का दिन है। प्रदेश के 25 लाख 28 हजार से अधिक किसानों ने धान बेचा है। कृषक उन्नति योजना के माध्यम से आज 10 हजार करोड़ से अधिक की राशि किसानों के खाते में अंतरित की गई है। किसान भाई होली का त्योहार ▶▶|शेष पेज 3 पर

मुख्यमंत्री से संवाद कर किसानों ने जताया आभार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने वर्चुअली जुड़कर प्रदेश के किसान हितग्राहियों से बात की। जगदलपुर की महिला हितग्राही बसंती कश्यप ने बताया कि खाते में 36 हजार रुपए की राशि आई है, इससे हम होली का त्योहार अच्छे से मनाएंगे। कोरबा जिले के पहाड़ी कोरवा हितग्राही सुखन साय ने बताया की 73 क्विंटल धान बेचे थे और 53 हजार रुपए की राशि मिली। उन्होंने कहा कि इस राशि से घर बनाने में खर्च करेंगे। जांजगीर जिले के किसान समर्थ सिंह ने बताया कि 1 लाख 41 हजार रुपए अंतर की राशि मिली है। किसान समर्थ सिंह ने मुख्यमंत्री का धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया।

खबर संक्षेप

मार्च- मई के बीच अधिकांश हिस्सों में लू का कहर

नई दिल्ली। इस साल मार्च से मई महीने के बीच देश के अधिकांश हिस्सों में लू से प्रभावित दिनों की संख्या सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। आईएमडी ने शनिवार को अपने मासिक पूर्वानुमान में यह जानकारी दी। इन क्षेत्रों में पश्चिमी राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, दक्षिणी और पूर्वी महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिमी बंगाल में गंगा के मैदान, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उत्तरी कर्नाटक और उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्से शामिल हैं। आईएमडी ने कहा, मार्च-अप्रैल-मई के दौरान सामान्य से अधिक दिनों तक लू के प्रकोप की आशंका सार्वजनिक स्वास्थ्य, जल संसाधनों, बिजली की मांग और आवश्यक सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण जोखिम पैदा कर सकती है।

15 हजार करोड़ के जीएसटी घोटाले का आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस के एसटीएफ की नोएडा इकाई ने 15 हजार करोड़ रुपये के बहुचर्चित जीएसटी घोटाले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी को हरियाणा के हिसार से गिरफ्तार किया है। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राज कुमार मिश्रा ने बताया कि आरोपी की पहचान हिसार निवासी बलदेव उर्फ बल्ली (38) के रूप में हुई है। उस पर गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट की ओर से 50,000 रुपये का इनाम घोषित था। वह थाना सेक्टर-20 में वर्ष 2023 में दर्ज एक मुकदमे सहित तीन मामलों में वांछित चल रहा था। उसके खिलाफ धोखाधड़ी और गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं।

तीन साल पहले युवक पर किया गया था हमला

हिस्ट्रीशीटर मैडी सहित 13 आरोपियों को 7 साल कैद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

जिला न्यायालय ने तीन साल पहले होटल हैवन्स पार्क के सामने एक युवक के साथ मारपीट कर जानलेवा हमला करने के मामले में हिस्ट्रीशीटर रितेश निखारे उर्फ मैडी सहित 13 आरोपियों को 7 साल कैद की सजा सुनाई है। 7 मई 2023 को चकरभाठा निवासी भास्कर वर्मा टेलीफोन एक्सचेज रोड स्थित हेवन्स पार्क के बार गए थे। रात 2 बजे उनका दोस्त नवीन गोस्वामी उन्हें लेने के लिए बाहर आया, फोन ▶▶|शेष पेज 3 पर

समर्थकों का लगा रहा जमावड़ा

मैडी एवं उसके साथियों को कोर्ट से सजा होने पर बड़ी संख्या में उसके समर्थक मिलने के लिए जिला न्यायालय पहुंच गए। सिविल लाइन टीआई एसआर साहू बल के साथ आरोपियों को मुलाहिजा कराने के लिए जिला अस्पताल लेकर गए, वहां भी बड़ी संख्या में समर्थक पहुंच गए। केन्द्रीय जेल ले जाने पर बड़ी संख्या में समर्थक जेल के बाहर में खड़े हुए थे। काफी मशक्कत के बाद पुलिस बल के द्वारा आरोपियों को जेल दाखिल कराया गया है।

ईडी कर रही मामले की जांच

शराब घोटाले में सौम्या को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

शराब घोटाला मामले में संलिप्तता के आरोप में अदालती कार्रवाई और जांच एजेंसियों के जांच का सामना कर रही सौम्या चौरसिया को हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है। जमानत पर सुनवाई के दौरान ईडी व राज्य शासन की ओर से जवाब पेश करने के लिए 10 दिन की मोहलत मांगी गई थी। हाईकोर्ट ने ईडी और राज्य सरकार की इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट में सौम्या चौरसिया की ▶▶|शेष पेज 3 पर

ये है प्रदेश का शराब घोटाला मामला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। शराब घोटाला मामले में ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है, जिसमें 3200 करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। इस घोटाले में राजनेता, आबकारी विभाग के अधिकारी, कारोबारी सहित कई लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में आईएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी ▶▶|शेष पेज 3 पर

गरियाबंद में नकद के साथ ही भारी मात्रा में हथियार बरामद

नक्सलियों के हथियार और 46 लाख बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

जिले के ग्राम बडेगोबरा के सांपसाटी जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए माओवादियों द्वारा डंप कर छिपाकर रखी गई 46 लाख 31 हजार 500 रुपए की नकद राशि, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, आर्म्स-एम्युनेशन और हथियारों का जखीरा बरामद किया है। यह संयुक्त कार्रवाई जिला पुलिस बल गरियाबंद की ई-30 ऑप्स टीम और डीआरजी धमतरी द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार, शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों से पूछताछ में प्रतिबंधित संगठन सीपीआई के ▶▶|शेष पेज 3 पर

यह हुआ बरामद

46,31,500 रुपए नकद, एक भरमार बंदूक, 33 भरमार राउंड, एक सुरका राइफल, 32 बीजीएल सेल, एक लैपटॉप, दो मोबाइल, इंसास, एसएलआर, एके-47 और .303 सहित विभिन्न हथियारों के कुल सैकड़ों राउंड, 13 इलेक्ट्रॉनिक और 10 नॉन-इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर के अलावा बड़ी मात्रा में नक्सली साहित्य और अन्य सामग्री बरामद हुई।

भालूडिग्गी पहाड़ में होता था नक्सलियों का डेरा

चलपति भालूडिग्गी पहाड़ से धमतरी, नुआपड़ा और गरियाबंद जिले को कंट्रोल करता था। ये पहाड़ नक्सलियों का डेरा होता था, हालांकि अब यहां एक भी नक्सली नहीं बचे हैं। मामला मैनपुर थाना क्षेत्र का है। पहले डंप से बरामद कैश में 2 लाख के 2 हजार के पुराने नोट और बाकी 500 रुपए के नोट हैं। दूसरे डंप में ग्रेनेड, बंदूक, हथियार थे।

सन् 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान संगठन के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। वहीं, इस युद्ध में दोनों ओर से सैकड़ों लोगों के मारे जाने की भी खबरें हैं। इस विवाद की मुख्य जड़ पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को माना जा रहा है। इसके अलावा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां भी जिम्मेदार हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। कुल मिलाकर दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। इसी का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

विश्लेषण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

> **दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था।**

सन् 2021 में अफगानिस्तान में फिर से तालिबान तंजीम के सत्तानशीन हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य सबसे गंभीर और खतरनाक सैन्य संघर्ष प्रारंभ हो गया है। दोनों मुल्कों के मध्य परस्पर ताल्लुकात के निरंतर बिगड़ते चले जाने की पृष्ठभूमि में सबसे बड़ी वजह रही है कि पाकिस्तान हुकूमत द्वारा तालिबान हुकूमत पर तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के मिलिटेंट्स को पनाह प्रदान करने, उनको संरक्षण और सैन्य इमदाद फराहम करने का संगीन इल्जाम आयद करता रहा है। उल्लेखनीय है कि टीटीपी द्वारा पाकिस्तान के अनेक सैन्य और नागरिक इलाकों पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। इतिहास की तल्ख विडंबना देखिए कि हुकूमत ए पाकिस्तान की फौज द्वारा ही अफगान तालिबान तंजीम को अफगानिस्तान की राजसत्ता पर 1996 में आसीन कराया गया था। विगत अनेक दशकों के दौरान हुकूमत ए पाकिस्तान अफ़गान तालिबान को प्रबल समर्थन प्रदान करना अपने राष्ट्रीय हित का मामला मानती रही।

सैन्य युद्ध जारी रखने का ऐलान

अब तो नौबत यहां तक आ पहुंची है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने ऐलान किया है कि अफगान तालिबान के खिलाफ सैन्य युद्ध जारी रखा जाएगा। आसिफ ने इल्जाम आयद किया है कि अफगानिस्तान की सरजमीं से पाकिस्तान के खिलाफ आक्रमणकारी साजिशें परवान चढ़ती रही हैं और पाकिस्तान पर घातक आक्रमण अंजाम दिए जाते रहे हैं। तालिबान हुकूमत के सैन्य प्रवक्ता ने फरमाया है कि जब कभी हम पर पाकिस्तान द्वारा सैन्य हमला अंजाम दिया जाएगा तो फिर हम समुचित सैन्य प्रतिउत्तर प्रदान करेंगे, लेकिन हम कभी पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य संघर्ष प्रारंभ नहीं करेंगे। यक्ष प्रश्न है कि यदि अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक लंबी और फुल स्केल जंग शुरू हो जाती है तो फिर इसका क्या परिणाम मुमकिन हो सकता है। यह संभव है कि अफगान विरुद्ध पाक जंग के परिणाम स्वरूप गंभीर क्षेत्रीय अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है। भारत के लिए अफगान विरुद्ध पाक जंग का एक सकारात्मक परिणाम भी हो सकता है कि पाक हुकूमत भारत की ओर से अपना रुख मोड़ लेने पर मजबूर हो सकती है।

कूटनीतिक बातचीत शुरू

अनेक विवेचकों का विचार है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य किसी बड़े युद्ध की संभावना फिलहाल नहीं प्रतीत हो रही है। विगत अनेक वर्षों से जब से तालिबान अफगानिस्तान में सत्तानशीन हुए हैं, तभी से यह सिलसिला निरंतर चलता रहा है कि पाकिस्तान फौज अफगानिस्तान पर हमला अंजाम देती है और फिर तालिबान जवाबी कार्रवाई करते हैं, सीमा पर तनाव उत्पन्न होता है और कूटनीतिक बातचीत शुरू हो जाती है। अफगानिस्तान के हालात को देखते हुए यह मुमकिन नहीं है कि तालिबान हुकूमत वस्तुतः पाकिस्तान के विरुद्ध किसी बड़ी जंग का आगाज करेगी, क्योंकि इसके लिए सैन्य क्षमताओं, हवाई संसाधनों, सप्लाई चैन और प्रशिक्षित सैनिकों की बड़ी दरकार होती है। अफगान तालिबान यकीनन पाकिस्तान फौज के प्रत्येक आक्रमण का समुचित उत्तर अवश्य ही देंगे, क्योंकि यह उनकी संप्रभुता और राष्ट्रीय आत्म सम्मान का बुनियादी प्रश्न है। वस्तुतः कूटनीतिक तौर पर हुकूमत ए पाकिस्तान द्वारा तालिबान हुकूमत को टीटीपी के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई अंजाम देने के लिए बातचीत के तमाम तरीके अख्तियार किए जा चुके हैं।

डूरंड लाइन स्वीकार नहीं

अभी तक तालिबान हुकूमत टीटीपी के विरुद्ध कोई भी निर्णायक कार्रवाई के लिए कदाचित तैयार नहीं हुई है। इसके पीछे एक विशिष्ट कारण रहा है कि तालिबान हुकूमत सोचती है कि अगर टीटीपी विरुद्ध फैसलाकुन कार्रवाई की जाएगी तो फिर टीटीपी के लड़ाके अंतरराष्ट्रीय दहशतगर्द तंजीम इस्लामिक स्टेट की तरफ जा सकते हैं, जो कि तालिबान की सबसे बड़ी दुश्मन तंजीम है। टीटीपी वस्तुतः एक खुदमुख्तार और आजाद पख्तूनिस्तान के लिए विगत अनेक विगत दशकों से पाक हुकूमत के विरुद्ध संघर्षरत रही है। अफ़गान वस्तुतः पाकिस्तान और अफगानिस्तान को विभाजित करने वाली तकरीबन दो हजार किलोमीटर लंबी डूरंड लाइन को कदाचित स्वीकार नहीं करते हैं। डूरंड लाइन को अफ़गानों को विभाजित और कमजोर करने वाली ब्रिटिश साम्राज्यवादी साजिश की कुटिल कूटनीतिक लाइन करार देते रहे हैं। डूरंड लाइन के दोनों तरफ पख्तूनों की बड़ी आबादी विद्यमान है। पाकिस्तान के उत्तरी क्षेत्र के सरहदी इलाकों में बसे हुए पख्तूनों और बलोचों द्वारा पाकिस्तान से मुकम्मल आजादी हासिल करने के लिए एक दीर्घकालीन गोरिल्ला युद्ध निरंतर जारी रहा है। इसी इलाके में टीटीपी का भी उदय हुआ था, जो कि तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान से प्रबल तौर पर प्रेरित रही है और गहन तौर से संबंधित भी रही है। अफगानिस्तान में सत्तानशीं तहरीक ए तालिबान अफगानिस्तान पख्तूनों के प्रभुत्व वाली तंजीम है। यही कारण है कि अफगानिस्तान हुकूमत आजकल पाकिस्तान के लिए भयंकर सरदर्द बनी हुई है। विगत वर्ष अक्टूबर महीने में जब अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत के विदेश मंत्री आमिर खान मुक्तकी भारत यात्रा पर पधारे थे, उस वक्त भी अफगानिस्तान और पाकिस्तान के मध्य एक सैन्य संघर्ष हुआ था। अक्टूबर के सैन्य संघर्ष में भी एक-दूसरे को काफी नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में अफगान शरणार्थियों को वापस भेज दिया था।

भारत के लिए अफगान अहम

अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत से पहले भारत और अफगानिस्तान के मध्य अत्यधिक प्रगाढ़ संबंध रहे। दरअसल कूटनीतिक और रणनीतिक तौर से भी भारत के लिए अफगानिस्तान सदैव से महत्वपूर्ण मुल्क रहा है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध 1947 से ही निरंतर तनावपूर्ण बने रहे हैं। 2021 से जब से अफगानिस्तान में तालिबान हुकूमत कायम हुई है, तभी से पाकिस्तान को संतुलित करने के लिए भारत तालिबान हुकूमत से कूटनीतिक बातचीत को सकारात्मक तरीके से निरंतर आगे बढ़ाता रहा है। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान की छापामार दहशतगर्दो की कार्यवाहियां दरअसल पाकिस्तान के आंतरिक व्यवस्था की कमजोरी को दुनिया के सामने पेश करती है। इनका बेबोनी आज इल्जाम पाकिस्तान का गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय भारत सरकार पर आयद करता रहा है।

अफगानी तालिबान की शह पर चल रहा टीटीपी

तनाव

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच जारी मौजूदा सैन्य संघर्ष की वजह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी की पाकिस्तान में बढ़ती गतिविधियां हैं, जिसके अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान से गहरे संबंध हैं। अफगानी तालिबान ने पाकिस्तान पर भी अफगानी तर्ज पर इस्लामी शासन स्थापित करने का सपना देखा है। इस सपने को हाल ही में तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानी टीटीपी ने देखा और उसकी घोषणा भी की है, जिसे अफगानी तालिबान का गहरा समर्थन है। मौजूदा अफगान-पाक संघर्ष की बड़ी वजह यही है। पाकिस्तान का आरोप है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान उसके यहां आतंकी कार्रवाइयों को अंजाम देता है। इसी आरोप में पाकिस्तान ने 21 से 26 फरवरी के बीच अफगानिस्तान के काबुल, कंधार, पक्तिका और खोस्त जैसे प्रमुख शहरों में हवाई हमले किए। हालांकि तब पाकिस्तान का दावा था कि उसने टीटीपी के ठिकानों को निशाना बनाया है, जबकि अफगानी तालिबान का कहना है कि पाकिस्तान ने उसकी संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इसके बाद अफगानी तालिबान की ओर से भी पाकिस्तानी इलाकों को निशाना बनाया जा रहा है। अफगानी तालिबान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद को भी निशाना बनाया है। जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान में करीब साढ़े छह हजार टीटीपी के लड़ाके हैं। हालांकि एक अन्य अनुमान के मुताबिक, इन दिनों टीटीपी के पास करीब पैंतीस हजार लड़ाके हैं। टीटीपी ने अपने नए सांगठनिक ढांचे का भी ऐलान किया है। इस घोषणा का उद्देश्य खुद को विद्रोही समूह से बदलकर 'समानांतर सरकार' के रूप में स्थापित करना है। टीटीपी ने इसके तहत पाकिस्तान को उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों में बांटा है, जिन्हें वह 'वियालत' यानी छाया प्रांत कह रहा है। शासन व्यवस्था के लिए टीटीपी ने खुफिया विंग, आर्थिक निदेशालय, मीडिया इकाई और न्यायिक प्रणाली का भी ऐलान किया है। पहले टीटीपी की गतिविधियां सिर्फ अफगानी सीमा से सटे पाकिस्तान के कुछ इलाकों में ही थीं, लेकिन अब उसने अपनी गतिविधियां खैबर पख्तूनख्वा के साथ-साथ बलूचिस्तान और पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर तक में बढ़ा दी है। अंतरराष्ट्रीय मामलों के कुछ जानकारों का मानना है कि वह बलूच लड़ाकों को भी समर्थन दे रहा है। टीटीपी धीरे-धीरे लगातार ताकतवर बनता जा रहा है। उसके पीछे माना जा रहा है कि अफगानी तालिबान का प्रत्यक्ष सहयोग है। इसके पास आधुनिक अमेरिकी असॉल्ट राइफलें और मशीन गन हैं। माना जा रहा है कि ये हथियार वे हैं, जिन्हें अमेरिकी सेना भागते हुए अफगानिस्तान में छोड़ गई थीं। टीटीपी का दावा है कि उसने ड्रोन हमलों की क्षमता भी विकसित कर ली है। अपने अंदरूनी इलाके में टीटीपी की बढ़ती भूमिका और शासन के उसके सपने के ऐलान से पाकिस्तान उससे चिढ़ा हुआ है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में आत्मघाती हमले भी बढ़े हैं। यहां के बन्नू और बाजौर इलाकों में ये ज्यादा हुआ है। टीटीपी ने ही दावा किया है कि साल 2025 में उसने पाकिस्तान में 3,573 आतंकी हमलों को अंजाम दिया, जिसमें करीब 3,481 सुरक्षाकर्मी मारे गए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच विवाद की वजह डूरंड रेखा भी है, जिसे अफगानी तालिबान नहीं मानता। पाकिस्तान इन वजहों से टीटीपी को अपनी आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी को अफगानिस्तान ना सिर्फ सुरक्षित पनाहगाह और वैचारिक समर्थन मुहैया करा रहा है, बल्कि आर्थिक मदद भी दे रहा है। यह सच है कि पाकिस्तानी सेना के मुकाबले टीटीपी सीधे युद्ध के मामले में कमजोर है, लेकिन गुरिल्ला रणनीति, स्थानीय भूगोल की समझ और बढ़ते अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग ने इसे बेहद घातक संगठन बना दिया है। बहरहाल तालिबान से जूझ रहे पाकिस्तान को देखकर इतना जरूर कहा जा सकता है कि सांप को पालना आखिरकार पालने वाले के लिए ही खतरनाक होता है। सवाल है कि क्या इससे वैश्विक राजनीति कुछ सबक लेगी?

> *जहां तक टीटीपी और अफगानी तालिबान के रिश्ते की बात है तो दोनों समूह एक ही विचारधारा और कट्टरपंथी इस्लामी कानूनों का न सिर्फ पालन करते हैं, बल्कि अपने प्रभाव वाले इलाकों में उसे ही लागू करते हैं। टीटीपी के लड़ाके संगठन में शामिल होने के बाद अफगानी तालिबान के सर्वोच्च नेता के ही प्रति निष्ठा की शपथ लेते हैं।*

काबुल में भारत का बढ़ रहा प्रभाव

रणनीति

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल पर कब्जा किया था, तब पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। इस्लामाबाद को लगा था कि उसने अफगानिस्तान में अपनी पसंद की सरकार बनवाकर 'मास्टर स्ट्रोक' खेल दिया है। हालांकि, 2026 तक आते-आते तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। आज दोनों देशों की सेनाएं डूरंड लाइन पर एक-दूसरे पर गोले बरसा रही हैं और हालात युद्ध जैसे हो गए हैं। आखिर ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान का 'रणनीतिक दोस्त' उसके लिए 'एक बुरा ख्वाब' बन गया? दरअसल, सबसे बड़ा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर है। पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकी अफगान जमीन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान में हमले कर रहे हैं और उन्हें तालिबान का संरक्षण प्राप्त है। जिस आतंकी इकोसिस्टम को पाकिस्तान ने दशकों तक पाला-पोसा, वही अब उसके सुरक्षा बलों पर भारी पड़ रहा है। बता दें, तालिबान को खड़ा करने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है। सोवियत-अफगान युद्ध के समय से लेकर अमेरिका के खिलाफ लड़ाई तक, पाकिस्तान ने तालिबान को रणनीतिक संपत्ति की तरह इस्तेमाल किया। 2021 में जब अमेरिका की वापसी के बाद तालिबान सत्ता में लौटा, तो पाकिस्तान में जश्न का माहौल था। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि उसे 'रणनीतिक गहराई' मिलेगी, यानी भारत के खिलाफ एक मजबूत सहयोगी, लेकिन तालिबान ने सत्ता में आने के बाद खुद को पूरी तरह इस्लामाबाद के इशारों पर चलने वाला नहीं दिखाया। उसने अपनी स्वतंत्र नीति अपनाई और भारत जैसे देशों से संपर्क भी बनाए रखा। यही बात पाकिस्तान की सैन्य एस्टेब्लिशमेंट को खल गई। पाकिस्तान को अंदाजा ही नहीं था कि जिसे उसने पाला-पोसा, वही आगे चलकर आंख में आंख डालकर खड़ा हो जाएगा। यह इस्लामाबाद के लिए एक रणनीतिक झटका था। भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगानिस्तान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है- सड़कों, अस्पतालों, संसद भवन और शिक्षा में, लेकिन 2021 के बाद अफगानिस्तान फिर आतंकवादी ठिकानों और क्षेत्रीय अस्थिरता का केंद्र बनने का खतरा बना। पाकिस्तान और चीन के बढ़ते प्रभाव ने भारत को यह सोचने पर मजबूर किया कि दूरी बनाकर रखना स्वयं के हितों को नुकसान पहुंचाना होगा। दरअसल कूटनीतिक लिहाज से भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान हमेशा से काफ़ी महत्वपूर्ण रहा है और ख़ासकर पाकिस्तान से भारत के संबंध लगातार तनावपूर्ण रहे हैं, जिससे भारत के लिए अफ़ग़ानिस्तान का महत्व बढ़ जाता है। हालांकि अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान के शासन को क़रीब पांच साल का समय हो गया है और भारत की कोशिश रही है कि पाकिस्तान को साधने के लिए वह तालिबान शासन से बातचीत को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ता रहे।

> *भारत के लिए तालिबान से संवाद कोई वैचारिक विचलन नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक आवश्यकता है। बीते दो दशकों में भारत ने अफगान में तीन अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।*

अगर तालिबान शासन और पाकिस्तान के बीच संघर्ष लंबा चला तो इससे अफ़ग़ानिस्तान कई टुकड़ों में बंट सकता है। ऐसा होना भारत के लिए अच्छा नहीं होगा, क्योंकि कई ग्रुप्स खड़े होने से उनमें से कुछ भारत के ख़िलाफ़ भी हो सकते हैं और क्षेत्रीय स्तर पर यह भारत के लिए ठीक नहीं है। इससे पूरे क्षेत्र में भी अस्थिरता आ सकती है। तालिबान के लिए भी भारत से संवाद जरूरी है- क्योंकि पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते अब उतने सहज नहीं रहे और चीन का आर्थिक प्रभाव भी सीमित है। वहीं भारत सुरक्षा और स्थिरता चाहता है और तालिबान वैधता और सहयोग की तलाश में है। खैर, पाकिस्तान ने तालिबान पर भारत की गोद में बैठने का आरोप लगाया है। भारत और अफगानिस्तान के संबंध पाकिस्तान की आंखों को हमेशा से चुभते रहे हैं। यही कारण है कि पाकिस्तान हमेशा से ही अपने इलाके में होने वाली किसी भी अप्रिय गतिविधि के लिए भारत और तालिबान को जिम्मेदार ठहराता रहा है। जबकि भारत हमेशा अफगानिस्तान के नागरिकों के लिए मदद का हाथ बढ़ाता रहा है। जब अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, तो भारत ने सबसे पहले मदद भेजी थी। तालिबान ने मानवीय मदद, बुनियादी ढांचे और कूटनीति के लिए नई दिल्ली के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे संबंध विकसित करके, तालिबान शासन क्षेत्रीय विरोधियों को यह भी दिखाना चाहता है कि उसके पास विकल्प मौजूद हैं। जैसे-जैसे अफगानिस्तान अपनी साझेदारियां बढ़ा रहा है, पाकिस्तान का उस पर दबाव कम होता जा रहा है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान युद्ध में भारत की सतर्कता जरूरी

सुरक्षा

डॉ. चन्द्र त्रिखा

वरिष्ठ पत्रकार

आज आज हक्कानी का देश है अफगानिस्तान, कभी इसके कन्धार (तब गांधार) क्षेत्र में महाभारत-कालीन शकुनि का शासन था और कौरव-माता गांधारी यहीं की राजकुमारी थी। महाराजा रणजीत सिंह के साम्राज्य का भी एक अंग था, काबुल कंधार तक हरिसिंह नलवा की वीरता के किस्से भी फैले हुए थे। वैसे इसे महाराजा दिलीप सिंह की सल्तनत भी माना जाता था। हमारे बड़े-बुजुर्ग बताते हैं कि गांधारी ने शकुनि को श्राप दिया था कि तेरे साम्राज्य में कभी शांति नहीं रहेगी क्योंकि तेरे छल-कपट से मेरा पूरा परिवार खत्म हो गया है। अब 15 अगस्त, 2021 से पूरा अफगानिस्तान 'तालिबान' सरीखे संगठन की गिरफ्त में है। अब वहां 98.7 प्रतिशत आबादी इस्लामी है। कभी अफगानिस्तान 'सिल्क रूट' (रेशम-मार्ग) का केंद्र भी रहा है। यहां की समृद्धि व अंतरराष्ट्रीय व्यापार और जुझारू तेवर सदा चर्चा में रहे। एक समय में यहां अमेरिकी व सोवियत सेनाओं का भी कब्जा बना रहा। अब कोई विदेशी सैनिक वहां पर नहीं है। इन दिनों यह इस्लामी देश अपने पड़ोसी इस्लामी देश पाकिस्तान के साथ युद्ध में उतरा हुआ है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा रेखा को 'डूरंड लाइन' भी कहा जाता है। यह सीमा रेखा 2611 किलोमीटर में फैली है।

तालिबान के पास अमेरिकी व सोवियत सेनाओं द्वारा छोड़े गए हथियारों के भण्डार हैं और इधर अमेरिका इस समय पाकिस्तान की पीठ है। वैसे कौन अधिक सशक्त है, इस बात के प्रामाणिक आंकड़े तो उपलब्ध नहीं हैं लेकिन दोनों के पास मांगी, लूटी और खरीदी आधुनिक युद्ध सामग्री के लम्बे-चौड़े भण्डार हैं। पाक परमाणु-सम्पन्न भी है और उधर अफगानिस्तान को भी कुछ मित्र देशों का परमाणु-संरक्षण प्राप्त है। यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है। वैसे भी अपनी आदत के अनुरूप पाकिस्तान भारत पर अफगानिस्तान को शह देने का आरोप तो लगाएगा ही। उधर, पाकिस्तान को स्वयं भी बलूचिस्तान के अलगाववादी आंदोलन का भय सताता है। इधर, उसके अपने देश में भी स्थितियां

> **यह भी एक तथ्य है कि दोनों देशों में आतंकी संगठनों का बोलबाला रहा है। भारत यद्यपि इस युद्ध में कहीं नहीं है, मगर ऐसे युद्ध में जागरूकता समय की मांग है।**

नियंत्रण में नहीं हैं। इस समय वहां जो भी होता है, सेनाध्यक्ष मुनीर की रजा से होता है। मगर जनरल मुनीर को अपनी सेना के लगभग एक लाख सैनिक बलूचिस्तान में भी तैनात करने पड़ रहे हैं और अफगान-सीमा पर भी 50 हजार से अधिक की तैनाती है। अब तक के युद्ध में सैकड़ों के मरने की खबरें तो आ रही हैं मगर अभी से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्ध विराम के लिए दबाव भी आने लगे हैं। मुनीर चाहते हैं कि किसी भी विदेशी दखल से पहले वह तालिबान की वर्तमान सरकार का तख्ता पलटवा दें। बहरहाल, दोनों इस्लामी देशों के बीच भीषण-युद्ध छिड़ चुका है। दोनों को भारी क्षति चुकानी होगी और दोनों की आर्थिक हालत ठीक नहीं है।

चरमरा सकती है अर्थव्यवस्था

पाकिस्तानः पाकिस्तान को मध्य एशिया तक पहुंचने के लिए अफगानिस्तान की जरूरत पड़ती है। कराची और ग्वादर जैसे बंदरगाहों के माध्यम से अफगानिस्तान को समुद्री व्यापार की सुविधा मिलती है। खासकर कराची पोर्ट अफगान ट्रांजिट व्यापार का मुख्य मार्ग रहा है। पाकिस्तान को ट्रांजिट फीस, कस्टम ड्यूटी से राजस्व मिलता है।

अफगानिस्तान : अफगानिस्तान समुद्री रास्ते के लिए पाकिस्तान के बंदरगाहों पर ही निर्भर है। दोनों देशों के बीच तनाव लंबा खिंचने की स्थिति में उसके आयात-निर्यात पर सीधा असर पड़ सकता है। स्थिर क्षेत्रीय माहौल होने पर विदेशी निवेश और बुनियादी ढांचा परियोजनाएं बढ़ सकती हैं।

चीन : दोनों देशों के बीच युद्ध का असर सबसे ज्यादा चीन पर पड़ेगा, क्योंकि चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर पाक से होकर गुजरता है। अगर पाकिस्तान आर्थिक तौर पर कमजोर होता है तो इसका असर चीन पर भी पड़ेगा। इसलिए चीन के लिए यह अवसर और खतरा दोनों हैं।

सीमा विवाद : ब्रिटिश शासन के दौरान खींची गई विवाद सीमा रेखा 'डूरंड रेखा' समय-समय पर दोनों देशों के बीच गोलीबारी और राजनयिक तनाव का केंद्र बनी हुई है। डूरंड लाइन को लेकर लंबे समय से विवाद जारी है। दोनों देश एक-दूसरे पर हमले और आतंकियों को छिपाने का आरोप लगाते रहते हैं।

टीटीपी : पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच मौजूदा विवाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) को लेकर बना हुआ है। पाकिस्तान कई वर्षों से अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से प्रतिबंधित टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहा है। इसको लेकर दोनों पक्षों में तनाव एक बार फिर बेहद बढ़ गया है।

अफगानिस्तान के लिए आसान नहीं होगी युद्ध की राह

संघर्ष

डॉ. एन.के. सोमानी

वरिष्ठ स्तंभकार

दक्षिण एशिया के प्रमुख इस्लामिक देश पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हिंसा व संघर्ष का नया दौर शुरू हो गया है। पिछले साल दोनों देशों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद कतर और तुर्की की मध्यस्थता में युद्ध विराम हुआ। युद्ध विराम के बाद यह अब तक सबसे बड़ा संघर्ष है। इस खूनी संघर्ष के बाद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने खुले युद्ध का ऐलान कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि दोनों देशों के बीच छिड़ी जंग अगर बड़े युद्ध का रूप लेती है तो क्या होगा। क्या जंग की यह आग इन्ही दोनों देशों तक सीमित रहेगी या इसकी तपत अन्य देशों तक भी पहुंच सकती है।

कतर और तुर्की की मध्यस्थता में हुए युद्ध विराम के महज चार माह बाद जिस तरह से दोनों देश यकायक युद्ध के मुहाने पर आ खड़े हुए हैं उसे देखते हुए सवाल यह भी उठ रहा है कि धर्म के नाम पर समान विचार रखने वाले इन निकट पड़ोसियों के बीच संघर्ष का असल कारण क्या है। एक समय था जब तालिबान इस्लामाबाद की नाक का बाल हुआ करता था। लेकिन, बीते चार साल में दोनों देशों की सरकारें एक-दूसरे के खून की प्यासी हो गई हैं।

हिंसा व संघर्ष की वजह

अगस्त 2021 में जब अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी हुई तो पाक नेताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। पाकिस्तान को यह खुशफहमी भी थी कि पाक-तालिबान संबंध उस परम्परागत विचारधारा के आधार पर आगे बढ़ेंगे, जिसका आधार कहीं न कहीं इस्लाम था, लेकिन तालिबान सरकार के मुखिया हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने पाकिस्तान की सरपरस्ती में आगे न बढ़ने और अपनी सरकार को पाकिस्तान की 'पिछलग्गू सरकार' की छवि से बाहर निकलने की कोशिश ने पाक सरकार के उत्साह को जल्द ही ठंडा कर दिया। तालिबानी नेताओं के भारत के प्रति नरम रुख से भी पाकिस्तान नाखुश है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच विवाद का बड़ा कारण तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) है, जो लंबे समय से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को निशाना बना रहा है और देश में सख्त इस्लामी शासन (शरिया) की मांग कर रहा है। दूसरी ओर, पाकिस्तान का आरोप है कि टीटीपी के आतंकवादी पाकिस्तानी सुरक्षा बलों पर हमलों के लिए अफगानिस्तान

> **अब सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा।**

को एक अड्डे के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तान के इस आरोप के प्रति तालिबान ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उलटा इसे पाकिस्तान का आंतरिक मुद्दा बताकर उससे अपने देश के हालात संभालने की नसीहत देता रहा है। इन्ही आरोप-प्रत्यारोप के चलते पाकिस्तान ने काबुल और दूसरे क्षेत्रों पर कई बार हवाई हमले किए, जिसके कारण दोनों देशों के बीच सीमा पर झड़पें भी हुई।

ताजा संघर्ष की शुरूआत उस समय हुई जब पाकिस्तान ने 21 फरवरी को अफगानिस्तान के भीतर संदिग्ध आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का कहना था कि टीटीपी और बलोच विद्रोही अफगान धरती का इस्तेमाल पाकिस्तान पर हमले के लिए कर रहे हैं। अफगानिस्तान पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक के जवाब में तालिबान सरकार ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। अफगानिस्तान का दावा है कि उसने पाकिस्तान की 19 चैकियों को तबाह कर दिया और 55 सैनिकों को मार गिराया। उसने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद के नजदीक एक सैन्य मुख्यालय पर कब्जा करने व कई पाक सैनिकों को बंदी बनाने का दावा किया है। 55 सैनिकों की मौत व राजधानी पर हमले का जवाब देने के लिए पाकिस्तान ने ऑपरेशन गजब-लिल-हक (हक या न्याय के लिए खुदा का कहर) शुरू किया है। ऑपरेशन के तहत पाकिस्तान की वायु सेना ने काबुल, कंधार और पंक्तिया में तालिबान के ठिकानों, गोला-बारूद के डिपो और सैन्य मुख्यायलयों पर भारी बमबारी की। इस जवाबी हमले में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के 270 से ज्यादा लड़ाकों को मार गिराने का दावा किया है।

पाक का कड़ा संदेश

सोशल मीडिया पर रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा- 'हमारी बर्दाशत की हद पार हो चुकी है। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान में हवाई हमलों और अफगान तालिबान की उचित समय पर भरपूर जवाब देने की धमकी के बाद सवाल यह उठ रहा है कि दोनों देशों के बीच जारी हिसंक झड़पें अगर किसी बड़े संघर्ष में बदलती है तो पूरा मामला किस दिशा में जाता हुआ दिखाई देगा। खासकर सऊदी अरब के साथ पाकिस्तान के सैन्य समझौते के बाद। सैन्य क्षमताओं का आकलन चाहे किसी भी स्तर पर किया जाए और चाहे कोई किसी पर कितना भी भारी क्यों न हो लेकिन दक्षिण एशिया की शांति के लिए पाक-अफगानिस्तान संघर्ष का बढ़ना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है।

रायपुर
रविवार 1 मार्च 2026
फाल्गुन शुक्ल पक्ष त्रयोदशी
वर्ष : 24, अंक : 220
पृष्ठ : 12+10 =22, मूल्य : 5 .00**

मौसम
अधि. 35.2
न्यून. 20.3

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

05
'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज ...

आजकल पेज
क्या युद्ध का आगाज है पाक वर्सेज अफगान

आंध्रप्रदेश में बड़ा हादसा, 5 किमी दूर सुनाई दी धमाके की आवाज

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट 21 की गई जान, आठ गंभीर

वेटलापलेम (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में शनिवार को एक पटाखा निर्माण इकाई में हुए विस्फोट में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गयी और आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। आंध्र प्रदेश के मंत्री कंडुला दुर्गेश ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के घटनास्थल का दौरा कर सकते हैं। मंत्री ने पत्रकारों को बताया, जहां तक मुझे पता है, यहां (घटनास्थल पर) 21 शव देखे गए हैं। आठ अन्य लोगों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। निर्माण इकाई में लगभग 30 लोग थे। उन्होंने कहा, यह राज्य का सबसे बड़ा विस्फोट है। कुछ लोगों का इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

पटाखा निर्माण इकाई में हादसे के वक्त मौजूद थे 30 लोग

सीएम नायडू ने दुख जताया

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने संबंधित मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर हालात की निगरानी करने को कहा है। प्रशासन राहत और बचाव कार्य में जुटा है। राज्य की गृह मंत्री वंगालपुडी अनीता ने आशंका जताई कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कुछ घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पीएम ने 2 लाख रुपए देने का ऐलान किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर दुख जताते हुए हर मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री नेशनल रिलीफ फंड से दो लाख रुपए देने का ऐलान किया है। वहीं घायलों को 50,000 रुपए की आर्थिक मदद दी जाएगी।

खेतों में दिखा भयावह दृश्य

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि समरलाकोटा मंडल के वेटलाक्पलेम गांव में हुए विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि शव पास के धान के खेतों में जा गिरे। हरे-भरे धान के खेतों के बीच भयावह दृश्य देखने को मिले, जहां स्थानीय लोग उर्वरक की बोरियों से बनी चादरों 'बराकालु' में शवों को ले जाते हुए नजर आए। विस्फोट स्थल से आग और धुआं निकल रहा था और घायलों को बचाने के लिए एक एंबुलेंस तुरंत मौके पर पहुंची।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या 152.49 लाख हुई

मुंबई। देश के भीतर हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या जनवरी 2026 में वार्षिक आधार पर 4.36 प्रतिशत बढ़कर 152.49 लाख रही, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो, एयर इंडिया समूह, स्पाइसजेट और अकासा एयर सहित प्रमुख घरेलू विमानन कंपनियों ने जनवरी 2025 में कुल 146.11 लाख यात्रियों को सेवाएं दी थीं। दिसंबर में पायलटों के विश्राम और ड्यूटी अवधि के कड़े नियमों के कारण परिचालन संबंधी बाधाओं का सामना करने वाली इंडिगो ने अपनी बाजार हिस्सेदारी फिर से हासिल कर ली है। कंपनी 63.6 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी और 97.04 लाख यात्रियों के साथ शीर्ष पर रही।

बारामती विमान दुर्घटना पर जारी की प्रारंभिक रिपोर्ट : नई दिल्ली। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो ने बारामती विमान दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में शनिवार को सिफारिश की कि विमानन नियामक डीजीसीए अनियमित हवाईअड्डों पर वीएफआर उड़ानें संचालित करने वाले सभी संचालकों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करने के लिए निर्देश जारी कर सकता है।

बोत्सवाना से आए 9 नए चीते, देश में संख्या 48 पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| श्योपुर

बोत्सवाना से नौ चीतों को हवाई मार्ग से शनिवार को मध्यप्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान में लाया गया और उन्हें एक बाड़े में छोड़ दिया गया। इसके साथ ही देश में चीता पुनर्वास कार्यक्रम के तहत चीतों की कुल संख्या बढ़कर 48 हो गई है। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) एल. कृष्णमूर्ति ने बताया कि केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने छह मादा और तीन नर चीतों को पृथकवास (क्वारंटीन) के लिए बाड़े में छोड़ा। श्योपुर की जिला जनसंपर्क अधिकारी अवंतिका श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि अफ्रीका से चीतों का यह तीसरा समूह भारतीय वायु सेना के विमान से ग्वालियर पहुंचा।

- **कूनो राष्ट्रीय उद्यान पहुंचे बोत्सवाना से लाए गए चीते**

बढ़ेगी चीतों की संख्या

परियोजना 'चीता' के निदेशक उत्तम शर्मा ने कहा, और अधिक चीतों के आने से पुनर्वास कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी। केंद्र सरकार के सहयोग से हम जल्द से जल्द देश में चीतों की संख्या को बढ़ाकर 50 तक करना चाहते हैं। शर्मा ने बताया कि तीन चीतों को गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में स्थानांतरित किया गया है, जबकि 36 चीते फिलहाल कूनो राष्ट्रीय उद्यान में हैं।

सात दशक पहले हो गया था विलुप्त

उल्लेखनीय है कि विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्थलीय जीव चीता लगभग सात दशक पहले भारत से विलुप्त हो गया था। पिछले वर्ष कूनो में 12 शावकों का जन्म हुआ था, हालांकि इनमें से छह जीवित नहीं रह सके। इस वर्ष सात फरवरी से 18 फरवरी के बीच दो अलग-अलग प्रसव में नौ शावकों का जन्म हुआ है। वर्ष 2023 से अब तक कूनो में कुल 39 शावकों का जन्म हुआ है, जिनमें से 27 जीवित हैं।

दो युवकों के पास से एक करोड़ 75 लाख रुपए बरामद

चंदौली। उत्तर प्रदेश के चंदौली जिले में पं. दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन पर राजकीय रेलवे पुलिस ने जांच के दौरान अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन में सवार दो युवकों के पास से एक करोड़ 75 लाख रुपए की नकदी बरामद करने का दावा किया है। जीआरपी के पुलिस क्षेत्राधिकारी कुंवर प्रभात सिंह ने बताया कि पंजाब से पश्चिम बंगाल के हावड़ा जाने वाली अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन देर रात 2:41 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची, उसमें जांच के दौरान ट्रेन के एक कोच में सीट पर दो युवक सवार मिले। सीओ के अनुसार पकड़े गए युवकों की पहचान रितेश (38) व प्रिग्नेश (40) के रूप में हुई है। दोनों लखनऊ के निवासी व एक ही परिवार के हैं। दोनों इस ट्रेन में लखनऊ से हावड़ा कोलकाता जाने के लिए सवार हुए थे।

तरकश

संजय के. दीक्षित

भक्षक बने अफसर खेत कौन बचाए?

सक्ती शहर का यह मामला सोचने पर विवश करेगा कि आदिवासी राज्य में आदिवासियों की जमीनों के साथ एडमिनिस्ट्रेशन में बैठे अधिकारियों द्वारा कैसा खेला किया जा रहा है। बात सक्ती कलेक्ट्रेट के ठीक सामने प्राइम लोकेशन की जमीन की है। 70 के दशक में एक आदिवासी को जीवन यापन के लिए डेढ़ एकड़ का जमीन मिली थी। 50 साल पहले उस जमीन की कोई मोल नहीं थी मगर समय के साथ वह सोने से भी कीमती हो गई। कुछ भूमाफियाओं की इस जमीन पर नजर लगी और 15 करोड़ की जमीन 15 लाख में खरीद ली। जमीन की रजिस्ट्री के बाद नामंतरण के लिए तहसीलदार के पास केस गया तो उसने आदिवासी जमीन का नामंतरण करने से इंकार कर दिया। इसके बाद एसडीएम के पास अपील हुई। और एसडीएम ने गुपचुप ढंग से धनाढ्यों के नाम पर आदिवासी जमीन को सौंप दिया। दरअसल, गांधीजी की फोटो में बड़ी ताकत होती है। एसडीएम ने हास्यपद तरीके से उसे गैर-आदिवासी लिख अनुमति की आवश्यकता को गैर जरूरी बता दिया। आदिवासी संगठनों ने जब हंगामा किया तो कलेक्टर की नाक के नीचे बैठे एसडीएम ने केस को पुनर्विलोकन में लेकर रजिस्ट्री केंसिल कर उसे मूल पट्टेदार याने आदिवासी के नामे कर दिया। कायदे से इतनी बेशकीमती जमीन को पट्टेदार को सौंपने की बजाए उसे राजस्व विभाग के सुपूर्द करना चाहिए था। मगर ये काम भी खास रणनीति के तहत किया गया। ताकि, भूमाफियाओं के पक्ष में न्यायिक स्टे की गुंजाइश बनी रहे। जाहिर है, आदिवासियों को स्वाभिमान के साथ जीने के लिए सरकारी जमीनें दी जाती हैं। अगर वो बेच रहा...वो भी बिना कलेक्टर की अनुमति के तो उसे राजसात करना चाहिए। मगर पता चला है, 15 करोड़ की जमीन 15 लाख में खरीदने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन के एक अधिकारी को 50 और दूसरे को 10 पेटी दिया गया। ऐसे में, सवाल उठता है...बाड़ ही जब खेत खाने लगे तो उसकी रखवाली कौन करेगा?

कलेक्टर की भूमिका और सिस्टम

सक्ती कलेक्टर का एक कारनामा इसी तरकश में पिछले साल प्रकाशित हुआ था। कलेक्टर ने आदिवासी जमीन के केस में रजिस्ट्रार को लिखित में दे दिया था, इसमें अनुमति की आवश्यकता नहीं है। इसी आधार पर रजिस्ट्रार ने आदिवासी जमीन की रजिस्ट्री कारोबारियों के नाम कर दी। मगर जब हड़कंप मचा तो उन्होंने उल्टे रजिस्ट्री अधिकारी को दोषी बताते हुए कमिश्नर को लिखित अनुशंसा कर सस्पेंड करा दिया। इस केस को तरकश में प्रमुखत से एक्सपोज किया गया। उसके बाद रजिस्ट्रार संघ ने हड़ताल पर जाने की धमकी दी तो बिलासपुर कमिश्नर ने आनन-फानन में सक्ती के रजिस्ट्री अधिकारी का निलंबन समाप्त किया। इसके बाद जाकर आदिवासी जमीन हलाल होने से बची।

खिलाड़ी कलेक्टर

आदिवासी जमीन के मामले में छत्तीसगढ़ में अजब-गजब खेल हो रहे। हाल ही में अंबिकापुर में सौ से अधिक राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पंडो आदिवासियों की जमीन पर खास समुदाय के लोगों द्वारा कब्जा कर घर बनाने का मामला सामने आया है। यही नहीं, बस्तर समेत कई जिलों में आदिवासियों की जमीनों को हड़पा जा रहा। इस खेल का ट्विस्ट यह है कि अब तरीका बदल गया है। कलेक्टर से अनुमति के चक्कर में पड़ने की बजाए आदिवासियों की जमीनों को लीज पर लेकर पेट्रोल पंप, होटल समेत व्यवसायिक संस्थानों का निर्माण किया जा रहा है। वैसे, सरकार अगर पिछले पांच साल की आदिवासी जमीनों की जांच करवा दें तो दर्जन भर से अधिक कलेक्टर-पूर्व कलेक्टर सलाखों के पीछे जाएंगे। हालांकि, इतने अधिकारियों को जेल तो भेजा नहीं जा सकता। मगर सिस्टम को कम-से-कम जांच तो करा ही लेना चाहिए...पता चल सके कौन कलेक्टर, कितना बड़ा खिलाड़ी निकला।

सौम्य सीएम, बदले तेवर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बेहद विनम्र और सौम्य राजनेता माने जाते हैं। दो साल के टेन्योर में कभी उन्हें गुस्से या तमतमाते हुए नहीं देखा गया। मगर विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा का जवाब देते हुए सीएम के भाषण में जो तल्खी दिखी, उससे पक्ष-विपक्ष के विधायक आवाक थे। मुख्यमंत्री ने पिछली कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए 'भ्रष्टाचार स्पेशलिस्ट सरकार' करार दिया। जाहिर है, हर पीएम, सीएम के भाषण का स्क्रिप्ट कोई-न-कोई तैयार करता है। क्योंकि, मुख्यमंत्रियों के पास इतना टाईम नहीं होता। हालांकि, सीएम सचिवालय के अधिकारी सीएम से स्क्रिप्ट अनुमोदित कराके ही फायनल करते हैं। बहरहाल, विधानसभा की स्पीच के बाद उसकी चर्चा काफी है, क्योंकि था वह काफी पिन प्वाइंटेड।

विजय-भावना, दूरियां-नजदीकियां

विधानसभा में कई बार दिलचस्प प्रसंग, हास-परिहास देखने को मिलते हैं, तो तंज और तीर भी चलते हैं। ऐसा ही कुछ पिछले हफ्ते प्रश्नकाल में हुआ, जब विधायक भावना बोहरा ने पंचायत मंत्री विजय शर्मा से अपने विधानसभा पंडरिया इलाके की सड़कों के बारे में पूछा। इस पर एक्स सीएम भूपेश बघेल ने मुस्कुराते हुए तंज कस दिया...क्या बात है? अगल-बगल के आपलोग विधायक और मंत्री। फिर सदन में सवाल करना पड़ रहा है। क्या दुरियां काफी बढ़ गई है? इस पर मंत्री विजय शर्मा और भावना, दोनों ने अपनी तरफ से सफाई दी। मगर दोनों के बीच सियासी अदावत किसी से छिपी भी नहीं है। इसलिए सदन में इस पर जमकर ठहाके लगे।

गरीबों की कौन सुनेगा?

पिछले कई विधानसभा सत्रों के प्रश्नकाल में यह सवाल आता है कि रायपुर के सरकारी आंबेडकर अस्पताल में पैट स्कैन मशीन को डिब्बे से बाहर क्यों नहीं निकाला जा रहा और मंत्री का रटा-सा जवाब आता है...खरीदी में कुछ झोल थी, उसकी जांच चल रही है। सवाल है क्या पेट स्कैन मशीन का उपयोग और खरीदी की जांच एक साथ नहीं की जा सकती? और फिर प्रश्न यह भी कि जांच कितने साल तक चलेगी? पेट स्कैन मशीन 20 करोड़ से उपर की आती है। और इसी जांच के बाद कैंसर की पुष्टि होती है। प्रायवेट अस्पताल वाले इस जांच का 20 से 25 हजार रुपए चार्ज करते हैं। जानना यह भी जरूरी है कि कैंसर अब साधन संपन्न वर्ग की बीमारी नहीं रही। रायपुर के कैंसर अस्पतालों में जाकर देखा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ में कैसे-कैसे लोग इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। राजधानी रायपुर में सिर्फ कैंसर के तीन अस्पताल खुल गए हैं। इसके अलावे चार-पांच बड़े अस्पतालों में भी कैंसर यूनिट है। छत्तीसगढ़ के हेल्थ सिकेट्री को देश का सबसे अमीर आईएएस कहा जाता है। उन्हें मानवीय आधार पर आंबेडकर अस्पताल के पेट स्कैन मशीन को बक्से से बाहर निकाल उसका उपयोग शुरू कराना चाहिए। वरना, छत्तीसगढ़ के गरीबों की जेबें कटती रहेंगी।

हाई प्रोफाइल सैक्स स्कैंडल!

खैरागढ़ के पूर्व विधायक के खिलाफ उन्हीं की पार्टी की नेत्री की दुष्कर्म की शिकायत के बाद पुलिस ने मुकदमा कायम कर लिया है। चूकि मामला काफी हाई प्रोफाइल है, इसलिए राजनांदगांव के आईजी ने स्कैंडल की जांच के लिए पुलिस अधिकारियों की पांच सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। महिला नेत्री की शिकायत की अगर दूध-का-दूध और पानी-की-पानी की तरह जांच हो जाए तो एक राजनीतिक पार्टी को काफी दिक्कतें हो जाएंगी। 2028 के विधानसभा चुनाव में उतारने के लिए कोई प्रत्याशी नहीं मिलेगा। क्योंकि, खैरागढ़ के जितने भी टॉप के नेता हैं, सबने बहती गंगा में डूबकी लगाई है। यद्यपि, मामला राजी-खुशी, सहमति जैसा रहा मगर मालूम ही है, सहमति के बाद जब असहमति के स्वर उभरते हैं, तो फिर कयामत आ जाती है...वैसा ही कुछ इन दिनों खैरागढ़ में आया हुआ है।

ऐसे पावरफुल अफसर

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार को एक डिप्टी कलेक्टर का गजबे ट्रांसफर हुआ। आमतौर पर सिंगल आर्डर निकलता नहीं। मगर न केवल सिंगल ट्रांसफर हुआ, बल्कि आदेश में लिखा गया...आदेश की डेट 27 फरवरी को अपरान्ह से बीजापुर से एकपक्षीय कार्यमुक्त किया जाता है। याने ट्रांसफर के साथ रिलिविंग। छत्तीसगढ़ में इससे पहले शायद ही ऐसा हुआ होगा, तबादले के साथ कार्यमुक्ति भी। ऐसा इसलिए किया गया कि बस्तर में नियम है कि बिना किसी नए अधिकारी के आए रिलिविंग नहीं होती। अब अधिकारी की ताकत का अंदाजा लगा सकते हैं, जो जीएडी से सिंगल आर्डर ही नहीं...रिलिविंग भी लिखवा लिया। कमाल तो ये कि डिप्टी कलेक्टर का बिलासपुर ट्रांसफर किया गया है, उसी बिलासपुर में उन्होंने कहर ढा डाला था। उनके कार्यकाल में जमीनों के ऐसे-ऐसे नायाब खेल हुए कि वहां हाहाकार मच गया था। गंभीर शिकायतों के बाद एसीबी का उनके यहां छापा पड़ा। और रिपोर्ट के अनुसार उनके यहां बेहिसाब अनुपातहीन संपत्तियां मिली। मगर बलिहारी गुरू उस पॉलिटिशियन की...जिन्होंने ऐसे हरफनमौला अफसर की फिर से बिलासपुर पोस्टिंग के लिए रिकमंड किया। कायदे से बिलासपुर के लोगों को उस नेताजी का शाल-श्रीफल से सम्मान करना चाहिए।

पावर और एक्सपोजर

आईएएस के 94 बैच में निधि छिब्बर सीनियर थीं। मगर सरकार ने उनके पति को मनीला से बुलाकर राज्य की ब्यूरोक्रेसी की कमान सौंपी। मगर प्रभाव के मामले में अब निधि छिब्बर पति विकास शील से आगे निकल गई हैं। भारत सरकार ने निधि को नीति आयोग का सीईओ का चार्ज दिया है। पावर की दृष्टि से निश्चित तौर से मुख्य सचिव का ओहदा बड़ा होता है। अगर दोनों में से किसी को चुनने कहा जाए तो निश्चित तौर पर सीएस का पद ही चुनेगा। मगर जब तक निधि इस कुर्सी पर हैं...नेशनल लेवल पर एक्सपोजर और प्रोटोकॉल में उपर रहेंगी।

कलेक्टरों की वैकेंसी?

ये पहला मौका होगा, जब कलेक्टरों के लिए बड़े जिलों में कोई वैकेंसी नहीं है। बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, दुर्ग, राजनांदगांव, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, अंबिकापुर... इन सभी जिलों में नए कलेक्टर हैं...मुश्किल से ये दो महीने से लेकर 10 महीने वाले हैं। अब इतनी जल्दी कलेक्टर बदलते नहीं। अंदेशा है, मई में कुछ बड़ा हो। दीपक सोनी के सेंट्रल डेपुटेशन पर जाने की वजह से सरकार ने बलौदा बाजार में नए कलेक्टर की पोस्टिंग करने आईएएस अधिकारियों की एक लिस्ट निकाली है। मगर बड़ी लिस्ट सुशासन तिहार के बाद मई एंड तक आएगी। तब तक कुछ कलेक्टरों का कार्यकाल साल-डेढ़ साल क्रॉस कर जाएगा।

आईएएस को रिवार्ड?

बलौदा बाजार जिले का ग्रह-नक्षत्र कुछ ऐसा खराब चल रहा था कि जिले में सुनील जैन के बाद कोई कलेक्टर साल पूरा नहीं कर पाया। 10 जून की हिंसा के बाद चार महीने में ही कलेक्टर केएल चौहान सस्पेंड होकर पेवेलियन लौट गए थे। कलेक्ट्रेट में आगजनी और हिंसा में जिले का नाम खराब हुआ सो अलग। कलेक्टर चौहान को निलंबित करने के बाद राज्य सरकार ने विपरीत परिस्थितियों में रायपुर से आईएएस दीपक सोनी को बलौदा बाजार संभालने के लिए भेजा और वे सरकार की उम्मीदों पर खरे ही नहीं उतरे बल्कि पौने दो साल पूरा कर भी किया। हालांकि, उन्हें इस बात का मलाल रहेगा कि बलौदा बाजार की स्थिति को संभालने का उन्हें रिवार्ड नहीं मिला। दीपक सूरजपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव के बाद बलौदा बाजार में रहे। याने उन्हें कोई बड़ा मैदानी जिला करने का मौका नहीं मिला। जबकि, बलौदा बाजार के नाम से घबराने वाले कई आईएएस अधिकारियों को बड़े जिले मिल गए।

विधायक को खुशखबरी

बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला के लिए छत्तीसगढ़ का 25वां बजट हमेशा के लिए यादगार बन गया। 24 फरवरी को ओपी चौधरी विधानसभा में बजट पेश कर रहे थे और उधर सुशांत को बिलासपुर से खबर आई...घर में नया मेहमान आया है। बजट खतम होते बिलासपुर भागे। याने ओपी का बजट सुशांत के लिए सुखद रहा। उनके सियासी वारिस का आगमन हुआ।

विधायकों की होली खराब?

छत्तीसगढ़ की सियासत के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण रहने वाला है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों पार्टियों से राज्यसभा के लिए एक-एक नेता का चुनाव करना है। उधर, होली में अब तीन दिन बच गए हैं, दोनों पार्टियों ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि, दो और तीन मार्च को भी नामंकन के लिए विधानसभा खुला रहेगा। मगर पुराने दृष्टांतो से लगता नहीं कि लास्ट डेट से पहले नामंकन जमा हो पाएगा। खासकर, कांग्रेस में लास्ट मोमेंट में ही तय होता है। ऐसे में, विधायकों को डर सता रहा कि अगर 5 मार्च को नामंकन दाखिल हुआ तो उन्हें होली छोड़ रायपुर आना पड़ेगा।

अंत में दो सवाल आपसे?

1. छत्तीसगढ़ के एक ऐसे राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी का नाम बताइये, जिनके रुतबे से उनके हाई प्रोफाइल सिकेट्री भी घबराते हैं?
2. ग्लैमरस ड्रग पैडलर नव्या मलिक में आखिर ऐसा क्या है, जिससे पक्ष-विपक्ष दोनों असहज महसूस कर रहा है?

फिल्म 'स्पिरिट' से विवेक का पहला पोस्टर जारी

मुंबई। प्रभास की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' मार्च, 2027 में बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाने के लिए उतरेगी। फिल्म के निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने अभी से माहौल सेट करना शुरू कर दिया है। नए साल के मौके पर, 1 जनवरी को फिल्म से पहली तस्वीर सामने आई थी जिसमें प्रभास और तृप्ति डिमरी की झलक देखने को मिली थी। अब फिल्म से विवेक ओबेरॉय का पहला आधिकारिक पोस्टर जारी कर दिया गया है। 'स्पिरिट' से विवेक का पहला लुक जारी करते हुए कैप्शन दिया गया, 'अंधेरे में छिपा एक रहस्य और वो आंखें जो सबसे गहरे राज याद रखती हैं।'

मृणाल की 'डकैत' का पहला गाना जारी : मुंबई। मृणाल ठाकुर और आदिवी शेष की आगामी फिल्म 'डकैत- एक प्रेम कथा' लंबे समय से चर्चा में है। पहले इसे मार्च, 2026 में रिलीज किया जाना था, लेकिन अब फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों का रुख करेगी। इस बीच, लोगों की उत्सुकता को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने पहला गाना 'रूबरू' जारी कर दिया है। गाने को हिंदी और तेलुगु भाषाओं के साथ डब किया गया है, जो सोनी म्यूजिक के यूट्यूब चैनल पर उपलब्ध हो चुका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

निविदा सूचना

निविदा क्र. : टीआरएस-बीएसपी-25-26-आईआरएसपी-सीबीआर-15 दिनांक 26-02-2026

कार्य का नाम: 25 केवी एसी 3-फेज इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव प्रकार WAG-9 में उच्च गति संचालन के लिए पारंपरिक ब्रेक रिगिंग व्यवस्था।
अनुमानित लागत: रु. 1,07,49,550.55/-
प्रतिभूति राशि: रु. 2,03,800/- **निविदा जमा करने का समय:** दिनांक: 23.03.2026 को 15:00 बजे तक
विस्तृत जानकारी, पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (टीआरएस) बिलासपुर के कार्यालय में संपर्क करें अथवा निविदा कागजात जो हमारी वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है, उससे डाउनलोड कर देख सकते हैं।

मंडल बिजली इंजीनियर(क.च.स्टा.)
सीपीआर/10/AM/727 **द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर**
South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल निर्माण के शेष विद्युत कार्यों के लिए ई-निविदा सूचना

मंडल विद्युत अभियंता (GSU) द्वारा निम्नलिखित विभिन्न जीएसयू कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है:
निविदा सूचना क्रमांक: GSU-EL-G-NAG-2023-24-12R2 **दिनांक:** 20.02.2026
कार्य का नाम: मोतीबाग, नागपुर में सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के निर्माण के संबंध में शेष इलेक्ट्रिकल काम।
निविदा मूल्य: ₹ 68,23,798/-
बयाना राशि: ₹ 1,36,500/-
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि: दिनांक **17.03.2026 के 15:00** बजे तक।
उपरोक्त निविदा के अधिक विवरण के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

मंडल विद्युत अभियंता-जीएसयू, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
MS/76-330
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

-:: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना ::-

क्रं./ 384/लो.क.वि./न.पा./2026 **कुम्हारी, दिनांक 25/02/2026**

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
186317	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of Kumhari, Chhattisgarh	112.45	19.03.2026

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

कार्यालय रा.नि.मंडल तोरला, तहसील गोबरा नवापारा, जिला रायपुर (छ.ग.)

= आम सूचना =

जारी दिनांक 27/02/2026

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक डिगेश्वर प्रसाद शर्मा पिता कृष्णा प्रसाद शर्मा निवासी आम तालाब रोड धमतरी आवेदित ग्राम खरखराडीह प.ह.नं. 03 राजस्व निरीक्षक मंडल तोरला, तहसील- गोबरा नवापारा, जिला रायपुर स्थित भूमि ख.नं. 645/4 रकबा 0.20 हे. भूमि का बटांकन न्यायालय तहसीलदार गोबरा- नवापारा के आदेश दिनांक 20/11/2025 के परिपालन में दिनांक 16/03/2026 को समय अपरान्ह 11.30 मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।

अतः उक्त बटांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त बटांकन हेतु नियत तिथि में हल्का पटवारी नंबर 03 के ग्राम कठिया स्थित पटवारी कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरांत किसी दावा/ आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं. तोरला,
तहसील गोबरा नवापारा

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT ROAD DIVISION, DUMKA

E-Procurement Notice

Tender Reference No.- RCD/DUMKA/326 Date 28.02.2026

1	Name of Work-	Widening, Strengthening & Reconstruction of Road from Chamrabahiyar to Bardaninath Temple Road (Length-4-626 Km) and Bamandiha Link Road (Length-2.920 Km) (Total Length- 7.546 Km) under Road Division Dumka for the year 2025-26.
2	Estimated cost(In Rs)	Rs 23,62,72,540.00
3	Time of completion	Eight Months
4	Date of Publication of Tender on Website	06.03.2026 at 10.30 AM
5	Last date/Time for receipt of bids	06.04.2026 Up to 12.00 Noon
6	Date of opening of Tender	07.04.2026 at 12.30 PM
7	Name & address of office Inviting tender	Office of The Executive Engineer Road Construction Department Road Division, Dumka.
8	Contact no. of Procurement Officer	8252424164
9	Helpline number of e-Procurement cell	0651-2401010

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

Executive Engineer,
Road Construction Department,
Road Division, Dumka

PR.NO.373815 Road(25-26):D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, MINOR IRRIGATION DIVISION, HAZARIBAG.

e-Procurement Tender Notice
Two Envelope System
Tender Reference No. :- DMFT/MID/HAZARIBAG/ F2-36/2025-26
Letter no - 151 Date :- 28.02.2026

1.	Name of the work	Construction of 1.2 KM road from Padma Railway Station to Saraiyapar river Via Garukurha in Village- Padma, Block- Padma, District- Hazaribag
2.	Estimated Cost (Rs.)	**Rs.- 2,49,01,400.00**
3.	Time of Completion	11 Months
4.	Date of Publication of e-Tender on website	16.03.2026 at 1:00 P.M **(e-Procurement Portal- http://jharkhandtenders.gov.in)**
5.	Last date/Time for Submission of e-Tender bids Online	25.03.2026 up to 5:00 P.M
6.	Last Date for Online Submission of Tender Fee and EMD	25.03.2026 up to 5:00 P.M
7.	Date of opening of e-Tender	27.03.2026 at 03:00 P.M
8.	Name & address of office Inviting tender	Executive Engineer, Minor Irrigation Division, Hazaribag
9.	Contact no. of e-Procurement officer	06546-270485
10.	E-mail of e- Procurement officer	eemidhbg-cemr-jhr@nic.in

Note:- 1.) Only e-Tender will be accepted.
2.) Published Estimated Cost may be increased or decreased.
3.) Further details can be seen and Mode of Submission of Online Tender/Tender Fee/EMD through http://jharkhandtenders.gov.in

PR 373863 Minor Irrigation(25-26).D

Executive Engineer,
Minor Irrigation Division,Hazaribag.

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : **9109165137, 7999611198, 9131205196;** Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड दुकान में हेल्पर लड़को की आवश्यकता है **संपर्कः- दीपक साउंड सर्विस फूलचौक, जोरापारा, कालीमाता मंदिर पास रायपुर 98271-14645, 91311-39179.** (आरो-551)

चिकित्साकर्मी

Requirment- VACANCY : We as Drolia Electrosteels Private Limited, an Integrated Steel Plant at Vill-Siltara, Dharsiwa, Raipur, requires One MBBS Doctor with AFIH and Six Paramedical Staffs having B.Sc Nursing or Equivalent, Right candidate will be offered attractive package. Please apply with your latest resume & photographs to hr@drolia.com & depl@drolia.com (आरो-7392)

हरिभूमि क्लासीफाईड

ड्रायवर

आवश्यकता है- रायपुर तेलीबांधा के आसपास ऑटोमैटिक घरेलु कार चलाने के लिए अनुभवी ड्रायवर की आवश्यकता है। वेतन 15000 **ड्यूटी- 8.30 से 7.30 संपर्क करें 10 से 1 बजे तक मोबाइल 9754160228.** (आरो-7246)

आवश्यकता है- ड्राइवर चाहिएः- रायपुर गायत्री नगर स्थित ऑफिसर को एक अनुभवी, नशामुक्त, ड्राइवर की आवश्यकता हैं। **आसपास के ड्राइवर को प्राथमिकता। संपर्क करें- 8349933320.** (आरो-575)

आवश्यकता है- टाटा ऐस गाड़ी चलाने के लिए एक अनुभवी ड्राइवर की स्थायी जरूरत है..सुंदर नगर/ डंगनिया/ रायपुरा क्षेत्रों को प्राथमिकता शीघ्र **संपर्क करें..** Mob **98261 42662/ 8458960000.** (आरो-501)

आवश्यकता है- घर की कार चलाने के लिए ड्राइवर वेतन 10 से 15 हजार एवं खाना बनाने हेतु रसोइया वेतन 12-16 हजार **शंकर नगर मो. 9300227050.** (आरो-6689)

हेल्पर/सफाईकर्मी

आवश्यकता है- कैफे में हेल्पर, सफाईकर्मी की एवं घर मे बच्चा सम्हालने के लिए लड़का/पुरुष/महिला/ लड़की की तुरंत आवस्यकता है। रहना, खाना फ्री। **संपर्क करें- न्यू राजेन्द्र नगर रायपुर- मो. 8349797932, 8878567888.** (आरो-6690)

ड्रायवर/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- किराया भंडार में सुपरवाइजर एवं मालगाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर की आवश्यकता है। **संपर्क करें मोबाइल नंबर 9827140068.** (आरो-6692)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बैरन बाजार रायपुर में घरेलु कार्य करने हेतु महिला **सम्पर्क 9329116108.** (आरो-6693)

थैरेपिस्ट

आवश्यकता है- कार्य हेतु 20 से 35 वर्ष महिला एवं पुरुष मसाज थैरेपिस्ट की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार **सम्पर्क :- नेचर क्योर हॉस्पिटल, आनंदनगर रायपुर 9993137510.** (आरो-372)

कम्प्यूटर कर्मी

आवश्यकता है- मेडिकल होलसेल डिपो में बिलिंग कार्य हेतु (1) अनुभवी कम्प्यूटर ऑपरेटर की तथा (2) फुल टाइम कार्य हेतु अनुभवी अकाउंटेंट की आवश्यकता है। **मणिधारी ट्रेडर्स औषधि वाटिका, डूमरतराई 9669164000, 9165929000** (RO-821)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के की अनुभवी/बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, बायोडाटा सहित , रायपुर निवास रत ही मिले। **महेश फैब्रिक्स , शॉप नम्बर 8,जैन ज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास , अलका रेस्टोरेंट के सामने,गोल बाजार रायपुर 9752022866, 7415842111.** (आरो-188)

Property प्रापर्टी

प्लाट

For Sale- For lease transfer 3B Street 18 Sector 4 Bhilai Plot/ Plinth 5150/1370 sqft Not in plant expansion area Contact Prakhar Pandya 9375798674/ 9033074041 WA (आरो-45189)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

प्लॉट बेचना है - मीनाक्षी नगर दुर्ग prime location मे तुरंत घर बनाने योग्य 1905sqft का डाइवर्टेड प्लॉट 1600/sqft की दर से अतिशीघ्र बेचना है। **संपर्कः 9039017682, 9131917808.** (आरो न.-10393)

For Rent किराया

दुकान किराए से देना है- सरसींवां से हसौद मुख्य मार्ग में स्थित ग्राम जोरापाली में 3 दुकान किराए से देना है। दुकान की साइज 16×12,16×12,16×9 है। जिस किसी को दुकान किराए से चाहिए तत्काल संपर्क करें। **संपर्क नम्बर 9754114497.** (आरो-6696)

हमारा अशियाना

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

CLASSIFIED RATE CARD हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी — 01 अप्रैल 2025 से लागू

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply — 5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /-1 Sunday	800 /-1 Sunday
900 /-2 Sunday	1200 /-2 Sunday
1200/-3 Sunday	1500/-3 Sunday

HEALTH CARE 10X1 FIX SIZE

	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

वैवाहिकी

वर चाहिए

वर चाहिए जीवन साथी चाहिए जिस किसी व्यक्ति को रिश्ता करना हो सम्पर्क करें **7566281535**

वधु चाहिए

वधु चाहिए बिलासपुर निवासी बिजनेस एवं प्राइवेट जॉब कर रहे 28 वर्षीय सरयूपारी ब्राह्मण युवक हेतु सुयोग्य वधु चाहिए सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य सम्पर्क करें- **6263215412 9229991967**

वधु चाहिए- अग्रवाल वधु चाहिए उम्र 26 वर्ष रंग गोरा अकेला 12वीं पास ऊंचाई 5'5" अविवाहित स्वंय की व्यवसाय, स्वयं का घर उच्च वर्ग हेतु वधु चाहिए मो.- 7049784336, 8815859240, पता- बी. अग्रवाल, राधाकृष्ण मंदिर डोंगरगांव छत्तीसगढ़ (6681)

हरिभूमि क्लासीफाईड

पेज एक के शेष

सरगुजा के मान सम्मान को चोट पहुंचाई...

डॉ .द्विवेदीः आप कृषि मंत्री हैं किसानों के लिए क्या योजनाएं हैं और कितना बेहतर काम हो पा रहा है?

रामविचार नेतामः संगठन ने मुझे फिलहाल हल चलाने का काम दिया है तो कृषि क्षेत्र में बेहतर काम करने की पूरी कोशिश हो रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी, राज्य सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का काम हो रहा है। किसानों के लिए अच्छे बीज और अच्छी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। हालांकि 100 प्रतिशत कोई काम नहीं हो पता है फिर भी हम काफी हद तक सफल रहे हैं। राज्य में 25 लाख किसान हैं इनका एक एक दाना खरीदा जा रहा है। यह भी स्वीकार है कि कहीं कोई कमी रह जा रही है लेकिन उसे दूर भी किया जा रहा है।

डॉ. द्विवेदीः 5 साल कांग्रेस के और 2 साल भाजपा के इसे किस रूप में देखते हैं?

रामविचार नेताम :तुलना और जवाब जनता ही देती है। हम जनता के लिए काम कर रहे हैं । हमने जो भी घोषणा की थी उसे समय पर पूरा कर रहे हैं । महतारी वंदन योजना की राशि दी जा रही है। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद रहे हैं तो 3100 रूपये प्रति क्विंटल का भुगतान भी किया जा रहा है। यह भी मानना होगा कि सिर्फ धान पर निर्भर नहीं रहा जा सकता , इसलिए दलहन और तिलहन की फसलों की उत्पादकता पर जोर दिया जा रहा है। रासायनिक खेती को कम करने की कोशिश की जा रही है क्योंकि इससे धरती जहरीली हो रही है। किसनोंऔर लोगों को भी इसके लिए जागरूक किया जा रहा है।

डॉ. द्विवेदी : 10 साल रमन सरकार में और 2 साल साय सरकार में आप मंत्री रहे हैं इससे सरगुजा अंचल को क्या मिला?

रामविचार नेतामः 14 विधायक भाजपा के जीत कर आए हैं इससे बड़ा सम्मान क्या मिलेगा।सड़कों पर काम हो रहा है, ओवर ब्रिज पर काम हो रहा है, नेशनल हाईवे पर काम हो रहा है। कालीघाट से सीधे रामानुजगंज तक सड़क जोड़ी जा रही है। नई रेल लाइन के लिए सर्वे पूरा हो गया है। 300 करोड़ से अधिक के दूसरे काम हो रहे हैं। अंबिकापुर से जशपुर और गुमला तक की सड़क को जोड़ा जा रहा है। हवाई सेवा भी जल्द शुरू हो रही है।

डॉ. द्विवेदीः हसदेव में पेड़ों की कटाई के मामले में क्या हो रहा है?

रामविचार नेतामः हसदेव में पेड़ों की कटाई का विरोध हमने भी किया था, लेकिन अब इसे एक बड़े मन से सोचना होगा। बिजली की जरूरत आज हर किसी को है। बिजली चाहिए तो कोयला भी चाहिए। इसके लिए जंगल भी कटेंगे।

डॉ. द्विवेदीः आप अनुभवी नेता प्रभावशाली मंत्री हैं, तो क्या बचे तीन साल में कोई बड़ी इंडस्ट्री लगवाएंगे, जिससे अंचल के युवाओं को रोजगार मिले?

रामविचार नेतामः यह सही है कि सरगुजा क्षेत्र अब तक उद्योग विहीन जिला रहा है इसलिए ही इस दिशा में सोच के साथ काम हो रहा है। उद्योग जब आएंगे तो रोजगार के अवसर भी उपलब्ध होंगे। हालांकि इसमें जमीन अधिग्रहण एक बड़ी बाधा के रूप में सामने आ रही है। इसके बाद भी सरगुजा और जशपुर क्षेत्र में इंडसट्रियल आ रही हैं और उनसे चर्चा अंतिम रूप में है। सरगुजा क्षेत्र अनुसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आता है इसलिए परेशानी थोड़ी और बढ़ जाती है। विष्णुदेव साय की सरकार में अंचल में कुछ बड़ा उद्योग जरूर लगेगा।

डॉ.द्विवेदीः 10 साल डॉ रमन सिंह सरकार में मंत्री, 5 साल भूपेश बघेल सरकार में विपक्ष में रहे और अब 2 साल विष्णु देव साय की सरकार।तीनों मुख्यमंत्री में कौन कैसा, समीक्षा करेंगे?

रामविचार नेतामः तुलना अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग रूप में होती है। पार्टी सर्वव्यापी, सर्वस्पर्शी और सर्वाग्राही होनी चाहिए। भूपेश ऐसा कभी नहीं हो पाए, इसलिए ही 2023 के चुनाव में परिणाम उनके विपरीत आए। निश्चित तौर पर पिछली 2 साल से विष्णु देव साय की सरकार बेहतर काम कर रही है। जनता से जुड़ी योजनाओं पर काम हो रहा है।

डॉ. द्विवेदीः चरण दास महंत के नेतृत्व में विपक्ष की भूमिका को कैसे देखते हैं। क्या 3 साल बाद चुनौती पेश करने की स्थिति में है?

रामविचार नेतामः कांग्रेसी नेता डा. चरण दास महंत एक संत आदमी हैं मैं उन्हें प्रणाम करता हूं। हालांकि 3 साल बाद भी भाजपा की सरकार ही बनेगी इसलिए उन्हें विपक्ष में ही रहना होगा।

नक्सलवाद खत्म होने व बेहतर...

के लिए उन्हें कहा कि ट्रांसपोर्ट नगर अब शहर के बाहर ही बसाना बेहतर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार में पर्यटन विभाग का बजट चार गुना बढ़कर 500 करोड़ रुपए से ऊपर हो गया है।

डॉ. द्विवेदीः टिकट मिलने के बाद चुनाव जीतने और फिर मंत्री बनने के बाद कैसा लगा क्या सोचते हैं इस बारे में ?

श्री अग्रवालः राजनीति में आने के बाद हर किसी की सोच रहती है कि वह आगे बढ़े। एक कार्यकर्ता के तौर पर मेहनत करता गया और इसका फल मुझे पार्टी ने दिया है। अब जो कैबिनेट मंत्री का दर्जा मिला है उसे विभाग में बेहतर काम करते हुए जनता के साथ पार्टी की उम्मीदो पर खरा उतरने की पूरी कोशिश जारी है।

डॉ द्विवेदीः 3 साल बाद जब चुनाव होंगे तो भाजपा और कांग्रेस की स्थिति क्या देखते हैं?

श्री अग्रवालः 3 साल बाद भी जब चुनाव होंगे तो भाजपा की ही सरकार बनेगी। राज्य बनने के बाद 3 साल कांग्रेस की सरकार थी तो तीन बार भाजपा की सरकार बनी और 15 साल सत्ता में हम रहे। अब 5 साल कांग्रेस की सरकार राज्य में रही है तो यह भी तय है कि अगले पांच चुनाव में जीत बीजेपी की ही होगी और 25 साल तक सरकार हम बनाकर जनहित के तौर पर काम करेंगे।

डॉ. द्विवेदीः अंबिकापुर में पिछले दो सालों में कुछ काम हुए हैं क्या ?

श्री अग्रवालः भाजपा की साय सरकार ने पिछले दो सालों में जितनी राशि अंबिकापुर को दी है उतनी 5 सालों में कांग्रेस ने नहीं दी थी। देखा जाए तो अंबिकापुर नगर निगम क्षेत्र में ही कुल पांच सड़कें हैं जिन पर काम होना है। इनमें से दो सड़कों की स्वीकृति मिलने के साथ काम शुरू हो गया है। तीन की स्वीकृति मिल चुकी है। रिंग रोड पर भी काम चल रहा है। नया ट्रांसपोर्ट नगर भी जल्द बसा लिया जाएगा। जहां तक 19 सालों में पिछला ट्रांसपोर्ट नगर नहीं बसने की बात है तो उसमें कुछ तकनीकी समस्या रही होगी या जनप्रतिनिधियों ने बेहतर काम नहीं किया होगा।

डॉ. द्विवेदीः वर्तमान सरकार में आपकी क्या स्थिति है क्या आपकी बात सुनी जा रही है?

श्री अग्रवालः बिल्कुल, बात सुनी जा रही है और मानी भी जा रही है। इसलिए ही तो मंत्री का दर्जा मिल गया है। पूरे प्रदेश में काम हो रहा है। अंबिकापुर के लिए खास तौर पर राशि स्वीकृत कराई जा रही है। नया ऑडिटोरियम बनाया जा रहा है तो नए स्टेडियम की स्वीकृति मिल गई है। मेडिकल कॉलेज भवन में कुछ समस्या है जिसे दूर किया जा रहा है। इसके लिए पैसा स्वीकृत हो गया है। सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल और नालंदा परिसर के लिए भी बजट की स्वीकृति मिल गई है।

डॉ.द्विवेदीः आप पर्यटन मंत्री हैं आपके विभाग की क्या स्थिति है ?

श्री अग्रवालः पर्यटन विभाग का बजट चार गुना बढकर करीब 500 करोड़ रुपए हो गया है। नक्सलवाद खत्म होने और प्रदेश में बेहतर कनेक्टिविटी होने के कारण पर्यटन क्षेत्र के रूप में बेहतर काम हो रहा है। छत्तीसगढ़ में पर्यटन की बेहतरीन संभावनाएं हैं और यह रोजगार का सबसे बड़ा माध्यम बनकर उभर रहा है। केंद्र सरकार से भी पर्यटन के लिए 700 करोड़ से अधिक की मांग की गई है, जो जल्द मिलने की उम्मीद है। मैनपाट में 5 एक करोड़ रुपए विकास कार्यों के लिए दिए गए हैं 7 करोड़ रुपए और दिए जा रहे हैं।

तीन साल बाद जीतने की...

भी सकते हैं। हरिभूमि आईएनएच के सार्थक संवाद कार्यक्रम में प्रधान संपादक डॉ हिमांशु द्विवेदी से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि 3 साल बाद जब छत्तीसगढ़ में विधानसभा के चुनाव होंगे तो कांग्रेस जीतने की स्थिति में होगी और भाजपा को इस बार अधिक संघर्ष करना होगा। कांग्रेस अपने संगठन को मजबूत करने के साथ ही कार्यकर्ताओं को बूस्ट अप कर रही है। श्री सिंहदेव ने खुले मन से यह स्वीकार किया कि वर्तमान भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अधिक मिलनसार और सरल हैं, साथ ही अपने स्तर पर बेहतर काम कर रहे हैं।

डॉ. द्विवेदीः चुनाव हारने के बाद पिछले 2 साल में लोग आपको किस रूप में देख रहे हैं और आपका अनुभव कैसा रहा है?

टी एस सिंहदेव : लोग पहले भी टी एस बाबा के रूप में देखते थे आज भी उसी रूप में स्वीकार करते हैं और देखते हैं। सम्मान में कहीं कमी नहीं आई है चाहे वह कांग्रेसी कार्यकर्ता हो या फिर विपक्षी दल भाजपा के जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता।

डॉ. द्विवेदीःसरगुजा की पहचान आपसे रही है फिर 2023 के चुनाव में हार के क्या कारण रहे?

टीएस सिंहदेव : राज्य बनने के बाद से जनता ने भरपूर साथ और सहयोग दिया है। पहले चुनाव मुश्किल से 2000 वोट से जीता था उसके बाद जीत 20 हजार वोटों से मिली। उसके बाद जनता का साथ और समर्थन इससे बढ़कर और मिला और जीत 40 हजार वोटों से मिली। 2018 के चुनाव में जीत के बाद 5 साल बेहतर काम करने की पूरी कोशिश की गई लेकिन शायद कोई कमी रह गई इसलिए हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के उम्मीदवार राजेश अग्रवाल और उनकी टीम ने बहुत मेहनत की और शायद कांग्रेसी कार्यकर्ता ओवर कॉन्फिडेंस में रह गए कि बाबा की जीत तो पहले से ही तय है।

डॉ. द्विवेदीः 5 साल कांग्रेस सरकार के और 2 साल भाजपा सरकार के, कौन सी अपनी लगती है?

टीएस सिंहदेव : सम्मान, प्यार और अपनापन दोनों ही सरकार से मिला है। यही मेरी पूंजी भी है। हारने के बाद भी भाजपा के कार्यकर्ताओं, नेताओं और संगठन ने यह महसूस नहीं होने दिया और ना ही कोई विपरीत टिप्पणी की गई। सरकार में रहते 5 सालों में करीब 2800 करोड़ का काम सरगुजा में करवाया गया। सत्ता पक्ष में रहने का यह फायदा जरूर मिलता है। अब विपक्ष में होने के कारण किसी भी काम के लिए भाजपा नेताओं को फोन लगाना पड़ता है। हालांकि कभी उस तरफ से भी मना नहीं किया गया।

डॉ. द्विवेदीः सरगुजा संभाग में कांग्रेस को 14 सीट मिली थी 2018 के चुनाव में , 2023 में यह शून्य कैसे हो गया?

टीएस सिंहदेवः 2018 में कांग्रेस का 14 सीट जीतना और फिर 2023 में भाजपा का सभी 14 सीट जीतना दोनों ही अप्रत्याशित थे। ऐसा होना भी नहीं चाहिए। राज्य बनने के बाद से इन चुनाव का विश्लेषण किया जाए तो यह साफ दिखता है कि मैदानी इलाकों में भाजपा और कांग्रेस लगभग बराबर रहे हैं। आदिवासी इलाकों का वोट बैंक ही रिजल्ट को प्रभावित करता रहा है। 2023 के चुनाव में आदिवासी बेल्ट के लोगों को यह लगा कि कांग्रेस ने काम नहीं किया इसलिए परिणाम विपरीत आ गए।

डॉ. द्विवेदीः3 साल बाद कांग्रेस की क्या स्थिति देखते हैं, क्या सरकार बनेगी?

टीएस सिंहदेव : 3 साल बाद प्रदेश में संघर्ष की स्थिति रहेगी और कांग्रेस की जीत के अवसर अधिक होंगे। भाजपा के खिलाफ एंटी इंकमबेंसी का भी मामला रहेगा। उन्हें कुछ नई योजनाओं के साथ नई घोषणाएं भी करनी पड़ेगी। फिलहाल कांग्रेस संगठन को मजबूत किया जा रहा है और पूरी उम्मीद है कि सरकार कांग्रेस की बनेगी।

डॉ. द्विवेदीःमुख्यमंत्री के तौर पर भूपेश बघेल को बेहतर मानते हैं या विष्णु देव साय को?

टीएस सिंहदेव : दोनों के काम करने का तरीका अलग है। भूपेश जहां आक्रमक हैं तो विष्णु देव शांत और सरल हैं। वर्तमान मुख्यमंत्री श्री साय अधिक मिलनसार महसूस होते हैं।

डॉ. द्विवेदीः क्या टी एस बाबा 2027 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे ?

टीएस सिंहदेव : सच कहूं तो मैं 2023 का चुनाव भी नहीं लड़ना चाहता था। कुछ करीबी लोगों ने सलाह दी तो उम्मीदवारी घोषित की। और यह भी तय है कि अगला चुनाव लड़ने के बारे में बहुत सोचूंगा।

डॉ. द्विवेदीः भूपेश बघेल ने दावा किया है कि भाजपा ने उन्हें ऑफर दिया था पार्टी ज्वाइन करने के लिए, क्या टी एस बाबा के पास भी ऐसा प्रस्ताव आया था?

टीएस सिंहदेवः ऐसे किसी भी प्रस्ताव या विचार के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है। मैं बीजेपी कभी ज्वाइन नहीं करूंगा। कुछ वैचारिक मतभेद हैं और मैं कभी लक्ष्मण रेखा क्रॉस नहीं करूंगा।

डॉ. द्विवेदीः वर्तमान विष्णु देव साय सरकार कैसा काम कर रही है ?

टीएस सिंहदेव : सभी सरकारों के काम करने के तरीके अलग होते हैं। उनकी नीतियां अलग होती हैं, रणनीतियां अलग होती हैं। सबसे प्रमुख होता है प्रदेश की जनता के लिए काम करना और हर क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश हमेशा होती है।

डॉ. द्विवेदीः फिलहाल कांग्रेस की स्थिति प्रदेश में कैसी है, संगठन और पार्टी स्तर पर क्या काम हो रहा है ?

टीएस सिंहदेव : संगठन स्तर पर बेहतर काम हो रहा है। बतौर नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत मुद्दों को विधानसभा में उठा रहे हैं तो पार्टी अध्यक्ष के तौर पर दीपक बैज कार्यकर्ताओं को जोड़ने और एकजुट करने में लगे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को पंजाब की जिम्मेदारी मिली है। वह पंजाब के साथ थी छत्तीसगढ़ को भी संभाल रहे हैं। मेरी जिम्मेदारी यह है कि सरगुजा क्षेत्र में कांग्रेस को एक बार फिर से जीतने की स्थिति में खड़ा किया जाए और उसके लिए पूरी कोशिश जारी है।

डॉ. द्विवेदीः क्या कांग्रेस में गुटबाजी अभी भी है और उसे खत्म होना चाहिए ?

टीएस सिंहदेव : गुटबाजी तो हर स्तर पर खत्म होनी चाहिए और सभी एकजुट होंगे तभी कांग्रेस की सरकार 2027 में बना पाएंगे। अभी देखना होगा कि लगभग 35 प्रतिशत वोट दोनों पार्टियों को मिलते हैं। 11 प्रतिशत का मार्जिन हर बार होता है। इसमें से जो 5:50 परसेंट से अधिक का लाएगा उसी की सरकार बनेगी।

डॉ. द्विवेदीःअगला चुनाव लड़े तो विधायक के तौर पर या मुख्यमंत्री के तौर, क्या राज्य सभा जाएंगे ?

टीएस सिंहदेव : भेजेंगे तो राज्यसभा चले जाएंगे और जहां तक चुनाव लड़ने की बात है तो अब मुख्यमंत्री की बात नहीं करना ही बेहतर होगा। पहले लगता था कि बतौर मुख्यमंत्री कुछ काम किया जा सकता है लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं।

जल जीवन मिशन पर 11 हजार ..

जाती है। यहां आज भी लोगों को पीने के लिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कहने को कुर्वापानी और ताराझर मे दो कुएं का निर्माण किया गया है लेकिन गर्मी और पहाड़ी होने के कारण कुआं सूखने का कागर पर है। साथ ही गांव के नजदीक से झीरन पानी नदी बहती है। इस नदी में ग्रामीणों के द्वारा चार से पांच फीट रेत व पत्थर को हटाकर झरिया खोदा गया है और इस झरिया का पानी ग्रामीण पीने को मजबूर हो रहे हैं। ग्राम पंचायत कुल्हाड़ीघाट के सरपंच बनसिंह सोरी ने बताया ग्राम कुर्वापानी, भालूडिग्गी, ताराझर मे एक भी हेडपम्प नहीं है। कुंआ है लेकिन गर्मी मे सूख जाता है। झरिया का पानी खोंदकर यहा के ग्रामीण प्यास बुझाते हैं।

नारंगी नदी में रेत जमाव से...

हिस्से में सतह पर पानी कम होने से ग्रामीणों में चिंता है। नदी पर आश्रित किसान सिंचाई के लिए परेशान हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार वर्षा ऋतु में भारी बारिश और बाढ़ के दौरान बड़ी मात्रा में रेत बहकर नदी के एक किनारे जमा हो गई। इस रेत जमाव ने प्राकृतिक प्रवाह को एक दिशा में मोड़ दिया, जिससे दूसरी ओर धारा तेज हो गई और एक भाग सतही रूप से सूखा प्रतीत होने लगा। तकनीकी रूप से यह नदी के प्रवाह मार्ग में अस्थायी परिवर्तन है, न कि जलस्रोत के समाप्त होने का संकेत। ग्रामीणों को बताया गया कि जिस स्थान पर नदी सूखी दिख रही है, उसके नीचे पर्याप्त जल मौजूद है। पानी को समुचित मार्ग न मिलने से वह दूसरी ओर केंद्रित होकर बह रहा है। ऐसे में रबी फसल सिंचाई पर तात्कालिक प्रभाव दिख सकता है, पर स्थिति स्थायी नहीं है। अधीक्षण अभियंता (जलसंसाधन) वेद पांडे ने स्पष्ट किया कि नदी सूखी नहीं है,बल्कि एक ओर भारी रेत जमाव के कारण सतही प्रवाह प्रभावित हुआ है। रेत के टीले को तकनीकी प्रक्रिया से शीघ्र समतल कर प्रवाह को संतुलित किया जाएगा।

सीएम ने बटन दबाया ...

अच्छे से मनाएं इसलिए होली के पूर्व यह राशि प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस बार किसानों को बारदाने की कोई समस्या नहीं हुई, किसानों के खाते में राशि भी समय पर पहुंची है। कार्यक्रम में बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, क्रेडा अध्यक्ष भूपेन्द्र सवन्नी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, पूर्व विधायक डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी, छत्तीसगढ़ राज्य पाठय पुस्तक निगम के अध्यक्ष राजा पाण्डेय एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के अध्यक्ष रजनीश सिंह, महापौर श्रीमती पूजा विधानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, कृषि उत्पादन आयुक्त शाहला निगार, संचालक कृषि राहुल देव, कमिश्नर सुनील जैन, आईजी रामगोपाल गर्ग, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसएसपी रजनेश सिंह, कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान मौजूद रहे।

हिस्ट्रीशीटर मैडी सहित 13 ...

करने पर भास्कर वर्मा बार से बाहर निककर डिवाइडर के सड़क के दूसरी ओर गए। यहां पहले से घात लगाए बैठे जरहाभाठा मिनीबस्ती निवासी हिस्ट्रीशीटर रितेश निखारे उर्फ मैडी एवं उसके साथियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया, आरोपियों ने उन्हें दौड़ाकर मारपीट करते हुए साइकिल चैन स्पाकेट जैसे हथियार से मारा। खूनी संघर्ष का वीडियो सोशल मीडिया में जोरों से वायरल हुआ था।

शराब घोटाले में सौम्या ...

जमानत याचिका पर जस्टिस अरविंद वर्मा के सिंगल बेंच में सुनवाई चल रही थी। सुनवाई के दौरान ईडी व राज्य सरकार ने जवाब पेश करने के लिए 10 दिन का समय मांगा था। इस पर कोर्ट ने समय देने से साफतौर पर इंकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने तय वक्त पर सुनवाई करने का निर्देश जारी किया है। हाईकोर्ट ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट ने दो सप्ताह में निर्णय लेने का आदेश दिया है जवाब के लिए समय दिया गया तो यह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन होगा। हाईकोर्ट ने ईडी और राज्य शासन को मामले में 20 फरवरी से पहले जवाब देने के निर्देश दिया था।

ये है प्रदेश का शराब ..

विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडीकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। एजेंसी का दावा है कि चैतन्य बघेल इस सिंडीकेट के प्रमुख थे और करीब 1000 करोड़ रुपए का रकम उन्हें मिला है।

नक्सलियों के हथियार ...

धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिविजन के शीर्ष नेताओं द्वारा उक्त क्षेत्र में डंप छिपाकर रखने की जानकारी मिली थी। सूचना के आधार पर 28 फरवरी को संयुक्त टीम को चिन्हित स्थान पर रवाना किया गया। सघन सर्च ऑपरेशन के दौरान पहाड़ी क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों से डंप सामग्री बरामद की गई।

जैकेट के शेष

तेल, ताकत और ....

आशंका है। बताया जा रहा है कि ईरान पर हमले की सबसे बड़ी वजह ये है कि ईरान परमाणु शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इसके लिए लगातार कोशिश में जुटा है। अमेरिका और इजरायल को पहले से ही इस बात का खौफ सता रहा था कि कहीं ईरान चुपके से परमाणु बम नहीं बना ले। ऐसा प्रतीत होता है कि पहला हमला ईरान सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के कार्यालयों के आसपास के इलाकों में हुआ और ईरानी मीडिया ने देशभर में हमलों की खबरें दी तथा राजधानी तेहरान से धुएं का गुबार उठता दिखायी दिया। ट्रंप ने 'बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान' शुरू होने की घोषणा करते हुए एक वीडियो के माध्यम से कहा, 'जब हम अपना काम पूरा कर लेंगे, तो अपनी सरकार पर कब्जा कर लेना। वह तुम्हारी होगी जिसकी बागडोर तुम अपने हाथ में ले सकोगे। संभवतः आने वाली कई पीढ़ियों में यह तुम्हारे पास एकमात्र मौका होगा। कई वर्षों से आप अमेरिका से मदद मांगते रहे हैं, लेकिन आपको कभी मदद नहीं मिली। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इस व्यापक लक्ष्य को दोहराया। उन्होंने कहा, हमारा संयुक्त अभियान बहादुर ईरानी लोगों के लिए ऐसी परिस्थितियां पैदा करेगा, जिससे वे अपने भविष्य का फैसला खुद अपने हाथों में ले सकें।

FORM - IV
Statement of ownership and other particulars about Hari Bhoomi as required by Registration of Newspapers (Central) Rules 1956 :

1. Place of Publication : Hari Bhoomi Complex, Tikrapara, Dhamtari Road Raipur (C.G.)-492001
2. Periodicity of Publication : Daily
3. Printer's Name : Anil Kumar
   Nationality : Indian
   Address :Hari Bhoomi Complex, Tikarapara, Dhamtari Road, Raipur-492001
4. Publisher's Name : Anil Kumar
   Nationality : Indian
   Address : As above
5. Editor's Name : Dr. Himanshu Dwivedi
   Nationality : Indian
   Address : Hari Bhoomi Complex, Tikarapara, Dhamtari Road, Raipur-492001
   Hari Bhoomi, is owned by Hari Bhoomi Communications Private Limited, 201, Onkardeep Building, A-19, Connaught Place, New Delhi-110001 having following share holders holding more than one percent of the total capital :

i) Abhimanyu Sindhu, 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
ii) Sarvesh Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
iii) Vir Sen Sindhu 1, Garud Nagar, Gevra Project, Korba, Chhattisgarh - 495452
iv) Vrit Pal Sindhu 23 Rajdoot Marg, Chanakyapuri, New Delhi - 110021
v) Satya Pal Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vi) Anika Sindhu 53-57, Sector -14, Rohtak, Haryana - 124001
vii) Swasti Sindhu 53, Sector-14, Rohtak, Haryana - 124001
viii) Rachna Sindhu 57, Sector-14, Rohtak, Haryana - 124001
ix) M/s Indus Edumanagement Services Private Limited 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035
x) Paramitra Holdings Private Limited, 129, Transport Centre, Punjabi Bagh, West Delhi-110035

I, Anil Kumar, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Anil Kumar
Publisher
Dt. 01-03-2026

MENNONITE CHRISTIAN PHARMACY COLLEGE
(Under The Aegis of The Mennonite Medical Board)
DCH Campus, Opposite Bus Stand, Raipur Road, Dhamtari (C.G.) 493773
Phone: 0772-2233055
Website: www.mcpc.dchdhamtari.com

FACULTY RECRUITMENT FOR D. PHARMACY
Applications are invited from eligible candidates for the following posts-
PRINCIPAL/ASSISTANT PROFESSOR/LECTURER
Qualification, Experience & Pay scale as per PCI and CSVTU Norms

Interested candidates send their resume along with the relevant testimonial and passport size photograph within 15 days of this advertisement to the campus address or through
E-mail mcpcdhamtari@gmail.com

स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लिमिटेड
भिलाई इस्पात संयंत्र
भिलाई, जिला- दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत-490001

सूचना

समाचार पत्रों से प्राप्त जानकारी एवं कार्यालय, नगर निगम भिलाई द्वारा दिनांक 26.02.2026 के समाचार पत्रों में प्रकाशित नोटिस (निगम का नोटिस दिनांक 25.02.2026) से सूचना प्राप्त हुई है कि निगम द्वारा बी.एस.पी. द्वारा लीज पर प्रदत्त आवासीय/व्यावसायिक/अन्य भवनों, जिसमें लीजधारकों/आबंटी द्वारा अनाधिकृत रूप से विस्तारीकरण करते हुए /निर्माण किया गया है, का नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत नियमितीकरण करने की कार्यवाही नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा की जा रही है तथा लीजधारकों/आबंटी (आबंटियो) से आवेदन माँगा गया है।

भिलाई टाउनशिप में लीज/लाइसेंस/आबंटन (आबंटन) पर प्रदत्त दुकान/मकानों/अन्य भवनों के आवंटियों को सूचित किया जाता है कि बी.एस.पी. टाउनशिप क्षेत्र एवं उसके स्वामित्व की संपत्ति, "लोक परिसर (अनधिकृत अधिभोगियों का निष्कासन) अधिनियम, 1971" के अंतर्गत "लोक परिसर" है। लोक परिसर का आवंटन, प्रबंधन एवं संचालन बी.एस.पी. द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों के अधीन किया जाता है, जिनमें स्पष्ट रूप से यह शर्त निहित है कि आबंटियो द्वारा किसी प्रकार का अनाधिकृत निर्माण नहीं किया जा सकता है। आबंटन की शर्तों के अनुसार बी.एस.पी.प्रबंधन की पूर्वानुमति के बिना किया गया निर्माण अवैध है ।

आबंटन की शर्तों का उल्लंघन अथवा अनाधिकृत निर्माण पाए जाने की स्थिति में आबंटन निरस्त किया जा सकता है तथा संबंधित आबंटियो के विरुद्ध विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है/की जाती रहेगी।

अतः बी.एस.पी. के सभी आबंटियो को उनके हित में सूचना जारी किया जा रहा है कि अनाधिकृत निर्माण न करें एवं आबंटन की शर्तों का अनुपालन करें । अनाधिकृत भवन या अनाधिकृत निर्माण का नियमतीकरण नहीं किया जा सकता है । यदि कोई आवंटी नियमितीकरण की कार्यवाही करता है, तो वह पूर्णतः उसके स्वयं के जोखिम एवं लागत पर होगी। आबंटियो द्वारा निगम के साथ की गई कोई भी नियमितीकरण कार्यवाही, बी.एस.पी. पर बंधनकारी नहीं होगी।

महाप्रबंधक
(दुकान, आ-लीज, लाइ., आवास एवं राजस्व)
भिलाई इस्पात संयंत्र

विज्ञापन.क्र.-बीएसपी-22 / 25-26 / दिनांक : 28 / 02 / 2026

पंजीकृत कार्यालय : इस्पात भवन, लोधी रोड, नई दिल्ली, 110003
Corporate Identity Number : 127109DL1973G01006454.Website: www.sail.co.in
हर किसी की ज़िन्दगी से जुड़ा हुआ है सेल

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी ।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर सकती हैं।

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी।

मोहाली में बनेगा देश का पहला एआई टावर

मोहाली। मोहाली में देश का पहला आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टावर लगाया जाएगा। इसकी औपचारिकताएं पूरी हो चुकी हैं। यहां देश-विदेश की लगभग 300 एआई आधारित कंपनियां काम करेंगी। यहां केवल सॉफ्टवेयर नहीं, एआई से जुड़े उत्पादों का निर्माण भी होगा। इससे पंजाब के स्टार्टअप को मजबूती मिलेगी। यह एआई टावर चंडीगढ़ इंटरनेशनल एयरपोर्ट के नजदीक 'एक्सपो सिटी' में बनेगा। इस 'एक्सपो सिटी' को 183.5 एकड़ भूमि पर विकसित किया जा रहा है। यह परियोजना रुड़का, धर्मगढ़, शफीपुर और लडियाली गांवों की भूमि पर प्रस्तावित है। इसकी निगरानी के लिए हाईलेवल अफसरों की संयुक्त कमेटी का भी गठन किया जा रहा है। शुक्रवार को धारा 4 व 6 की भी अधिसूचना जारी हो गई है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
नागपुर मंडल में इलेक्ट्रिकल सम्बंधित कार्य के लिए ई-निविदा सूचना

1. निविदा सूचना संख्याः ईएल-जी-ई-ओटी-25-26-33 दिनांकः 17.02.2026
कार्य का नामः विभिन्न इलेक्ट्रिकल काम - **(A)** संग्रहण हेतु मौजूदा बिल्डिंग के फ्लोरिंग रैक का एक्सटेंशन, फॉल्स सीलिंग को बदलना, बाउंड्री वॉल को ऊंचा करना और टॉयलेट बाथ का इंतज़ाम तथा मंडल स्टोर्स डिपो, मोतीबाग के इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार। **(B)** SECRSA, नागपुर के कलमना स्टेशन के पास 7.04 एकड़ की नई अलॉटेड ज़मीन पर स्पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर (क्रिकेट ग्राउंड) का डेवलपमेंट। **(C)** DRM बिल्डिंग, नागपुर के पहले माले पर वरिष्ठ DEN (Co.) के अधीन अभियांत्रिकी विभाग के अलग-अलग कार्यालयों में सुधार। **(D)** ट्रैक मशीन जोनल मेंटेनेंस डिपो, नागपुर में टैम्पिंग यूनिट ओवरहॉलिंग शेड। **(E)** ORH, माउंट रोड नागपुर का रेनोवेशन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,10,51,709/-
बिड सुरक्षा राशिः ₹ 2,05,300/-

2. निविदा सूचना संख्याः ईएल-जी-ई-ओटी-25-26-34 दिनांकः 17.02.2026
कार्य का नामः विभिन्न इलेक्ट्रिकल काम - **(A)** ADEN, तुमसर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत तुमसर रेलवे कॉलोनी में नए RCC ओवरहेड वॉटर स्टोरेज टैंक का निर्माण। **(B)** ADEN-ट्रैक्स, नागपुर के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत स्टील वॉटर टैंक की जगह इतवारी के साउथ साइड P/House में 2,25,000 लीटर क्षमता वाले RCC ओवरहेड टैंक का निर्माण। **(C)** 2x2.30 लाख लीटर क्षमता वाले लीक हो रहे MS टैंक की जगह 2,25,000 लीटर क्षमता का एक RCC ओवरहेड टैंक का निर्माण, 58,600 लीटर टैंक की जगह 1 लाख लीटर क्षमता वाले एक RCC ओवरहेड टैंक का निर्माण और ADEN (वर्क्स), नागपुर के अंतर्गत नागपुर सेटलमेंट के मोतीबाग क्षेत्र में पंपिंग अरेंजमेंट और पाइप लाइनों के साथ 4 लाख लीटर क्षमता वाले एक अंडरग्राउंड RCC स्टोरेज टैंक का निर्माण। **(D)** ADEN, डोंगरगढ़ के अंतर्गत लोको कॉलोनी में लीक हो रहे MS टैंक को बदलने हेतु RCC ओवरहेड टैंक (कैपेसिटी 225000 लीटर) का निर्माण। **(E)** ADEN, नागभीड़ के अधिकार क्षेत्र अंतर्गत मुलमरोडा स्टेशन पर 50000 लीटर क्षमता वाले RCC ओवरहेड टैंक का निर्माण।
निविदा मूल्यः ₹ 59,08,826/-
बिड सुरक्षा राशिः ₹ 1,18,200/-

3. निविदा सूचना संख्याः ईएल-जी-ई-ओटी-25-26-36 दिनांकः 17.02.2026
कार्य का नामः नागपुर मंडल में S&T विभाग के सेंट्रल रिले रूम और गुमटी में एयर कंडीशनिंग की सप्लाई और फिक्सिंग के लिए इलेक्ट्रिकल काम।
निविदा मूल्यः ₹ 4,80,96,198/-
बिड सुरक्षा राशिः ₹ 3,90,500/-

निविदा प्रस्तुति की तारीख एवं समयः दिनांक **03.03.2026** से **17.03.2026** के दोपहर **3:00** बजे तक। **निविदा का खोलनाः** दिनांक **17.03.2026** को **3:00** बजे।
अधिक जानकारी के लिए कृपया वरिष्ठ डीईई (RS&G)/नागपुर के कार्यालय से संपर्क करें या हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध निविदा दस्तावेज देखें / डाउनलोड करें।

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (RS&G), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर
FL/73-320
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

शब्द पहेली - 6153

■	1		2	■	■	■	3		4	■
5		■	6	7		8		■	9	10
	■	■	11		■	12		■	■	
13	14	15	■	16	17		■	18	19	
■	20		21	■		■	22			■
■		■	23		■	24		■		■
■	25	26		■	27	■	28	29		■
30			■	31		32		33		34
	■	■	35		■	36	37	■	■	
38	39	■	40				■	■	41	
■	42			■	■	■	43			■

33.।.

बाएँ से दाए-
1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे
1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -6152 का हल

क	म	ला	का	र	■	■	कु	रा	न	■
था	न	■	र	■	कै	ला	श	■	भ	ला
वा	■	■	खा	विं	द	■	ल	■	■	य
च	म	क	ना	■	■	त	■	क	स	क
क	■	या	■	क	ल	क	ल	■	ली	■
■	आ	स	■	ल	■	रा	■	शा	म	■
■	रा	■	क	र	ता	र	■	म	■	ख
श	म	न	■	ब	■	■	म	त	ल	ब
ह	■	■	म	■	दा	म	न	■	■	र
र	थ	■	ग	र	म	■	च	■	दा	दा
■	ल	की	र	■	■	स	ली	के	दा	र

सूडोकु नवताल - 6163

★★★★☆ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6162 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

इंद्रधनुषी रंगों से रंग जाए जीवन

वासंती बयारों के बीच जब नवकोंपल, नवपुष्पों के मोहक वर्णों और सुगंध से प्रकृति सुशोभित-सुवासित हो रही होती है, ऐसे ही अवसर पर इंद्रधनुषी रंग-भाव लिए आता है, होली का त्योहार। उसके आगमन की आहट से रोम-रोम पुलकित हो उठता है। उल्लास-उमंग को संग लिए रंगोत्सव हमें जीवन के हर रंग को आत्मसात करने का भी संदेश देता है।

आवरण कथा
सरस्वती रमेश

प्रकृति जब धरती पर ऋतु परिवर्तन का विविधवर्णी उत्सव मनाती है। पलाश, गेंदा, गुलाब, गुलमोहर जैसे फूलों और खेतों में दूर तक फैली पीली सरसों से अपना श्रृंगार करती है, इसी अवसर पर रंगपर्व होली के बहाने हम सब भी प्रकृति के इस उत्सव में शामिल हो जाते हैं। ऋतु की मादकता से अपने भीतर उपजे आह्लाद को ठिठोली, राग, रंग और अल्हड़पन के माध्यम से व्यक्त करते हैं। यह ऋतु ऐसी मदमस्त होती है कि धूप की हल्की हंसी जैसी किरणें भी धरती पर किसी सुनहरी पिचकारी-सी लगती हैं। शीतल बयार का जादू प्रकृति के कण-कण में छाने लगता है। क्या इंसान और क्या पशु-पक्षी, सब प्रकृति के सम्मोहन में बंध जाते हैं। हृदय में उल्लास के कपाट खुल जाते हैं। मन में फाग के राग बजने लगते हैं। पांव ढोलक, मृदंग की थाप पर खुद-ब-खुद थिरकने लगते हैं। इस ऋतु के प्रभाव को कवि दिनेश शुक्ल की ये पंक्तियां प्रभावी तरीके से व्यक्त करती हैं-

पृथ्वी, मौसम, वनस्पति, भंवरे, तितली, धूप
सब पर जादू कर गई, ये फागुन की धूल।

विविध रंगों से सजता है जीवन: होली तो रंगों की उमंग से उत्साहित होने का त्योहार है। उत्सव के रंग में रंग जाने का समय। लेकिन ये रंग महज बाहरी रंग नहीं होते, जीवन जीने का फलसफा भी सिखाते हैं। हमारा जीवन विविध भावों वाले रंगों से ही तो मिलकर बना हुआ है। कहीं दुःख का धूसर रंग है तो कहीं आनंद का चटख रंग। कहीं वियोग के पनीले रंग हैं तो कहीं प्रेम और मिलन के सुर्ख रंग। लाभ, हानि, संकट, समाधान, रोग, निरोग, शोक, अशोक, सफलता, असफलता सब जीवन के विविध रंग ही हैं। इन्हीं विविधताओं से ही इंद्रधनुषी बनता है जीवन हमारा।

जरा कल्पना करके देखिए यदि इस धरती पर केवल एक ही रंग होता। अंधकार का स्याह रंग या रोशनी का चमकीला रंग। तब एकरसता हमारे जीवन, हमारी दिनचर्या को कितना बोझिल बना देती। यदि हमारी जिंदगी में भी सिर्फ कोई एक ही रंग होता। सिर्फ सुख का चटख रंग या दुःख ही दुःख तो हम सुख-दुःख के रंगों को विलग कर उनके भावों को किस प्रकार समझ पाते? दुःख के स्याह रंग नहीं होते तो सुख के दिनों की पहचान करना भी मुश्किल होता। दुःख के रंग से ही सुख के रंग और निखरते हैं। दुःख हमें सुख की महत्ता को समझाने, उसे अपनी झोली में सहेजने की सीख लेकर आता है। यह विरोधाभास ही एक सार्थक, अनुभव संपन्न जीवन का बेहतरीन उदाहरण है। जीवन में हर भाव, हर रंग का संतुलन साधना आवश्यक है। किसी एक रंग से न तो जीवन बन सकता है और न जीवन में संपूर्णता का आनंद मिल सकता है। जीवन रंगों के इस संतुलन को साधने का नाम है। आशा, उम्मीद, सकारात्मकता, करुणा, प्रेम, उदारता जैसे रंगों की अधिकता हमारे जीवन के एक वृहद हिस्से को उत्सव में तब्दील कर देती है। सिर्फ हमारे जीवन को ही नहीं, हमारे आस-पास रहने वाले लोगों के जीवन में भी खुशी और उल्लास के रंग बिखेरती है।

समझें रंगों का संदेश: हर रंग में गहरे सांस्कृतिक, धार्मिक और आध्यात्मिक अर्थ निहित होते हैं। ये रंग जीवन की अलग-अलग स्थितियों का आईना होते हैं। इस आईने में हम हर रोज खुद को देखते हैं। अलग-अलग भावों को महसूस करते हैं। जैसे प्रकृति में इंद्रधनुष सात रंगों से सजा होता है,

वैसे ही हमारा जीवन भी विभिन्न रंगों का मिश्रण होता है। वास्तव में विभिन्न रंग, हमारे मन की गहराइयों को प्रतिबिंबित करते हैं। जीवन को जितने खुले मन से विभिन्न रंगों में देखेंगे, उतना ही वह रंगीन और अर्थपूर्ण लगेगा। रंग हमें सिखाते हैं कि हर स्थिति स्थायी नहीं होती। जैसे इंद्रधनुष बारिश के बाद निकलता है, वैसे ही दुःख के बाद सुख, क्रोध के बाद शांति, हानि के बाद नई शुरुआत होती है। रंग हमें याद दिलाते हैं कि जीवन को एक रंग में बांधना असंभव है। रंग हमें हंसना सिखाते हैं। प्रेम में पड़ना सिखाते हैं। जीवन की विसंगतियों से लड़ना भी सिखाते हैं। रंगों के जरिए हम अपने भावों, अनुभवों और विचारों को व्यक्त करते हैं। जरूरत बस इतनी है कि हम रंगों के भावार्थ को अपने जीवन में ठीक से उतारें। होली के रंग भी यही संदेश लेकर आते हैं। जीवन आपसी मेलजोल और खुशियों के रंगों का मेला है। इस मेले में से हमें रंग चुनकर अपने जीवन को रंगीन बनाना है। अपने आस-पास की उदासियों को विदा करना है। आज की भागम-भाग भरी जिंदगी में रंग हमें थोड़ा ठहरने और आत्म मंथन करने की आवश्यकता को बताते हैं। जीवन में रंगों का उल्लास उतारने के लिए थोड़ा ठहरना, हर रंग की तासीर को समझना जरूरी है।

रंगों में निहित सामाजिकता: इस रंग पर्व की बेला में हम सब रंगों में निहित सामाजिकता को भी आत्मसात करें, उसे भी प्रत्यक्ष रूप से प्रकट करें। खुशियों की सौगात लेकर आने वाली होली में अपनों को गले लगाएं। जैसे शीत से रूठी प्रकृति को वसंत अपने माधुर्य से मनाता है। पत्ते-पत्ते, कली-कली और पुष्प-पुष्प को अपनी वासंती बयार से गुदगुदाता है। आम्र मंजरियों को अपनी ऊष्मा से महमहाता है, ठीक वैसे ही हम अपने रूठे प्रियजनों को अपने प्रेम, अपनापे की ऊष्मा से मनाएं। एकांत के उदास रंगों में डूबे अपने पड़ोसियों, भाई-बंधुओं से मिलकर उनके जीवन को होली के रंगों से स्पंदित करें। होली तो अजनबियों और शत्रु को भी गले लगाने का संदेश लेकर आती है ताकि हमारे बीच सामूहिकता की भावना जिंदा रहे, ताकि हम एक-दूसरे के साथ के महत्व को समझें और कोमल संवेदनाओं को धारण कर सकें। हमारे बीच सामाजिकता बनी रहे और हम अवसाद, एकाकीपन के दुष्प्रभावों से दूर रह सकें।

रंग वाली होली से एक रात पूर्व, होलिका जलाते हैं। जलती होलिका तो एक प्रतीक मात्र है। असली होलिका तो तब जलेगी जब अपनी चारित्रिक कमजोरियों, असहजताओं, मन की कुंठाओं को भी दहन कर दिया जाए। मन से ईर्ष्या, वैर के बदरंगों की निकासी की जाए और प्रेम के रंग से सराबोर हुआ जाए। तभी तो समाज को विभाजित करने वाली शक्तियों का विध्वंस होगा। ऊंच-नीच की भावना, अमीर-गरीब का अंतर, जाति-धर्म का विभेद सबकी होली जलेगी। यदि होली के रंग में हमारा मन सच्चे अर्थों में रंग जाए तो मन से सारे दूषित विचार निकल जाएंगे। हमारा शरीर नए मनोभाव को धारण कर एकदम तरोताजा महसूस करेगा। भाईचारे के रंग में भीगा मन, बड़ों के लिए सम्मान और छोटों के लिए दुलार से भरा मन, रिश्तों के प्रति आत्मीयता से भरा रंग। तभी होली मनाना सार्थक होगा। कवि हरिवंशराय बच्चन के शब्दों में-

होली है तो आज अपरिचित से परिचय कर लो
होली है तो आज मित्र को पलकों में धर लो
भूल-शूल से भरे वर्ष के वैर, विरोधों को
होली है तो आज शत्रु को बाहों में भर लो। *

रंग, उमंग, तरंग के संग मस्ती भरा धमाल मचाने का संदेश लेकर आता है, होली का पर्व। यही वजह है कि खासतौर पर युवाओं का यह सबसे पसंदीदा त्योहार माना जाता है। होली से युवाओं के जुड़ाव और इसे मनाने के अंदाज पर एक नजर।

रंग-मस्ती-उमंग के संग युवाओं का होली धमाल

नया अंदाज
शैलेंद्र सिंह

बीते साल के होली वाले दिन की सुबह की घटना है। पुणे के एक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में गजब की युवा हलचल देखने को मिल रही थी। वीकेंड पर आमतौर पर देर तक सोने वाले युवा उस दिन सूरज की किरणों के उगने के पहले ही जग चुके थे। किसी के हाथ में गुलाल के पैकेट थे, कोई फोन पर प्ले लिस्ट सेट कर रहा था, तो कोई पूछ रहा था, 'पानी वाला रंग लाऊं या सिर्फ ड्राई?' ये सब वही युवा थे, जो सप्ताह भर कॉरपोरेट ऑफिस में प्रजेंटेशन की आपा-धापी में रहते हैं। स्टार्टअप्स की मीटिंग में भविष्य के सपने बुनते हैं और अपने करियर की सीढ़ियां तेजी से चढ़ने की हर कोशिश करते हैं। लेकिन होली का दिन आते ही इनकी पहचान बदल जाती है। होली के दिन ये बेफिक्र और रंगों से सराबोर मस्ती के रंग में डूबे दोस्त बन जाते हैं। यह अकेले पुणे के एक मिडिल क्लास मुहल्ले की कहानी नहीं है। यह समूचे शहरी भारत के ब्राइट करियर वाले युवाओं के होली धमाल की कहानी है।

होली खेलने में नहीं रहते पीछे: यह सही है कि आज के शहरी युवा अपने करियर को लेकर जितने गंभीर रहते हैं, उतना ही ध्यान अपने जीवन में उत्सव और संतुलन के लिए भी देते हैं। आईटी प्रोफेशनल मोहन रंगनाथन जो कि साउथ इंडिया से हैं, लेकिन पढ़ाई से लेकर करियर तक उत्तर भारत में गुजारने के कारण होली को भरपूर सेलिब्रेट करते हैं। उनके मुताबिक, 'हम जैसे युवा डेडलाइन और टारगेट में भले उलझे रहते हों, लेकिन होली एक ऐसा दिन है, जब हम बिना किसी दबाव के खुलकर होली खेलते हैं, तब हमें कतई नहीं याद रहता कि हममें प्रोफेशनल कौन है या जूनियर कौन है या सीनियर कौन है? ना ही उस समय हमें अपना वर्क प्रेशर और प्रोजेक्ट की डेडलाइन परेशान करती है। होली के दिन सिर्फ रंग और मस्ती का धमाल होता है।'

दिल्ली में रहने वाली यंग प्राफेशनल पूनम कहती हैं, 'वास्तव में होली मूड नहीं बल्कि साल भर के लिए मेंटेलिटी को रिसेट करने का त्योहार होता है। यह अकेला ऐसा फेस्टिवल है, जो उत्तर से मध्य ही नहीं लगभग पूरे भारत के हर हिस्से तक हर जगह और हर युवा को रोजमर्रा की जिंदगी की एकरसता से बाहर निकालता है।'

इसलिए है पसंदीदा त्योहार: कई ऐसे त्योहार होते हैं, जो कुछ लोग मनाते हैं और कुछ लोग नहीं मनाते। लेकिन होली एक ऐसा त्योहार है, जिसे आप चाहे मनाएं या न मनाएं पर आपको इस दिन पूरी छुट्टी मिलती है। पूरी तरह से आजादी महसूस होती है। इसलिए अपार्टमेंट से लेकर क्लबों तक हर जगह होली, युवाओं को मस्ती और बेफिक्री से जीने को प्रेरित करती है। इसीलिए इसे युवाओं का पसंदीदा पर्व माना जाता है।

नए रूप में होली की मस्ती: हाल के दशकों में भारत के बड़े शहरों का पारंपरिक चेहरा बदल गया है। अब 70 और 80 के दशक वाले मुहल्ले नहीं बचे। अब गेटबंद सोसायटियों का चलन है, इसलिए होली के दिन सुबह से ही सोसायटियों में डीजे की धमाल के साथ रूफ टॉप होली के एक से बढ़कर एक वर्जन देखने को मिलते हैं। पूल पार्टी होली, इकोफ्रेंडली होली जैसे नए आयाम भी इस मस्ती के हिस्से बन चुके हैं। बेंग्लुरु में जॉब करने वाले भिलाई के राघव कहते हैं, 'हम युवा लोगों में से अगर कोई होली न भी खेलना चाहे तो मनाने वालों की संख्या ज्यादा होती है और न मनाने वालों की इस मामले में जरा भी नहीं चलती। उन्हें घर से खींचकर होली पार्टी में खींच लिया जाता है। मजेदार बात यह है कि कुछ देर पहले तक खेलने से ना-नुकुर करने वाला बंदा भी कुछ देर में होली के रंगों में सराबोर होकर खेलने लगता है। यही तो इस पर्व की खासियत है।' इससे उलट हावड़ा की रहने वाली कनुप्रिया के मुताबिक पांच सालों से चेन्नई में रहते हुए भी उन्होंने बंगाल की फूलों वाली होली का कल्चर जिंदा रखा है और अब तो उनकी देखा-देखी बहुत से उनके युवा साथी भी होली के दिन फूलों वाली होली बड़े प्यार से खेलते हैं। तेलंगाना के रहने वाले रमेश जो मथुरा में जॉब करते हैं, बताते हैं, 'फूलों की होली में गजब का आकर्षण है। यह खूबसूरत भी है, मस्ती घनघोर भी है और पर्यावरण के अनुकूल भी है।'

दिल्ली में फाइनेंस प्रोफेशनल आरव के मुताबिक 'अब दिल्ली में भी बेंग्लुरु और मुंबई की तरह युवाओं की होली पार्टियां बनती हैं और दिनभर डीजे के साथ होली धमाल होता है। अब होली पर कुछ भी चेहरे पर चुपड़ देना, मिट्टी, गंदगी आदि से होली खेलना धीरे-धीरे चलन से बाहर होता जा रहा है। इसके साथ ही कम से कम भारत के शहरी यंगस्टर्स, जो अपने करियर को लेकर सीरियस और सुरक्षित हैं, मस्ती के इस त्योहार में न केवल नए-नए आयाम जोड़ रहे हैं बल्कि इसके साथ जुड़े डरावने अनुभवों को मनोरंजन से यादगार अनुभव से स्थानांतरित करने लगे हैं।'

रंगीली होती है वर्चुअल होली: अब युवाओं द्वारा सोशल मीडिया में भी जमकर होली खेली जा रही है। आज सोशल मीडिया में विशेषकर इंस्टाग्राम और यू-ट्यूब में होली के दिन जितने इंद्रधनुषी चेहरे दिखते हैं, उतने चेहरे तो सचमुच में आस-पास भी नहीं दिखते हैं। वास्तव में होली एक ऐसा त्योहार है, जिसमें प्राचीनता हो या आधुनिकता, सब एक जैसे और एक ही जगह एकत्र हो जाते हैं। कुल मिलाकर अगर कहें तो भले यह 1980 या 90 की बजाय इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक हो, लेकिन भारत के युवाओं में होली की मस्ती में जरा भी बदलाव नहीं आया है। *

दोहे
श्याम सुंदर श्रीवास्तव 'कोमल'

हुए गुलाबी गाल

होली में सब हो लिए, तन-मन से रंगीन।
गोपी नाचे झूम कर, ग्वाल बजाए बीन।।
पिचकारी से छूटती, रंगों की रसधार।
प्रेम रंग में डूबकर, करें नेह संचार।।
तरह-तरह के रंग से, भरकर पूरा थाल।
छुई-मुई गोरी हुई, हुए गुलाबी गाल।।
रंग अबीर गुलाल को, लेकर चले गुपाल।
गाएं, बछड़े, कुंज तरु, ग्वाल-बाल सब लाल।।
अंग-अंग थिरकन लगे, बजते ढोल मृदंग।
उठती गिरती ताल पर, फड़क रहे हैं अंग।।
राग-रंग के पर्व पर, छाया है अनुराग।
नाच रही हैं गोपियां, ग्वाले गाएं फाग।।
राधा जी हैं छोड़ती, पिचकारी से धार।
नैन श्याम से मिल गए, धार हुई बेकार।।

हुड़दंग
राजा चौरसिया

ताऊजी की होली

होली के रंग में भइया
जब घुली भंग की तरंग,
ताऊजी के ठुमके देख
हर कोई रह गया दंग।
वृद्धावस्था में बहककर
ताऊजी सठिया गए
उनका हुड़दंग देखकर
जवान भी शरमा गए।
ताई को जब पता लगा
लेकर दौड़ीं डंडा
ताऊ जान बचाकर भागे
नशा हो गया ठंडा।

हंसी-ठिठोली
राकेश सोहम्

एआई के संग कार्यालयीन होली के रंग

एआई का जमाना है। सांस्कृतिक धरोहर माने जाने वाले त्योहारों की मिट्टी पलीत हुई पड़ी है। फूलों के रंगों से खेला जाने वाला होली का त्योहार कालांतर में कीचड़ और गोबर से खेला जाता था। फिर केमिकल युक्त रंगों से खेला जाने लगा। हाल ही में ऑर्गेनिक रंगों से खेला जा रहा था। पर एआई के आगमन से वह भी बंद हो गया है। लोग मोबाइल पर होली खेलते हैं। होली की आधिकारिक छुट्टियां भी समाप्त कर दी गई हैं। सरकारी महकमों में प्रतीकात्मक होली मनाई जाती है। हालांकि ऐसे मामलों में महकमों का रवैया अभी भी ढर्रा-सा और खाने-पीने तक सीमित है।

इधर होली के ठीक एक दिन पहले मुख्यालय का आदेश बॉस की फैक्स मशीन के बाहर लटकती हुई जुबान की माफिक झांक रहा था। उन्होंने गुस्से में मशीन की जुबान खींच ली। जैसे अधीनस्थ की खींच लिया करते हैं। पर आदेश को देखते ही बॉस के होंठों पर रसीली मुस्कान तैर गई। आंखों में रंग अठखेलियां करने लगे। फौरन सेक्रेटरी को फोन घुमाया, 'रंगीली जी..आइए।' मिस रंगीली चौंक गईं। टेढ़े बॉस के मीठे बोल! दिलो-दिमाग में 'ये क्या हुआ, कैसे हुआ, कब हुआ..' का प्रश्न वाचक संगीत बजने लगा। 'मिस रंगीली' से 'रंगीली जी'! बॉस ने कक्ष में बिखरी खुशबू को सांसों में समेटा और बोले, 'हाय रंगीली.. हैप्पी होली।' फिर रुक गए। मिस रंगीली के हाथ से मोबाइल गिर गया। ऐसी धृष्टता? बॉस ने कनखियों से भांपा और लंबा पॉज लेकर बोले, 'हैप्पी ..सॉरी.. ऑफिस में होली सेलिब्रेशन का आदेश आया है। कल होली है। सो कार्यालयीन सभाकक्ष में सेलिब्रेशन सुनिश्चित करें। सेलिब्रेशन की रिपोर्ट भी कल ही भेजनी है।' मिस रंगीली ने मोबाइल उठाया और चंपत हो लीं।

दूसरे दिन कार्यालय का सभा कक्ष खुशबुओं से महक रहा था। दीवारों पर रक्ताभ दिलनुमा गुब्बारे झूल रहे थे। बॉस की कुर्सी के पीछे स्क्रीन पर रंगों की फुहार के साथ 'हैप्पी-होली' की लिखावट उछल रही थी। सभा कक्ष खचाखच भरा हुआ था। हमेशा लेट-लतीफ पहुंचने वाले अधिकारी भी समय पूर्व पहुंच गए थे। बेहद जरूरी बैठकों का बहिष्कार करने वाले अड़ियल टाइप के अधिकारी सजे-धजे सभा कक्ष में मौजूद थे। किसी को रंग लगने-लगाने की चिंता नहीं थी क्योंकि होली एआई के माध्यम से मोबाइल पर खेली जानी थी।

कार्यक्रम का संचालन कार्यालय के जबरिया कवि प्रेम रोगी जी कर रहे थे। शुरुआत मिस कंटीली द्वारा बॉस के मोबाइल पर लाल रंग के दिलनुमा गुब्बारे को भेजकर किया गया। जैसे ही डिजिटल गुब्बारा बॉस की मोबाइल स्क्रीन पर फूटा उनकी बत्तीसी बाहर गिरने को हो आई। बॉस ने सभी को कलर्ड अंगूठे की इमोजी प्रेषित की। प्रत्युत्तर में लोगों ने 'हाथ-जोड़े' और 'गुलाली-टीके' की इमोजी भेज दी। प्रेम रोगी कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए बोले, 'मुख्यालय के निर्देशानुसार, किसी को दुःख पहुंचाए बिना आप एक-दूसरे को एआई के माध्यम से डिजिटल रंग डाल सकते हैं। प्रेम का संदेश जाना चाहिए बस। बहरहाल, मैं कार्यक्रम की रूपरेखा विस्तार से बता देना चाहता हूं।'

प्रेम रोगी जी ने 'रूपरेखा' और 'चाहता हूं' पर विशेष जोर दिया तो सभी की नजरें बैठक में उपस्थित खूबसूरत सहकर्मी 'रूपरेखा' की ओर घूम गईं। रूपरेखा ने उनको आड़े हाथों लिया। उन्होंने फट से एक डॉगी की इमोजी रोगी जी को भेज दी और गुस्से में पांव पटकते हुए सभाकक्ष से बाहर हो गईं। इसी दौरान एक चिढ़े हुए अधिकारी ने दूसरे अधिकारी की उड़ते नोटों के बीच रिश्वत से रंगे हाथों वाली तस्वीर एआई से बनाकर साझा कर दी। मामला इतना गर्मा गया कि बॉस को इसे अपने संज्ञान में लेना पड़ा।

सभा कक्ष में 'होली के रंग एआई के संग' का दौर चलता रहा। भले ही वहां एआई के माध्यम से बनावटी होली खेली जा रही थी पर टेबल के बीचों-बीच गरमा-गरम समोसे और लजीज गुझिए एकदम असली थे। सो खाने-पीने का दौर बाकायदा चलता रहा। हैप्पी होली! *

विज्ञापन...

इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट :- वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपए में।

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार विश्वविख्यात डॉ. प्रमोद पहारिया द्वारा ग्वालियर में हो रहा है। आइये जानते हैं इस तकनीक के असाधारण लाभ-

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिधिया जी से स्पाइन के श्रेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है?
सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं?
सर्जरी के दौरान पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एवं बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंप्लांट फैलियर जैसे जो कॉम्प्लिकेशन देखने को मिलते हैं, वैसा इसमें खतरा नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है?
डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजरनेरेटिव डिस्क, फैसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल स्टेनोसिस, स्पॉन्डिलाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?
यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?
15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है?
एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है?
90 से 95% सफल है।

इस ट्रीटमेंट का असर कब तक रहता है?
इसमें जड़ से इलाज होता है।

क्या यह स्टेरॉइड इंजेक्शन है?
नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक **विशेष मशीन** की निगरानी में किया जाता है।

NBC@

डॉ. प्रमोद पहारिया
स्पाइन सर्जन
MBBS, D.Ortho, DNB, M.Ch. (Ortho)
पूर्व सर्जन- सर गंगाराम हॉस्पिटल एवं इंडियन स्पाइनल इंज्यूरी सेन्टर, नई दिल्ली
देहली हॉस्पीटल, ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)
समय: दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक
व्हाट्सएप पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें
सम्पर्क - 7354858466 | www.nonsurgicalspinecentre.in

कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीता जम्मू कश्मीर

जम्मू-कश्मीर ने 67 साल में पहली बार जीती रणजी ट्रॉफी, 8 बार की चैंपियन कर्नाटक से छीना खिताब

एजेंसी ▶▶| हुबली

जम्मू कश्मीर ने अपने जोश और जज्बे का शानदार नमूना पेश करते हुए शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ड्रॉ रहे फाइनल में पहली पारी की बढ़त के आधार पर पहली बार रणजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट का खिताब जीतकर 67 साल का इंतजार खत्म किया और अपना नाम इतिहास में दर्ज कर दिया। जम्मू कश्मीर ने यह शानदार जीत 8 बार के चैंपियन कर्नाटक के खिलाफ दर्ज की। उसने पांच दिन तक चले मुकाबले में शुरू से ही अपना दबदबा बनाए रखा और इस सत्र में अपने अभियान का शानदार अंत किया।

जम्मू कश्मीर ने पहली पारी में बनाए थे 584 रन

जम्मू कश्मीर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 584 रन बनाए थे, जिसके जवाब में कर्नाटक की टीम 293 रन ही बना पाई थी। इस तरह से जम्मू कश्मीर को 291 रन की बढ़त मिली और उसने कर्नाटक को फॉलोआन के लिए आमंत्रित करने की बजाय दूसरी पारी खेलने का फैसला किया। मैच के पांचवें और अंतिम दिन जम्मू कश्मीर ने जब अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 342 रन बनाए थे तब दोनों टीम के कप्तान मैच को ड्रॉ करने पर सहमत हो गए और जम्मू कश्मीर पहली बार चैंपियन बन गया। इस तरह से जम्मू कश्मीर में अपनी कुल बढ़त 633 रन कर दी थी।

यह मेरे जीवन का सबसे बड़ा क्षण है : डोगरा

जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा ने कहा कि उनकी टीम की रणजी ट्रॉफी में ऐतिहासिक जीत को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं है और यह उनके जीवन का सबसे बड़ा क्षण है। डोगरा नेकहा, 'सच कहूं तो मैं इसे शब्दों में बयान नहीं कर सकता, मेरे पास शब्द नहीं हैं। इस समय यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि है। विदा होने से पहले यह मेरे जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।' उन्होंने कहा, ''सच कहूं तो जेकेसीए (जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ) के साथ रहना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। यहां के खिलाड़ी बहुत अच्छे हैं और उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। मैं केवल 11 खिलाड़ियों की बात नहीं कर रहा हूं बल्कि सभी 14-15 खिलाड़ियों की बात कर रहा हूं। वे लाजवाब हैं, उन्होंने अपना पूरा योगदान दिया है और मैच जीतने के लिए बेताब रहे हैं।

हम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए : पडिक्कल

कर्नाटक के कप्तान देवदत्त पडिक्कल ने कहा कि जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी ने रणजी ट्रॉफी के पूरे सत्र में असाधारण गेंदबाजी की लेकिन स्वीकार किया कि उनकी टीम फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रही, जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा। पडिक्कल ने कहा, 'हम जानते थे कि टॉस बड़ी भूमिका निभाएगा, लेकिन आखिरकार यह फाइनल है। हम सभी जानते हैं कि चाहे आप कुछ भी करो फाइनल का दबाव रहेगा। हमें बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था। दुर्भाग्य से हम ऐसा नहीं कर पाए और उन्होंने हमसे कहीं बेहतर क्रिकेट खेली।' कर्नाटक के कप्तान ने इस पूरे सत्र में नबी के प्रदर्शन के बारे में कहा, 'उन्होंने पूरे सत्र में असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी की।

अंतिम समय में शामिल हुए कामरन इकबाल ने जड़ा शतक

चोटिल शुभम खजूरिया की जगह तुरंत जम्मू-कश्मीर की टीम में शामिल हुए कामरन इकबाल ने फ्लाइट की थकान से पार पाते हुए अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ नाबाद 160 रन की पारी खेलकर टीम को रणजी ट्रॉफी खिताब दिलाने में मदद की। इकबाल का रणजी ट्रॉफी फाइनल में शतक जड़ना शानदार रहा। वह श्रीनगर में अपने घर पर आराम कर रहे थे क्योंकि वह मूल टीम का हिस्सा नहीं थे। तभी उन्हें तुरंत टीम में शामिल होने के लिए फोन आया। इस स्टाइलिश सलामी बल्लेबाज को 23 फरवरी को दोपहर तीन बजे टीम प्रबंधन का फोन आया और उन्हें अगले दिन सुबह नौ बजे खेल शुरू होने से पहले टीम में शामिल होना था।

जम्मू कश्मीर ने 67 साल पहले राष्ट्रीय टूर्नामेंट में लिया था हिस्सा

रणजी ट्रॉफी का इतिहास 92 साल पुराना है लेकिन जम्मू कश्मीर की टीम ने 67 साल पहले पहली बार इस राष्ट्रीय टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। एक समय उसे कमजोर टीम माना जाता था लेकिन अब उसने अपने कौशल और दृढ़ संकल्प से खुद को मजबूत टीम साबित कर दिया। जम्मू-कश्मीर 2013-14, 2019-20 और 2024-25 के सत्र में क्वार्टर फाइनल में पहुंचा था, लेकिन लेकिन वह इससे आगे बढ़ने में नाकाम रहा था। लेकिन केएससीए स्टेडियम में पिछले पांच दिनों में किसी भी समय ऐसा नहीं लगा कि उसके खिलाड़ी पहली बार रणजी ट्रॉफी का फाइनल खेल रहे हैं। उसकी यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उसने उस टीम को हराया, जिसके पास कई स्टार भारतीय खिलाड़ी हैं। यह सही मायने में एक टीम प्रयास था, जिसने कमजोर मानी जाने वाली टीम को खिताब तक पहुंचाया। जम्मू कश्मीर के कप्तान पारस डोगरा रणजी ट्रॉफी में 10 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

श्रीलंका से जीतकर भी हारा पाकिस्तान टी20 विश्वकप में सफर हुआ समाप्त

एजेंसी ▶▶| पाल्लेकल

पाकिस्तान ने शनिवार को सुपर आठ चरण के मैच में श्रीलंका के खिलाफ पांच रन से जीत दर्ज की लेकिन नेट रन रेट में न्यूजीलैंड से पिछड़ने के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गया। सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान (100) के शतक और फखर जमां के (84 रन) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच किसी भी विकेट के लिए टी20 विश्व कप इतिहास में 176 रन की रिकॉर्ड भागीदारी से 8 विकेट पर 212 रन बनाए। इसके जवाब में श्रीलंकाई टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 207 रन बनाए, जिसमें कप्तान दासुन शनाका ने नाबाद 76 रन और पवन रत्नायके ने 58 रन की अर्धशतकीय पारी खेलीं। वहीं, न्यूजीलैंड ने अंतिम चार में अपनी जगह बना ली है।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

पाकिस्तान से मिले 213 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। पथुम निसांका 7 गेंदों का सामना करने के बाद महज 3 रन बनाकर आउट हुए। कामिल मिशारा 26 रन बनाकर आउट हुए। चरित असलंका को 25 रनों के स्कोर पर आउट हुए। कामिंडु मेंडिस सिर्फ 3 रन ही बना सके, जबकि जनिथ लियानागे 5 रन बनाकर आउट हुए। पवन रत्नायके ने एक छोर संभाले रखा और उन्होंने 37 गेंदों में 58 रनों की दमदार पारी खेली।

2 शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने साहिबजादा

साहिबजादा ने श्रीलंका के खिलाफ 100 रनों की पारी खेली तो इससे पहले ग्रुप स्टेज में नामीबिया की टीम के खिलाफ मैच में शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे थे। इसी के साथ अब साहिबजादा फरहान टी20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में 2 शतकीय पारी खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में साहिबजादा फरहान 2 शतक लगाने वाले क्रिस गेल के बाद अब तक के सिर्फ दूसरे खिलाड़ी हैं।

तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड : टी20 वर्ल्ड कप के एक एडिशन में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अब साहिबजादा फरहान के नाम पर दर्ज हो गया है, जिसमें पहले ये रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम पर था। कोहली ने साल 2014 में खेले गए टी20 वर्ल्ड कप में कुल 319 रन बनाए थे। वहीं साहिबजादा इस टी20 वर्ल्ड कप में कुल 383 रन बना चुके हैं।

'करो या मरो' के मुकाबले में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा भारत, गेंदबाजी में करना होगा प्रभावशाली प्रदर्शन

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

भारतीय बल्लेबाज अब अपने पुराने रंग में दिख रहे हैं लेकिन गेंदबाज अब भी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसी परिस्थितियों में वेस्टइंडीज के खिलाफ रविवार को होने वाले टी20 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल जैसे सुपर आठ के मैच में उसे इस विभाग में अपना बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

वेस्टइंडीज की दक्षिण अफ्रीका से हार और भारत की जिम्बाब्वे पर जीत ने ग्रुप एक के सुपर आठ के इस मैच को दोनों टीम के लिए करो या मरो जैसा बना दिया है। इसलिए अब दोनों टीम कोई कसर नहीं छोड़ेंगी और ऐसे में ईडन गार्डन्स में एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिल सकता है। इस मैच के विजेता को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मार्च को दूसरे सेमीफाइनल में खेलने का मौका मिलेगा।

आज शाम 7 बजे से ईडन गार्डन्स में रोमांचक मुकाबला

वेस्टइंडीज का टूर्नामेंट में प्रदर्शन अच्छा

वेस्टइंडीज ने इस टूर्नामेंट में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उनकी रणनीति स्पष्ट है। शुरू में कुछ सतर्क होकर खेलना और बाद में बेखौफ अंदाज में आक्रमण करना। अपनी इस रणनीति के कारण उसे लगातार पांच मैच में जीत मिलीं, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने उसकी जीत का सिलसिला रोक दिया। वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी में गहराई है और इसका नमूना दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ देखने को मिला जब नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे रोमारियो शेफर्ड के नाबाद अर्धशतक लगाया। शिमरोन हेटमायर का नंबर तीन पर आना भी बड़ा सकारात्मक फैसला साबित हुआ है।

'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ' चुने गए मिचेल और मोस्टरी

एजेंसी ▶▶| दुबई

डेरिल मिचेल और सोभना मोस्टरी को जनवरी महीने के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' दिया गया है। मिचेल ने न्यूजीलैंड को भारत में वनडे सीरीज में जबरदस्त जीत दिलाई थी। वहीं, मोस्टरी ने आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप ग्लोबल क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया था। मिचेल ने इस अवॉर्ड के लिए भारत के सूर्यकुमार यादव और इंग्लैंड के जो रूट को पीछे छोड़ दिया। मिचेल ने न्यूजीलैंड के भारत दौरे की 50 ओवर की सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने वनडे फॉर्मेट में अपनी टीम की सफलता दिलाने में अहम योगदान दिया। न्यूजीलैंड की टीम तीन मैचों की वनडे सीरीज में 0-1 से पीछे थी, जिसके बाद मिचेल ने लगातार दो सेंचुरी लगाकर उस सीरीज को पलट दिया। मिचेल ने सीरीज के पहले मैच में 84 रन बनाने के बाद अगले दो मुकाबलों में 131* और 137 रन की पारी खेली थी। उनकी इस शतकीय पारियों के दम पर न्यूजीलैंड ने सीरीज के अंतिम दो मुकाबले जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी।

खबर संक्षेप

खेल मेरे खून में रचा बसा है: ज्योति सिंह

बेंगलुरु। 21 वर्षीय ज्योति सिंह भारतीय हॉकी में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और उन्होंने कहा कि खेल उनके खून में रचा बसा है। झांसी में जन्मी ज्योति ने महिला जूनियर विश्व कप में भारत की कप्तानी की और पिछले साल सीनियर टीम में भी पदार्पण किया, जिसमें उन्होंने प्रो लीग के चार मैचों में भाग लिया। इसमें विश्व में नंबर एक नीदरलैंड के खिलाफ जीत भी शामिल है। उन्होंने कहा, 'मेरे पिता अंतरराष्ट्रीय एथलीट थे। मैं उनके साथ मैदान में दौड़ने और बैडमिंटन खेलने जाया करती थी।' ज्योति ने कहा, 'मेरी चचेरी बहन ने मुझे हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया। वह सीनियर अकादमी का हिस्सा थी। जब भी वह गर्मियों की छुट्टियों में घर आती थी, मैं उसके साथ समय बिताती थी और उसकी तरह बनना चाहती थी।'

इंग्लिश प्रीमियर लीग

वॉल्व्स ने किया उलटफेर एस्टन विला को दी मात

एजेंसी ▶▶| वॉल्वरहैम्प्टन

जोआओ गोम्स ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के वर्तमान सत्र का अपना पहला गोल किया जबकि रोड्रिगो गोम्स ने स्टॉपेज टाइम में गोल दागा, जिससे इस प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता के सबसे निचले पायदान की टीम वॉल्वरहैम्प्टन ने शानदार फॉर्म में चल रहे एस्टन विला को 2-0 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लीग में यह उस क्लब की केवल दूसरी जीत है, जिसके 29 मैच में केवल 13 अंक हैं, जो अपनी करीबी टीम से छह अंकों से पिछड़ रही है। एक ऐसी टीम, जिसका निचली श्रेणी के टूर्नामेंट में खिसकना तय है। वॉल्व्स के प्रशंसक अपनी टीम की इस जीत से काफी खुश थे, जिससे एस्टन विला की चैंपियंस लीग में जगह बनाने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। यह बर्मिंघम के इस क्लब के कोच के रूप में अपनी 100वीं जीत दर्ज करने की कोशिश कर रहे कोच उनाई एमरी के लिए भी करारा झटका है। एस्टन विला अभी प्रीमियर लीग की तालिका में 28 मैच में 51 अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। मैनचेस्टर यूनाइटेड (48 अंक), चेल्सी (45) और लिवरपूल (45) भी शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में शामिल हैं। आर्सेनल (61) और मैनचेस्टर सिटी (56) पहले दो स्थान पर हैं।

डीसीसीआई नहीं करें भारत या भारतीय शब्द का उपयोग : खेल मंत्रालय

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्रालय ने भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) को निर्देश दिया है कि वह अपने नाम या गतिविधियों में 'इंडिया (भारत)' या 'इंडियन (भारतीय)' शब्दों का उपयोग न करे, क्योंकि उसे राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के रूप में मान्यता प्राप्त नहीं है।

न्यायालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायपुर (छ.ग.)

नोटिस

क्रमांक/39/ब-121/2025-26/152
रायपुर, दिनांक 17 फरवरी, 2026

प्रति,
1. श्रीमती नीतू सिंह पति प्रवीण सिंह
2. श्री प्रवीण सिंह व. श्री आर. एम. सिंह
निवासी फ्लैट नं. 409 अशोका इम्प्रेशन, चौथी मंजिल ब्लाक - ए शंकरा हुंडई शो-रूम के पास वार्ड नं. 27 मोवा जिला रायपुर

आवेदक प्राधिकृत अधिकारी इंडियन ओवरसीज बैंक क्षेत्रीय कार्यालय पंडरी जिला रायपुर की ओर से सौम्या गुप्ता अधिवक्ता ने आवेदन पत्र / शपथपत्र मय दस्तावेज प्रस्तुत कर, आवेदन पत्र से आपने बैंक से 14,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर, श्रीमती नीतू सिंह के स्वामित्व की अचल संपत्ति बैंक के पक्ष में बंधक रखा है । आपके द्वारा ऋण की अदायगी नही की जा रही है। जिसके कारण बैंक ने आपको अधिनियम की धारा 13 के तहत नोटिस जारी किया गया कि आप ऋण की अदायगी मय ब्याज एवं अन्य शुल्क रूपया 13,13,994.96 अदा करे, अन्यथा बंधक रखी गई संपत्ति बैंक अपने हक में प्राप्त कर लेगी कि जानकारी दी जाकर, बैंक के पक्ष में आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में बंधक रखी संपत्ति का कब्जा दिलाये जाने का निवेदन किया है।

2/ आपने प्राधिकृत अधिकारी इंडियन ओवरसीज बैंक क्षेत्रीय कार्यालय पंडरी जिला रायपुर से 14,00,000.00 रूपये का ऋण प्राप्त कर मौजा मोवा प.ह.नं. 109 / 39 वार्ड नं. 27 रायपुर स्थित अशोका इम्प्रेसन आवासीय परिसर बहु मंजिला इमारत ब्लाक-ए के चतुर्थ तल में फ्लैट नं. ए-409 रकबा 1054 वर्गफुट बैंक के पक्ष में बंधक रखा है।

3/ अतः आपके द्वारा लिये गये ऋण के एवज में उपरोक्त बंधक रखी गई अचल संपत्ति को वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 14 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये क्यों न आधिपत्य में लेने की कार्यवाही की जावे । आप स्वयं अथवा अपने नियुक्त अभिभाषक के माध्यम से ऋण से संबंधित एवं बंधक रखी गई संपत्ति से संबंधित दस्तावेज लेकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु इस न्यायालय में पेशी दिनांक 09.03.2026 को ठीक 3.00 बजे उपस्थित होना सुनिश्चित करे । नियत तिथि में उपस्थित नही होने की दशा में आपके विरूद्ध एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर, प्रकरण में निर्णय ले लिया जावेगा ।

आज दिनांक 17 फरवरी, 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

(मुहर) कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी
रायपुर (छ.ग.)

अरविंद ने खेला ड्रॉ, गुकेश को मिली फोरेस्ट से हार

प्राग। विश्व चैंपियन डी गुकेश को प्राग अंतरराष्ट्रीय शतरंज महोत्सव के मास्टर्स वर्ग के तीसरे दौर में नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से हार का सामना करना पड़ा, जबकि अरविंद चिदंबरम ने ईरान के परहम मगसूदलू के साथ ड्रॉ खेला। टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत की तलाश में लगे गुकेश ने वैन फोरेस्ट के खिलाफ शुरू से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। वह मैच में किसी भी समय अपनी पकड़ नहीं बना पाए। फोरेस्ट ने सफेद मोहरों से खेलते हुए रूय लोपेज शैली का इस्तेमाल किया और टार्टाकोवर वेरिएशन में बिशप की जोड़ी के साथ शुरुआती बढ़त हासिल कर ली। इससे भारतीय खिलाड़ी दबाव में आ गया और उन्हें अपना एक मोहरा गंवाना पड़ा। तकनीकी पेचीदगियां तो बनी रहीं, लेकिन तब तक फोरेस्ट जीत की स्थिति में नहीं दिख रहे थे। रानी के आदान-प्रदान के बाद गुकेश की स्थिति खराब हो गई और फोरेस्ट ने 48 चाल में जीत हासिल की।

Divisa
आँखों को दीजिए कुदरती आई मंत्रा
असर पहले दिन से
100% Ayurvedic
Helps In :
• Eye Strain • Eye Dryness
• Eye Tiredness • Eye Freshness • Eye Cleanliness
Dr. Juneja's EYE Mantra
12 गुणकारी आयुर्वेदिक औषधियों जैसे गुलाब, तुलसी, आंवला, नीम, पुदीना, शहद इत्यादि के योग से बनी 'आई मंत्रा' आयुर्वेदिक आई ड्रॉप्स आँखों में होने वाली समस्याओं जैसे आँखों की थकान, आँखों का सूखापन, आँखों पर दबाव कम कर उन्हें स्वस्थ व शीतल रखने में सहायक है। आयुर्वेदिक होने के कारण यह सुरक्षित है एवं इसका आँखों पर कोई दुष्प्रभाव भी नहीं पड़ता।
प्रयोग विधि: 2 से 3 ड्रॉप्स दिन में तीन बार या चिकित्सकीय परामर्शानुसार इस्तेमाल करें।
Clinically Tested*
24x7 Helpline: 8196822222 • www.eyemantra.com • Available at all leading medical stores

हजारों साल पहले गुम हुआ रहस्यमयी पर्वत समुद्र की गहराइयों में मिला

वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है। दरअसल प्रशांत महासागर के विशाल पर्वत मिला है, टीम के लिए के बड़ी खोज हैं। अमेरिकी सरकारी एजेंसी राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन की टीम ने प्रशांत महासागर में एक बड़ी खोज की है, जिसने सबको हैरान कर दिया है। जो महासागर की एक दुर्लभ खोजों में एक बताई जा रही है।

इस खोज में टीम को एक पहाड़ मिला है जो पलाऊ के उत्तर में प्रशांत महासागर में एक बड़ा रॉकी पहाड़ समुद्र के नीचे मौजूद है। इसके साथ ही अब आखिरकार उसका नक्शा भी मिल गया है। इसका शिखर सतह से लगभग 800 फीट नीचे है और पूरी संरचना गहरे समुद्र तल से लगभग 2.6 मील ऊपर तक फैली है।

इतना बड़ा है ये पहाड़

इसी माह 2 सितंबर, 2025 को एक फील्ड लॉग में छपी रिपोर्ट की मानें तो, पलाऊ से लगभग 250 मील नॉर्थ में स्थित इस पहाड़ के बारे में और इसकी चोटी की गहराई और पैमाने का उल्लेख किया गया है। इस शुरुआती रिपोर्ट ने भविष्य में वहां गोता लगाने और नमूने के लिए भी आधार तैयार किया।

4000 मीटर है ऊंचाई, देख कर दंग रह गए वैज्ञानिक

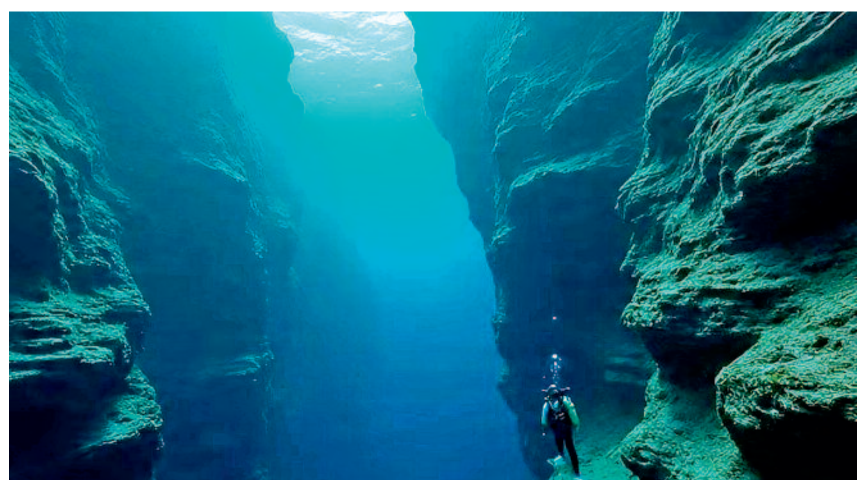

इंसान भी देख सकते है ये पहाड़

लगभग 800 फीट ऊंचे इस शिखर तक सतह पर लगे जहाज के सेंसर आसानी से पहुंच सकते हैं और सही उपकरणों के साथ इंसान के साथ ही वाहन भी इसे आसानी से देख सकते हैं. इसकी ऊंचाई जमीन के फेमस पहाड़ों के बराबर है।

कैसे मिला ये पहाड़

पहाड़ के नक्शे को बनाने के लिए टीम ने मल्टीबीम सोनार का यूज किया, जो कई ध्वनि किरणें भेजकर प्रतिध्वनि का एनालिसिस करता है। इस प्रोसेस को घास काटना कहते है, जिसमें ऑर्गेनाइज्ड तरीके से ट्रैक बनाकर पूरे एरिया का नक्शा तैयार होता है।

किस तरह का है ये पहाड़

सीमाउंट एक पानी के नीचे का पहाड़ है, जो गायब ज्वालामुखी के फॉसिल होते है और जो कभी सतह पर नहीं आए या किसी वजह से पानी की लहरों के नीचे डूब गया। वैज्ञानिकों की मानें, तो दुनिया में इसी तरह की 1 लाख से ज्यादा बड़ी-बड़ी समुद्री पर्वतमालाएं हैं, लेकिन बाकी सब को खोजा नहीं जा सका हैं।

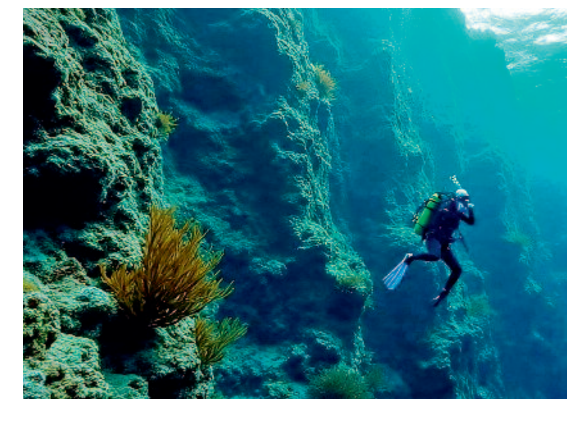

क्यों ये खोज है बेहद अहम

वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस नए पहाड़ की खोज महासागर के अंदर की बनावट को समझने और भविष्य में रिसर्च के लिए नया रास्ता दिखाती हैं। इसके साथ ही, इनका आकार धाराओं को बदलता है और ऐसे आवास बनाता है जो मछलियों, मूंगों और समुद्री जीवों का ध्यान खींचता हैं।

रोचक खबरें

गरीबी से जंग, वायरल वीडियो से मिली पहचान

हैदराबाद। तेलंगाना के अरुण कुमार की कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर छाई हुई है। वायरल लाफिंग बॉय के नाम से मशहूर हुए अरुण कभी बेहद गरीब परिवार से ताल्लुक रखते थे। हालात इतने कमजोर थे कि चौथी कक्षा के बाद ही उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ा। किताबों की जगह उन्होंने ट्रकों के बीच काम करना शुरू कर दिया और लॉरी क्लीनर बन गए।

क्यों छूटी पढ़ाई : घर की माली हालत ठीक नहीं थी। कम उम्र में ही अरुण को समझ आ गया था कि घर चलाने के लिए कमाना जरूरी है। दिनभर ट्रक के साथ सफर, सफाई और छोटी मोटी मजदूरी ही उनकी जिंदगी बन गई। पढ़ाई का ख्वाब जैसे अधूरा रह गया था, लेकिन किस्मत को शायद कुछ और मंजूर था।

कैसे वायरल हुई हंसी : काम के दौरान उनकी मुलाकात ड्राइवर नेहरु से हुई। एक दिन चाय पीते वक्त अरुण की जोरदार हंसी सुनकर नेहरु ने उसका वीडियो बना लिया। यही वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया गया। देखते ही देखते वीडियो वायरल हो गया। लोग उस हंसी को मीम्स और रील्स में इस्तेमाल करने लगे।

किसने बदली जिंदगी

वीडियो वायरल होने के बाद नेहरु ने सिर्फ तालियां नहीं बजाईं, बल्कि अरुण का हौसला भी बढ़ाया। उन्होंने दोबारा स्कूल में दाखिला दिलवाया और पढ़ाई के लिए मदद की। मेहनत और लगन से अरुण ने 10वीं की परीक्षा पास कर ली। आज अरुण कुमार एक कंटेंट क्रिएटर हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। वह अपनी कामयाबी का श्रेय नेहरु को देते हैं।

महिला ने 5.9 किलो के बच्चे को दिया जन्म

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक बच्चे के जन्म ने उसके परिवार और अस्पताल के कर्मचारियों को आश्चर्यचकित कर दिया है, क्योंकि उसका वजन औसत नवजात बच्चे के वजन से लगभग दोगुना है। बच्चे की मां ने बताया कि उनका बच्चा अभी से ही तीन से छह महीने के बच्चों के कपड़े और डायपर पहन रहा है। आमतौर पर बच्चे जब पैदा होते हैं तो उनका औसत वजन 3 किलो के आसपास होता है। हालांकि, कुछ बच्चे 4 या 4.5 किलो के भी होते हैं, लेकिन अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक महिला ने एक ऐसे बच्चे को जन्म दिया है, जिसका वजन औसत नवजात शिशु के वजन से लगभग दोगुना है। इस बच्चे को देखकर न सिर्फ परिवार और अस्पताल के कर्मचारी ही आश्चर्यचकित हुए, बल्कि बच्चे की मां भी पहली बार उसे देखकर चौंक गई। बताया जा रहा है कि शॉन जूनियर नाम का ये विशालकाय बच्चा बीते 31 जनवरी को कायूगा मेडिकल सेंटर में पैदा हुआ था, जिसका वजन 5.9 किलोग्राम (13 पाउंड) है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के माता-पिता टेरिका और शॉन ने कहा कि उन्हें पता था कि उनका बेटा साइज में थोड़ा बड़ा होगा, लेकिन जब उन्होंने उसे पहली बार देखा तो वो हैरान रह गए। टेरिका ने कहा, 'हमें पता था कि वो बड़ा होगा।

लोककथा

पाताल लोक का रास्ता? देश के कौन-कौन से हिस्से में हैं ये जगह

भागवत पुराण में ब्रह्मांड को 14 लोकों में विभाजित बताया

पुराणिक और लोककथाओं के अनुसार पाताल लोक कोई सामान्य यात्रा नहीं, बल्कि दिव्य शक्ति या तपस्या से संभव मानी जाती। मनुष्य के लिए यह असंभव है, लेकिन कथाओं में देवता या अवतार (जैसे हनुमान जी) यहां पहुंचे। हिंदू धर्म के पुराणों और शास्त्रों जैसे विष्णु पुराण, भागवत पुराण में ब्रह्मांड को 14 लोकों में विभाजित बताया गया है। इनमें से ऊपरी सात लोक (भूलोक सहित) ऊर्ध्वलोक कहलाते हैं, जबकि नीचे के सात अधोलोक हैं।

पुराणिक दृष्टि से पाताल लोक सुखी लेकिन मायावी है, जहां पापी आत्माएं नहीं जातीं (नर्क अलग है)। वास्तविकता में ये रास्ते पर्यटन या आध्यात्मिक स्थल हैं, लेकिन खोजबीन खतरनाक हो सकती है। वैज्ञानिक रूप से पाताल लोक का कोई प्रमाण नहीं, लेकिन ये कथाएं ब्रह्मांड की रहस्यमयी संरचना हैं।

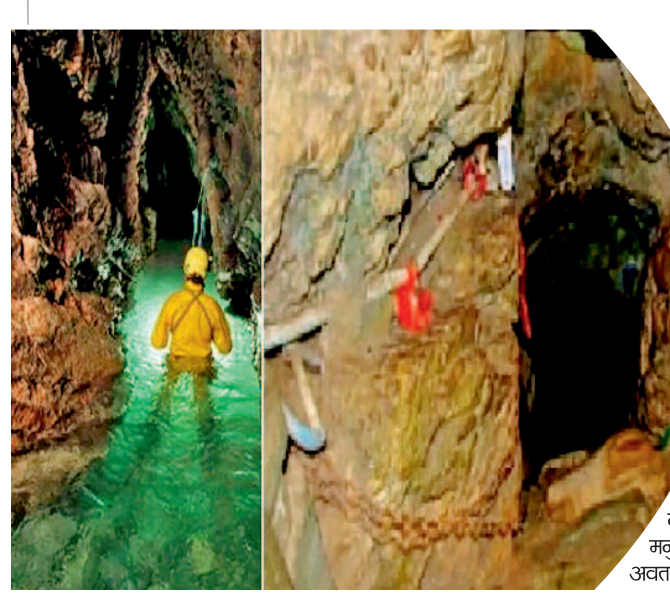

नागों, दैत्यों, दानवों और यक्षों का निवास स्थान

पाताल लोक नागों, दैत्यों, दानवों और यक्षों का निवास स्थान है, जहां वैभवपूर्ण महल, उद्यान और मायावी क्रीड़ास्थल हैं। पुराणों के अनुसार, पाताल लोक कोई साधारण जगह नहीं, बल्कि सुख-समृद्धि से भरी दुनिया है, लेकिन यह मनुष्यों के लिए पहुंच से परे है। पुराणों में पाताल लोक को सात परतों में विभाजित बताया गया है, प्रत्येक की लंबाई-चौड़ाई लगभग 12,000-13,000 किमी है। ये परतें अतल, वितल, सुतल, तलातल, महातल, रसातल, पाताल धरती के नीचे स्थित हैं।

पाताल लोक जाने का रास्ता

पुराणिक और लोककथाओं के अनुसार पुराणों में पाताल लोक भौतिक रूप से पृथ्वी के अंदर है, इसलिए जाने का रास्ता गुफाओं, नदियों, जलाशयों या भूमिगत सुरंगों से होकर बताया गया है। यह कोई सामान्य यात्रा नहीं, बल्कि दिव्य शक्ति या तपस्या से संभव मानी जाती है। मनुष्य के लिए यह असंभव है, लेकिन कथाओं में देवता या अवतार (जैसे हनुमान जी) यहां पहुंचे हैं।

नर्मदा नदी के माध्यम से

पुराणों में नर्मदा को पाताल गंगा कहा गया है। किंवदंती है कि नर्मदा के जल में पार्वती जी की कान की बाली गिर गई थी, जिससे पाताल लोक का एक द्वार खुला। मध्य प्रदेश में अमरकंटक (नर्मदा का उद्गम) से लेकर जबलपुर तक के क्षेत्रों में गुफाएं (जैसे पातालपानी) पाताल के द्वार मानी जाती हैं। यहां से जलप्रवाह के अंदर उतरकर पाताल पहुंचा जा सकता है, लेकिन यह अत्यंत रहस्यमयी और खतरनाक है।

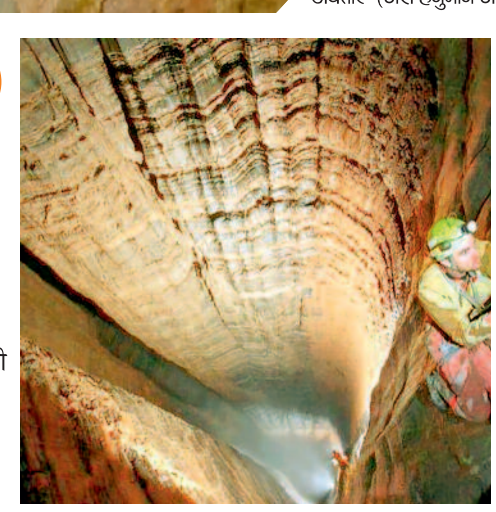

रामायण कालीन पातालपुरी (लंका से सुरंग)

रामायण में हनुमान जी अहिरावण को मारने पातालपुरी गए थे। इसका रास्ता लंका (श्रीलंका) से भूमिगत सुरंग होकर बताया गया है। कुछ कथाओं में होंडुरास (मध्य अमेरिका) के जंगलों में सियुदाद ब्लांका शहर को पाताल लोक माना जाता है, जहां से भारत-श्रीलंका की दूरी के बराबर सुरंग है। यहां वानर देवताओं की मूर्तियां मिली हैं, जो हनुमान से जुड़ी हैं।

ये है दुनिया की सबसे अनोखी जनजातियां, जहां 6 फीट के लोग भी लगते हैं छोटे

जुबा। अगर आप सोचते हैं कि 6 फीट लंबा इंसान बहुत लंबा होता है, तो जरा दक्षिण सूडान की डिंका जनजाति के बारे में जान लीजिए। यहां 6.5 फीट के लोग भी आम नजर आते हैं। यहीवजह है कि इस जनजाति को दुनिया की सबसे लंबी कौमों में गिना जाता है। नील नदी के किनारे रहने वाले ये लोग सिर्फ अपनी लंबाई ही नहीं, बल्कि अनोखी जीवनशैली और परंपराओं के लिए भी मशहूर हैं। पशुपालन पर आधारित इनकी जिंदगी, गायों के प्रति आस्था और मजबूत सांस्कृतिक पहचान इन्हें बाकी दुनिया से अलग बनाती है।

डिंका जनजाति को दुनिया की सबसे लंबी जनजातियों में गिना जाता है। इनकी औसत लंबाई 6 फीट (182 सेमी) से अधिक होती है, जबकि कई लोग 2 मीटर यानी 6.5 फीट से भी ज्यादा लंबे होते हैं। यही वजह है कि ये जहां भी जाते हैं, लोगों का ध्यान तुरंत खींच लेते हैं और शोधकर्ताओं के लिए भी आकर्षण का केंद्र बने रहते हैं। यह जनजाति मुख्य रूप से दक्षिण सूडान में नील नदी के किनारे रहती है। खास तौर पर बहर अल ग़ज़ल और ऊपरी नील क्षेत्र इनके प्रमुख निवास स्थान माने जाते हैं।

गृहयुद्धों ने पारंपरिक जीवन को किया प्रभावित

डिंका लोग दक्षिण सूडान के सबसे बड़े जातीय समूहों में शामिल हैं। 2011 में जब दक्षिण सूडान स्वतंत्र देश बना, तब इस समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। हालांकि 20वीं सदी के गृहयुद्धों ने इनके पारंपरिक जीवन को प्रभावित किया, फिर भी यह जनजाति आज भी अपनी परंपराओं और जीवनशैली को मजबूती से संभाले हुए हैं।

चमत्कारी पेड़! गांववाले कहते राजा-रानी का प्यार

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के लुकवासा गांव में स्थित 200 साल पुरानी कल्पवृक्ष की जोड़ी 'राजा-रानी' के नाम से प्रसिद्ध है। मान्यता है कि इन पेड़ों के नीचे सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है। लोग यहां विवाह, संतान, नौकरी और स्वास्थ्य जैसी इच्छाओं के साथ पहुंचते हैं और धागा बांधकर प्रार्थना करते हैं। इन पेड़ों के अनोखे फल और आपस में गुंथी शाखाएं इसे और भी खास बनाती हैं।

आस्था और प्रकृति का यह संगम शिवपुरी की सांस्कृतिक पहचान को एक अलग ही ऊंचाई देता है। मध्य प्रदेश के शिवपुरी से करीब 35 किलोमीटर दूर लुकवासा गांव में एक ऐसी जगह है, जहां लोग सिर्फ दर्शन करने नहीं, बल्कि उम्मीद लेकर आते हैं। यहां मौजूद है करीब 200 साल पुरानी कल्पवृक्ष की जोड़ी, जिसे गांव वाले प्यार से 'राजा-रानी' कहते हैं। कहते हैं, यहां सच्चे मन से जो भी मांगो, वो खाली नहीं जाता।

फल भी हैं अनोखे

ग्रामीणों के मुताबिक इन पेड़ों के फल भी अलग तरह के होते हैं। देखने में आम, नारियल और बेल के मिश्रण जैसे लगते हैं। पकने के बाद रंग और आकार सूखे खजूर जैसा हो जाता है। वनस्पति विशेषज्ञ इसे दुर्लभ प्रजाति मानते हैं, लेकिन गांव वालों के लिए ये चमत्कार से कम नहीं। लोग पेड़ के नीचे धागा बांधते हैं, दीप जलाते हैं और मन ही मन अपनी इच्छा बोलते हैं।

क्यों खास है राजा-रानी की ये जोड़ी?

आमतौर पर कल्पवृक्ष का मिलना ही दुर्लभ माना जाता है, लेकिन लुकवासा में दो पेड़ साथ-साथ खड़े हैं। पतले तने वाले पेड़ को 'राजा' यानी नर और मोटे तने वाले को 'रानी' यानी मादा कहा जाता है। दोनों की डालियां इस तरह आपस में उलझी दिखती हैं, जैसे कोई दंपति सालों से साथ खड़ा हो। गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि ये पेड़ सिर्फ पेड़ नहीं, आस्था का प्रतीक हैं। शादी, संतान, नौकरी, सेहत हर मनोकामना लेकर लोग यहां आते हैं।

63 लाख साल पहले धरती के इस हिस्से से टकराया था बड़ा उल्कापिंड

ब्रासीलिया। वैज्ञानिकों ने हाल ही में बड़ा चौंकाने वाला दावा किया है। लगभग 6.3 मिलियन (63 लाख) साल पहले उल्कापिंड ब्राजील क्षेत्र से टकराया था। लेकिन, इस घटना का कोई भी सीधा प्रभाव देखने को नहीं मिला। लेकिन, शोधकर्ताओं का कहना है कि उनके पास प्राचीन टक्कर के ठोस भूवैज्ञानिक और रासायनिक प्रमाण हैं। ब्राजील में पाए जाने वाला टेक्टाइट्स क्षेत्र बताता है कि लाखों साल पहले यहां पर उल्कापिंड का टकराव हुआ था। ब्राजील के उत्तरी हिस्से में कई किलोमीटर में बिखरे नेचुरल कांच के टुकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि ये घटना लगभग 63 लाख साल पहले घटी थी।

हरिभूमि माह फरवरी 2026 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
28 दिन	5.00	140.00
	कुल	140.00

हरिभूमि के सुधि पाठक फरवरी 2026 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।

व्यवस्थापक

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
होंठों को पतला - मोटा करें और आकर्षक बनायें.
इंजेक्शन व लेसर द्वारा
छ.ग.शासन से मान्यता प्राप्त
आर.के.सी.के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड कलर्स मॉल के पास, रायपुर
कॉल : 9827143060/8871003060
Ajay Advt.

आप कितने स्वस्थ हैं? जानिएं
एक नियमित वेलनेस चेकअप आपके आज को सुरक्षित और कल को मजबूत करता है
वेलनेस गोल पैकेज ₹1500/- (20 से 40 साल की उम्र के लिए)
वेलनेस जर्नी पैकेज ₹2000/- (40 से 60 साल की उम्र के लिए)
• प्रत्येक शुक्रवार एवं शनिवार
• सीमित सीट
रजिस्ट्रेशन के लिए संपर्क करें 9109956720
Care With Confidence
सुयश हॉस्पिटल
कोटा–गुढ़ियारी रोड़, होटल पिकाडली के पीछे, रायपुर
Ajay 9827144371

संजीवनी सुपरस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल
रक्त रोग व बोन मैरो ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ
डॉ. अदम्य गुप्ता
MD, DM, Hematologist
93435 95828
विशेषज्ञता के क्षेत्र (Area of Expertise)
सभी प्रकार के ब्लड कैंसर का उपचार: ल्यूकेमिया, लिंफोमा, मायलोमा, MDS, मायेलोफाइब्रोसिस
सभी प्रकार के रक्त संबंधी रोगों का इलाज: थैलेसीमिया, सिकल सेल, एप्लास्टिक एनीमिया
बोन मैरो ट्रांसप्लांट यूनिट: अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप
एडवांस्ड ब्लड बैंक व विशेषज्ञ टीम
प्लेटलेट व ब्लीडिंग डिसऑर्डर: थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया, हीमोफीलिया व अन्य
संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल कैंपस, दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, 7389905010

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com